संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | ऊना, बुधवार, 08 मार्च 2023 ₹ 2 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 12 अंक: 66 पृष्ठ: 12 | RNI : HPHIN/2012/48072

actionindiauna@gmail.com | हिमाचल संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

सीबीआई ने की लालू से पूछताछ

जॉब फॉर लैंड केस में लालू से दो राउंड पूछताछ, लालू 11 फरवरी को दिल्ली लौटे, तीन घंटे की पूछताछ के बाद टीम दोपहर लंच के लिए निकल गई

लालू पर शिकंजा

= रेलवे नौकरी घोटाले में लालू से सीबीआइ ने की पांच घंटे पूछताछ, मीसा भारती से भी हुई पूछताछ

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

भूखंड के बदले नौकरी मामले में सीबीआइ ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद एवं राज्यसभा सदस्य मीसा भारती से पांच घंटे पूछताछ की। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद सिंगापुर में किडनी का प्रत्यारोपण कराने के बाद फिलहाल अपनी बेटी मीसा भारती के दिल्ली स्थित आवास पर हैं। एक दिन पहले ही पटना में राबड़ी देवी से भी सीबीआइ की टीम ने पूछताछ की थी।

सीबीआइ के आठ अधिकारियों की टीम मंगलवार की सुबह लालू से पूछताछ के लिए दिल्ली के पंडारा पार्क में मीसा भारती के आवास पर दो कारों में पहुंची। लालू 11 फरवरी को दिल्ली लौटे तीन घंटे की पूछताछ के बाद टीम दोपहर लंच के लिए निकल गई। दोबारा सवा दो बजे फिर पूछताछ शुरू हुई, जो साढ़े चार बजे तक चलती रही। सिंगापुर में किडनी प्रत्यारोपण के बाद लालू 11 फरवरी को दिल्ली लौटे हैं। संक्रमण की आशंका को देखते हुए उन्हें मुलाकातियों से बचने की सलाह दी गई है। यही कारण है कि सीबीआइ अधिकारियों ने मास्क लगाकर एवं दूरी बनाकर ही पूछताछ की। सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के दौरान वीडियोग्राफी भी की जा रही थी। लालू को एक कमरे में सीबीआइ की टीम ने कुछ कागजात दिखाए और उनसे प्रश्न किए।

लालू यादव से सीबीआई की पूछताछ पर भड़कीं रोहिणी

पटना/टीम एक्शन इंडिया

राजद सुप्रीमो लालू यादव को किडनी डोनेट करने के बाद काफी चर्चा में आयी उनकी बेटी रोहिणी पिछले दो दिनों से भड़की हुई हैं। नौकरी के बदले जमीन हड़पने के आरोप का सामना कर रहे राजद सुप्रीमो लालू यादव से मंगलवार को राजद सांसद मीसा भारती के दिल्ली स्थित आवास में सीबीआई ने पूछताछ की। उल्लेखनीय है कि लालू यादव का सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ है। लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने ही उन्हें किडनी डोनेट की थी। इसके पूर्व सोमवार को सीबीआई ने पटना स्थित आवास पर राबड़ी देवी से पूछताछ की थी।

लालू यादव से हुई सीबीआई पूछताछ पर लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने सख्त एतराज जताते हुए यहां तक कहा है कि लालू यादव को परेशान किया जा रहा है। अगर उन्हें कोई परेशानी होगी तो दिल्ली की कुर्सी हिला देंगे।

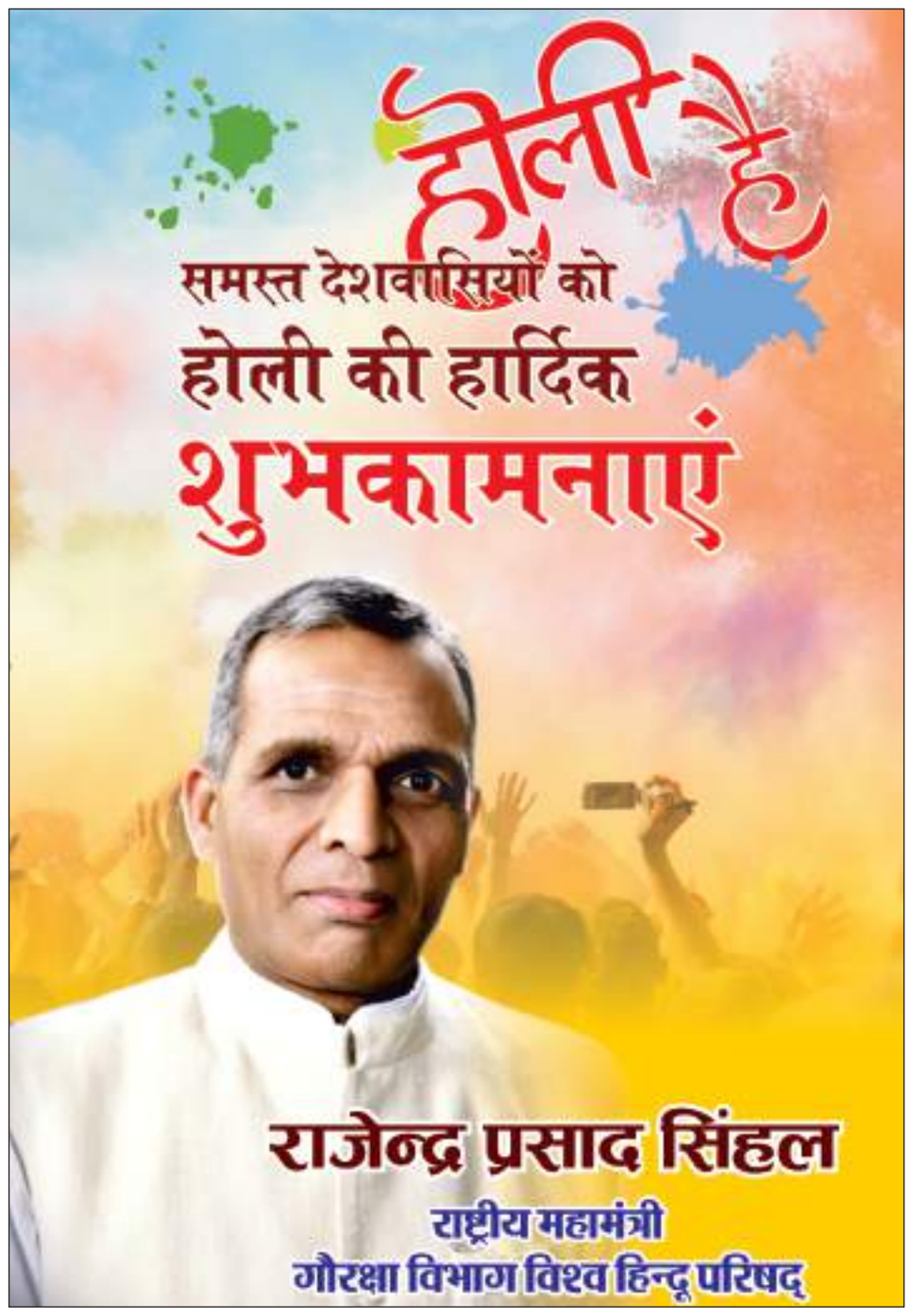

'जीडीपी ग्रोथ में सुस्ती अस्थायी'

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

भारत की असली ताकत घरेलू अर्थव्यवस्था है। यही विकास का प्राथमिक इंजन भी है। पिछले साल के आखिर में अर्थव्यवस्था में आई सुस्ती अस्थायी ही होगी। रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने जारी अपनी ताजा रिपोर्ट में यह बात कही है। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने मंगलवार को कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में आई कमजोरी अस्थायी है। इसमें जल्द ही सुधार हो सकता है। रेटिंग एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि व्यापार के बजाय देश की घरेलू अर्थव्यवस्था भारत की वृद्धि का प्रमुख इंजन है। रेटिंग एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि सालाना आधार पर वृद्धि में उल्लेखनीय कमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही में कोरोना महामारी का अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा था।

पीएफआई के हवाला नेटवर्क पर कार्रवाई

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को बिहार, केरल और कर्नाटक से संचालित हो रहे प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की आतंकी गतिविधियों के लिए चल रहे हवाला नेटवर्क का खुलासा किया है। इस मामले में एनआईए ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। यह मामला फुलवारी शरीफ बिहार में एनआईए की पीएफआई से जुड़े एक मामले की जांच से संबंधित है। एनआईए का कहना है कि फुलवारी शरीफ और मोतिहारी के पीएफआई कार्यकर्ताओं ने संगठन की गतिविधियों को जारी रखने का फैसला किया था और इसी क्रम में असलाह और बारूद इकट्ठा कर पूर्वी चंपारण जिले में विशेष समुदाय के युवाओं को निशाना बनाने का साजिश रची थी।

आइटीबीपी बोनडा के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का किया गया आयोजन

रामपुर बुशहर/लिहांटू
बाल विकास परियोजना रामपुर द्वारा गत दिवस को आइटीबीपी बोनडा के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपमंडल अधिकारी रामपुर सुरेंद्र मोहन ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि आइटीबीपी 43 तक बटालियन के कमांडेंट टी संजीत सिंह, सर्वप्रथम सभी अतिथियों ने बेटी के महत्व को दशार्ने के लिए सेल्फ ी प्वाइंट पर फ ोटोस लिए कार्यक्रम का शुभारंभ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत हस्ताक्षर अभियान के साथ आरंभ किया गया। इसके उपरांत वृत्त सराहन की आंगनबाड़ी कार्यकताओं द्वारा वंदे मातरम प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत हाल ही में वीरगति को प्राप्त हुए पवन कुमार दंगल की याद में मौन रखा गया। बाल विकास

परियोजना अधिकारी रामपुर अजय बदरेल ने मुख्य अतिथि व विशेश अतिथि को पौधा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम जियुरी वृत्त की आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने किनौरी संस्कृति को नाटी के माध्यम से प्रदर्शित किया। इसके उपरांत वृत्त बरकल की कार्यकताओं ने डांडिया प्रस्तुत किया तीसरे नंबर पर वृत्त तकलेच की कार्यकताओं ने स्थानीय संस्कृति को नाटी के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसके बाद वृत्त बहाली की आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने समूह गान प्रस्तुत किया और उसके बाद गांनवी वृत्त की कार्यकताओं ने पहाड़ी नाटी प्रस्तुत की और सराहन की आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने किन्नौरी नाटी प्रस्तुत की और अंत में डनसा बर्कल और स्थानीय महिला मंडल ने भी नाटी प्रस्तुत की। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत हाल ही में जन्मी बेटियों काकी, हरलीन, तृषा, कुसुम और उनकी माताओं को भी मुख्य अतिथि ने जिला प्रशासन की तरफ से बधाई पत्र वह तोहफ ा भेंट किया। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना रामपुर द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताएं भी करवाई गई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान वृत्त रामपुर की कार्यकताओं ने प्राप्त किया। दूसरा स्थान वृत्त डनसा की आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने प्राप्त किया और इस प्रतियोगिता में पहला स्थान वृत्त तकलेच की आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में तीसरा स्थान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता निर्मला ने प्राप्त किया। दूसरा स्थान रेखा आंगनबाड़ी केंद्र चूहाबाग व पहला स्थान दिव्या आंगनवाड़ी सहायिका ने प्राप्त किया और लगभग 25 वर्षों से विभाग में तत्परता के साथ अपनी सेवाएं दे रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रक्षा आंगनबाड़ी केंद्र भद्राश कांता आंगनबाड़ी केंद्र रायशरन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता फु नजा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता दोफ दा 1 राधा को भी सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के लिए तीसरा पुरस्कार व्रत गोपालपुर दूसरा पुरस्कार व्रत रामपुर पहला पुरस्कार वृत्त जियुरी को दिया गया।

राजकीय महाविद्यालय भरली में त्रैवार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में हर्षवर्धन चौहान होंगे मुख्य अतिथि

नाहन/एसपी जैरथ
राजकीय महाविद्यालय भरली आंजभोज में त्रैवार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 10 मार्च, 2023 को किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. व जगदीश चौहान ने बताया कि 2019 से लेकर 2022 तक के मेधावी छात्रों को इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।उन्होंने बताया की यह सम्मान छात्र-छात्राओं को अलग-अलग क्षेत्रों में महाविद्यालय के लिए दिए गए योगदान तथा पढ़ाई के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए दिए जाएंगे।इस अवसर पर प्रदेश सरकार के उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे तथा पांवटा साहिब विधानसभा के पूर्व विधायक किरनेश जंग बतौर विशिष्ट अतिथि समारोह में शामिल होंगे।

विकसित राष्ट्र के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक : चंपा ठाकुर

मंडी/खेमचंद शास्त्री
विकसित राष्ट्र के लिए महिला सशक्तिकरण अत्यंत आवश्यक है। सदर विधानसभा क्षेत्र के वीर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में महिलाओं को संबोधित करते हुए जिला परिषद सदस्य एवं पूर्व में रहे कांग्रेस के प्रत्याशी चंपा ठाकुर ने यह शब्द कहे। उन्होंने कहा कि विकसित राष्ट्र के लिए महिला सशक्तिकरण बहुत आवश्यक है। जिस देश में महिला का सम्मान होता है वह देश साधन, संपन्न और आर्थिक तौर पर मजबूत होता है। महिला ही समाज में समन्वय बना सकती है तथा सरकार को चाहिए कि महिला सशक्तिकरण के लिए वह विधानसभा और लोकसभा

में भी 50 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जो योजनाएं महिलाओं के लिए चल रही है वह अभी नाकाफ ी है लेकिन महिला मंडल, स्वयं सहायता समूह और विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से महिलाओं ने अग्रणी स्थान हासिल किया है। आज हर क्षेत्र में महिला अग्रणी है। उन्होंने कल्पना चावला का उदाहरण देते हुए कहा कि हिंदुस्तान की बेटी ने अंतरिक्ष में अपनी धमक दी थी। इसके अलावा चाहे महारानी लक्ष्मीबाई, इंदिरा गांधी, सुषमा स्वराज और अन्य महिला हो जिन्होंने देश, प्रदेश के लिए बहुत काम किया है। समारोह में पहुँचने पर चम्पा ठाकुर का विभिन महिला मंडलों, समूहों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

जिला ऊना आक्रोश रैली में गरजेंगे पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल

शिमला/टीम एक्शन इंडिया
भाजपा सह मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा ने बताया कि जिस प्रकार से पूरे प्रदेश में भाजपा जिला स्तरीय आक्रोश रैलियों का आयोजन कर रही है उसी क्रम में ऊना जिला की आक्रोश रैली 11 मार्च, 2023 को ऊना में होने जा रही है इस आक्रोश रैली में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल भाग लेंगे। प्रो. प्रेम कुमार धूमल के साथ इस कार्यक्रम में पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतपाल सत्ती, राजेश ठाकुर, राम कुमार, पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर और बलबीर चौधरी

विशेष रूप में उपस्थित रहने वाले हैं।
साथ-साथ इस कार्यक्रम में सभी 2022 के प्रत्याशी, जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, जिला एवं मंडल के महामंत्री एवं मोर्चे प्रकोष्टो के अध्यक्ष और वरिष्ठ नेतागण इस रैली में उपस्थित रहेंगे।

भद्रा के चलते मंगलवार सुबह राज माधव राय की उपस्थिति में हुआ होलिका दहन

मंडी/खेमचंद शास्त्री
जिला मंडी में भद्रा के चलते आज सुबह राज माधव राय की उपस्थिति में होलिका दहन किया गया। इस वर्ष पहली बार बंगला मौहल्ला में राज माधव राय बंगलेश्वरी माता मंदिर में विराजमान हुए और मंडी वासियों को माता बंगलेश्वरी के साथ राज माधव राय के दर्शन एक साथ हो पाए। मंडी शहर में जबतक राज माधव राय शहर की परिक्रमा नहीं करते हैं तब तक फाग नहीं जलाई जाती है और यह परंपरा राजाओं के समय से निभाई जा रही है। इस वर्ष होली पर्व पर भद्रा के चलते होलिका दहन गत रात्रि को नहीं हो सका और मंडी वासियों को

फाग जलाने के लिए सुबह का इंतजार करना पड़ा। मंडी शहर में सुबह भद्रा हटने के बाद माता बंगलेश्वरी मंदिर में वीर मंडल मंडी द्वारा होलिका दहन किया गया जिसे मंडयाली भाषा में फाग कहा जाता है।वीर मंडल के प्रधान चंद्रशेखर वैद्य ने बताया कि इस वर्ष भद्रा के चलते पहली बार मंडी में होली पर्व दो दिन पहले मनाया गया।उन्होंने बताया कि मंडी शहर के सेरी मंच पर पिछले कल हजारों लोगों ने एक साथ होली मनाई और सेरी मंच पर जमकर गुलाल उड़ाया।उन्होंने बताया कि गत रात्रि भद्रा के चलते होलिका दहन नहीं हो सका और आज सुबह माधव राय अपने मंदिर परिसर से शहर की परिक्रमा करते हुए बंगलेस्वरी मंदिर पहुंचे व मंदिर परिसर में विराजमान हुए।उन्होंने बताया कि राज माधव राय की उपस्थिति में सुबह 6:30 पर होलिका दहन किया गया और होलिका दहन के बाद राज माधव राय के साथ आए हुए व बंगला मौहल्ला वशीयिओं को जल पान करवाया गया ।

विश्व हिन्दू परिषद् हिमाचल प्रदेश प्रान्त की दो दिवसीय बैठक संपन्न, सिरमौर को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नाहन/एसपी जैरथ
विश्व हिन्दू परिषद् हिमाचल प्रदेश प्रान्त की दो दिवसीय प्रान्त बैठक शिमला उदासीन आश्रम में सम्पन्न हुई। जिसमें पूज्य महंत डा शिवचन्द्र जी महाराज ने शिरकत की। बैठक में दोनों दिन विश्व हिन्दू परिषद् के उत्तर क्षेत्रीय संगठन मंत्री मुकेश विनायक, मातृशक्ति क्षेत्रीय संयोजिका बिना, हिमाचल प्रान्त अध्यक्ष लेखराज राणा, प्रान्त मंत्री डा. सुनील जसवाल का मार्गदर्शन विभिन्न सत्रों के माध्यम से आए हुए सभी दायित्ववान कार्यकर्ता बन्धुओ एवं भगिनीयों को प्राप्त हुआ। बता दें कि इसमें मुख्यता राष्ट्रहित सर्वोपरि एवं धर्मो रक्षितरू जो विश्व हिन्दू परिषद् का मुख्य उद्देश्य है विषय पर ही केंद्रित रहा। प्रान्त बैठक में हिमाचल प्रान्त में आगामी 6 माह में जिला, स्तर तक के होने वाले कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी गई एवं उसको प्रत्येक समितियों द्वारा अपने अपने जिला, प्रखण्डो में कुशलतापूर्वक करने हेतु विस्तृत योजनाएं बनाई गई। इस बैठक में यह भी निर्णय हुआ कि आगामी 12 मार्च, 2023 को विश्व हिन्दू परिषद् हिमाचल प्रान्त के समस्त 27 संगठनात्मक जिलों में जिला स्तर की बैठक रहेंगी जिसके लिए प्रत्येक जिले हेतु प्रान्त के दायित्ववान पदाधिकारियों को उस जिला बैठक में रहने हेतु दिशा

निर्देश भी दिए गए। विश्व हिन्दू परिषद् हिमाचल प्रदेश की प्रान्त बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सम्माननीय लेख राज राणा द्वारा विभिन्न जिलों से आए हुए कुछ दायित्ववान कार्यकताओं को नवीन दायित्व भी दिए गए एवं कुछ कार्यकताओं के दायित्व परिवर्तन भी किए गए जिसमें जिला सिरमौर में मुख्य रूप से विभोर कुमार को विभाग मंत्री विभाग सोलन, सुनील चौधरी को जिला मंत्री जिला सिरमौर, नरदेव शर्मा को जिला उपाध्यक्ष जिला सिरमौर, सुमित भाटिया को जिला मठ-मन्दिर प्रमुख जिला सिरमौर का दायित्व सौंपा गया।बैठक में जिला सिरमौर से अन्य कार्यकताओं में विश्व हिन्दू परिषद् हिमाचल प्रदेश के प्रान्त मठ-मन्दिर प्रमुख दीपक भण्डारी, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, लीगल सेल संयोजक अधिवक्ता नरेश चौधरी, दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका सीमा देवी, बजरंग दल जिला सह संयोजक अंकित पांडेय आदि लोगों ने भाग लिया।

प्रदेश के प्रमुख अस्पतालों में खोले जाएंगे 50 जन औषधि केंद्र : कर्नल धनी राम शांडिल

शिमला/चमन शर्मा
चालू वित्त वर्ष में प्रदेश के प्रमुख अस्पतालों में 50 जन औषधि केंद्र खोले जाएंगे। इसमें जोनल, क्षेत्रीय और सिविल अस्पताल मुख्य तौर पर शामिल होंगे। सरकार के इस कदम द्वारा किफ ायती और सुलभ औषधि आम लोगों तक पहुंचेंगी तथा लोगों को बेवजह महंगी दवाओं पर अतिरिक्त खर्च से भी निजात मिलेगी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. कर्नल धनी राम शांडिल ने यह बात राज्य स्तरीय जन औषधि दिवस के मौके पर अपने संबोधन के दौरान होटल होलीडे होम में कही। अपने संबोंधन में उन्होंने कहा कि जन औषधि केन्द्रों पर मिलने वाली दवाइयों की कीमतें बाजार में बिक रही दवाइयों की तुलना में 50 से 90

प्रतिशत तक कम हैं। इसके चलते देश में वित्त वर्ष 2022-23 में अब तक 1100 करोड़ की बिक्री प्रधान मंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्रों से की गयी है जिस से आम जनता के लगभग 6600 करोड़ रूपए बचाए गए हैं। जनसंख्या के अनुपात में हिमाचल की भूमिका इस कार्य में अग्रणी है। मंत्री ने कहा कि सस्ती और प्रभावकारी दवाएं आम लोगों तक आसान से पहुंचे इसके लिए प्रदेश सरकार आगामी समय में जन औषधि केंद्रों का विस्तार करेगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखने के निर्देश दिए गए हैं। इसकी निगरानी समय समय पर सरकार द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभावों पर भी चिंता जाहिर की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से पर्यावरण को बचाने के लिए हर संभव कार्य करने की अपील भी की।इस मौके पर स्वास्थ्य सचिव एम सुधा देवी ने भी जेनेरिक दवाओं पर बल देते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग इस दिशा में प्रभावी कदम उठाएगा। उन्होंने जन औषधि केंद्रों के जरिए लोगों को दी जा रही सस्ती और प्रभावी दवाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने मंत्री का स्वागत और सम्मान भी किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन डॉयरेक्टर हेमराज बैरवा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में जन औषधि मित्रों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य सचिव एम सुधा देवी, मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हेम राज बैरवा, निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, डॉ. गोपाल बैरी, सहित आदि उपस्थित रहे।

फसल विविधीकरण व प्राकृतिक खेती को दिया जाएगा बढ़ावा

चंबा/हामिद
विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा है कि प्राकृतिक उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए किसानों- बागवानों को नकदी फ सलों के उत्पादन के साथ-साथ प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए भी विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। यह विचार उन्होंने सोमवार को कृषि तथा उद्यान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में चंबा जिला के भटियात विधानसभा क्षेत्र की गरनोटा पंचायत में आयोजित किसान मेले के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर उपायुक्त

डीसी राणा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि युवा पीढ़ी अपने पुस्तैनी कार्य से विमुख हो रही है जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा युवा वर्ग कृषि एवं बागवानी कार्यों में नव तकनीक का समावेश कर आर्थिक आत्मनिर्भरता का आधार बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में विभिन्न परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए कृषि, बागवानी व पशुपालन व्यवसाय में बृहद बदलाव लाने की आवश्यकता है। जिसके लिए उन्होंने विभाग से अधिक से अधिक लोगों विशेषकर युवाओं को कृषि एवं बागवानी कार्यों में जोड? के साथ आगे आने के लिए प्रेरित करने हेतु आवश्यक कदम उठाने पर बल दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने कृषि व बागवानी विभाग के अधिकारियों को प्रगतिशील किसानों-बागवानों को चिन्हित कर उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर बल दिया ताकि उनके अनुभव, ज्ञान व प्रयासों से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिल सके। कुलदीप पठानिया ने कहा कि प्रदेश में कृषि एवं बागवानी का अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है।

नवरात्रि के दौरान किया जाएगा पीजी कॉलेज नाहन के बहुउद्देशीय भवन का शिलान्यास : अजय सोलंकी

नाहन/एसपी जैरथ
जिले का उत्कृष्ट एवं नैक से मान्यता प्राप्त डा. यशवंत सिंह परमार पीजी कॉलेज सोमवार को पूरी तरह मस्ती में सरोबर रहा। अवसर था महाविद्यालय का 53 वां वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक अजय सोलंकी के द्वारा की गई। पीजी कॉलेज पहुंचने पर मुख्य अतिथि का छात्र-छात्राओं सहित महाविद्यालय प्रबंधन के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आगाज विधायक के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। वहीं विद्यालय की प्रिंसिपल वीना राठौर एसएमसी के अध्यक्ष रूपेंद्र सिंह आदि के द्वारा विधायक तथा अन्य विशेष अतिथि वर्ग को मंच पर सम्मानित किया गया। इजरायल महाविद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को अपनी-अपनी फैसिलिटी में श्रेष्ठ स्थान पाने को लेकर विधायक के द्वारा सम्मानित किया गया। यही नहीं खेलो तथा संगीत सहित सांस्कृतिक व सामाजिक गतिविधियों में उत्कृष्ट स्थान पाने वालों को भी मंच पर बुलाकर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मान दिया गया। महाविद्यालय की प्रिंसिपल वीना राठौर के द्वारा वार्षिक वितरण के साथ-साथ महाविद्यालय के लिए बहुउद्देशीय भवन तथा खेल के मैदान को बनाए जाने को लेकर मुख्य अतिथि को अवगत कराया गया। वहीं विधायक अजय सोलंकी ने मंच से अपने संबोधन में किए गए आदर सत्कार को लेकर आभार व्यक्त किया गया। विधायक अजय सोलंकी ने महाविद्यालय की ओर से रखी गई बहुत देर से भवन की मांग पर अपनी सहमति भी दी विधायक अजय सोलंकी ने आश्वस्त करते हुए कहा कि इस बार नवरात्रों में बहुउद्देशीय भवन की आधारशिला रख दी जाएगी। यही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि आधारशिला रखे जाने के बाद से इसके निर्माण कार्य को भी शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण करवाया जाएगा।

जनऔषधि केंद्रों से मरीजों की 20 हजार करोड़ से अधिक बचत

हमीरपुर/विवेकानंद वशिष्ठ
पहली मार्च से सात मार्च तक मनाए जा रहे जनऔषधि दिवस के तहत मंगलवार को डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कालेज हमीरपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि जनऔषधि केंद्रों में सस्ती दवाईयां उपलब्ध होने से आम मरीजों और उनके परिजनों को बहुत बड़ी राहत मिली है। देश भर में संचालित किए जा रहे 9000 से अधिक केंद्रों के माध्यम से मरीजों को सस्ती दवाईयां, सर्जिकल उपकरण

और अन्य आवश्यक चिकित्सा सामग्री 50 से 90 प्रतिशत तक कम दामों पर उपलब्ध करवाए जा रही है। अनुराग सिंह ठाकुर ने बताया कि इन केंद्रों के कारण अभी तक मरीजों की कुल 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बचत हो चुकी है। इस योजना के तहत लोगों को 1759 प्रकार की हाई क्वालिटी दवाईयां और 280 प्रकार के सर्जिकल उपकरण उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इन सभी दवाईयों एवं उपकरणों में उच्च स्तर की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा रही है तथा इन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मान्यता प्राप्त निमार्ताओं से ही खरीदा जाता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जनऔषधि केंद्र स्वरोजगार के केंद्रों के रूप में भी अपनी पहचान बना चुके हैं। प्रशिक्षित युवाओं को जनऔषधि केंद्र खोलने के लिए पांच लाख रुपये तक की वित्तीय मदद का प्रावधान भी किया गया है। इससे हजारों प्रशिक्षित युवा सफ लतापूर्वक जनऔषधि केंद्रों का संचालन कर रहे हैं तथा अन्य युवाओं को भी रोजगार दे रहे हैं। जनऔषधि केंद्र खोलने के लिए महिलाओं, दिव्यांगों, सेवानिवृत्त सैनिकों, अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लोगों, पर्वतीय क्षेत्रों एवं द्वीप समूह क्षेत्रों के लोगों के लिए भी 2 लाख रुपये तक की वित्तीय मदद दी जाती है। इससे पहले प्रधानाचार्य डॉ. सुमन यादव ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया तथा जनऔषधि केंद्रों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आम लोग मोबाइल ऐप के माध्यम से भी जनऔषधि केंद्रों की जानकारी आसानी से हासिल करके नजदीकी केंद्र से सस्ती दवाईयां एवं उपकरण प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में एसडीएम मनीष कुमार सोनी, कालेज के प्रोफेसर डॉ. लक्ष्मी अग्निहोत्री, डॉ. रामस्वरूप शर्मा, डॉ. अभिलेष सूद, अन्य डॉक्टर एवं प्रशिक्षु डॉक्टर भी उपस्थित थे।

7 मार्च को होगा मैराथन का आयोजन : अमित मैहरा

चंबा/हामिद
अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी अमित मैहरा ने जानकारी देते हुए बताया कि 7 मार्च को जिला प्रशासन के सौजन्य से बेटी बचाओ-बेटी पढाओ योजना के अंतर्गत लड़कियों और महिलाओं के लिए मैराथन का आयोजन किया जाएगा। मैराथन सुबह 6:30 बजे मिलिनियम गेट चम्बा से हरदासपुरा तथा टीबी वार्ड से होते हुए जनजातीय भवन बालू तक आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि मैराथन में प्रथम स्थान हासिल करने वाले को 10 हजार, द्वितीय स्थान 8 हजार जबकि तृतीय करने वालो को 5 हजार रुपये की राशि सहित ट्राफी और सर्टिफिकेट प्रदान किये जायेंगे।

शिक्षा-स्वास्थ्य के लिए खुलकर बजट दे रही है सुक्खू सरकार :सुनील शर्मा बिट्टू

हमीरपुर/विवेकानंद वशिष्ठ
मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा है कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार शिक्षाए स्वास्थ्य और अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं के लिए खुलकर बजट प्रदान कर रही है। इन सुविधाओं के लिए सरकार पैसे की कोई कमी नहीं रखेगी।

सीएम के राजनीतिक सलाहकार ने किया हमीरपुर कालेज की वार्षिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ
मंगलवार को राजकीय डिग्री कालेज हमीरपुर की वार्षिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर शिक्षकों, खिलाडियों और अन्य विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि इस

कालेज के लिए बास्केटबाल कोर्ट सहित हर प्रस्तावित योजना को मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा और उसके पर्याप्त बजट का प्रावधान करवाया जाएगा।

बास्केटबाल कोर्ट और कालेज की अन्य सभी योजनाओं को सीएम तक पहुंचाने का विश्वास दिलायाकॉलेज ग्राउंड की चर्चा करते हुए सुनील शर्मा ने बताया कि वह विद्यार्थी जीवन से ही इस ग्राउंड के साथ भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और इसी की मिट्टी में खेलते हुए उन्होंने क्रिकेट, बैडमिंटन तथा अन्य खेलों में कालेज का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने कहा कि इस ग्राउंड को विकसित करने में

8 सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि इस कालेज के लिए बास्केटबाल कोर्ट सहित हर प्रस्तावित योजना को मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा

एथलेटिक्स कोच भूपिंद्र सिंह का बहुत बड़ा योगदान रहा है तथा उन्होंने यहीं पर कई प्रतिभाशाली एथलीट तैयार किए हैं।

सुनील शर्मा ने खिलाडियों और विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे कड़ी मेहनत करके प्रदेश का नाम ऊंचा करें तथा नशे जैसी बुराईयों से बिलकुल दूर रहें। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने में खेलों में सराहनीय उपलब्धियों के लिए एथलेटिक्स कोच भूपिंद्र सिंह, साई कोच केहर सिंह और पूर्व हाकी खिलाड़ी नरेश ठाकुर को विशेष रूप से सम्मानित किया। उन्होंने वार्षिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता के विधिवत शुभारंभ की घोषणा के साथ ही सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। इससे पहले प्रधानाचार्य चंदन भारद्वाज ने सुनील शर्मा बिट्टू और अन्य सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया तथा कालेज की विभिन्न उपलब्धियों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। एथलेटिक्स प्रतियोगिता के सचिव डॉ. पवन ने मुख्य अतिथि को विभिन्न स्पधाओं से अवगत करवाया। जबकि, प्रतिभागियों ने मार्च पास्ट किया। उदघाटन अवसर पर कालेज के शिक्षक, पीटीए के पदाधिकारी, कांग्रेस और एनएसयूआई के पदाधिकारी तथा अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

सरस्वती पैराडाइज के छात्रों ने उत्तीर्ण की सैनिक स्कूल की परीक्षा

शिमला /चमन शर्मा
यह बेहद खुशी और गर्व की बात है कि सरस्वती पैराडाइज इंटरनेशनल स्कूल के आठ छात्रों- मास्टर ओजस कश्यप, मास्टर अर्नव बिट्टू ठाकुर, मिस अर्निका धनयान, मास्टर श्रेयस कलेट, मास्टर अरनीत चौहान, मास्टर मनन रांटा, मिस सृष्टि और मास्टर तेजस ने अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 2023 एनटीए-नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित, को अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा के साथ उत्तीर्ण किया है।

स्कूल के प्रधानाचार्य मनदीप राणा ने छात्रों और गौरवान्वित माता-पिता को उनकी अच्छी-खासी सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्कूल को ऐसे उज्ज्वल छात्रों का पोषण करने पर बहुत गर्व है। उन्होंने बच्चों को भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

न्यूज फ्लैश

50 लाख की नगद इनामी राशि से सांसद खेल महाकुंभ की 2300 टीमों का सम्मान: अनुराग ठाकुर

हमीरपुर/विवेकानंद वशिष्ठ
हिमाचल प्रदेशरू केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल व युवा कार्यक्रम मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने हमीरपुर में इस वर्ष के सांसद खेल महाकुंभ के विधानसभा स्तर की प्रतियोगताओं के समापन समारोह में 2300 टीमों के प्रतिभागियों को 50 लाख की नगद इनामी राशि वितरित कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। 21 लाख से ज्यादा की नगद इनामी राशि अनुराग ठाकुर ने हमीरपुर के ब्वायज स्कूल ग्राउंड में भव्य कार्यक्रम में विजेताओं को वितरित किए। इस बार के कार्यक्रम की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें पांच खेलों में कुल 2300 से ज्यादा टीमों ने भाग लिया है।प्रोत्साहन के तौर पर सभी टीमों को कुल 50 लाख रुपये इनामी राशि के तौर पर दिए जाएंगे। इनमें ब्लॉक लेवल पर जीतने वाली 85 टीमों को रू 5100, फ र्स्ट रनर अप को रू 3100 और सेकंड व थर्ड रनरअप को भी रू 2100 की राशि प्रदान की जा रही है। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सभी विधानसभा के पार्टी प्रत्याशी एवं पार्टी पदाधिकारियों ने बढ़ाई कार्यक्रम की शोभा इसके अलावा एथलेटिक्स में जीतने वाले 48 लोगों को रू 2100 यानी कुल रू 1 लाख 8 सौ, फ र्स्ट रनर रहने वाले 48 को रू 1100 और सेकंड रनरअप रहने वाले 48 लोगों को रू 750 की राशि दी जा रही है। जिला स्तरीय रेसलिंग में भी 48 विजेताओं को रू 11000, पहले रनरअप को रू 5100 व दूरसे रनरअप को रू 3100 दी जा रही है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

चंबा/हामिद
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जिला चंबा द्वारा मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी चंबा के सभागार में जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता जिला एड्स कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर हरित पुरी ने की। इस मौके पर जिला चंबा के शकुंतला मेमोरियल बीएससी नर्सिंग कॉलेज सरोल चंबा की छात्राओं, हिम नवोदय नर्सिंग स्कूल ओबड़ी/चंबा की छात्राओं तथा महिला आईटीआई चंबा की छात्राओं ने भाग लिया।

इस मौके पर इन छात्राओं के द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, फेस पेंटिंग प्रतियोगिता तथा मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। जिसमें पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में शकुंतला मेमोरियल नर्सिंग कॉलेज की निकिता ने पहला, अलका ने दूसरा तथा हिमानी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि मेहंदी प्रतियोगिता में आईटीआई चंबा की रिया ने पहला संध्या ने दूसरा तथा हिम नवोदय नर्सिंग स्कूल की अनीता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में शकुंतला नर्सिंग कॉलेज की खुशबू ने पहला, आईटीआई चंबा की मोनिका ने द्वितीय, तथा नवोदय नर्सिंग स्कूल की नंदिनी ने तृतीय स्थान हासिल किया।इसके साथ ही फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में शकुंतला मेमोरियल नर्सिंग कॉलेज की मुस्कान में पहला, किरण ने दूसरा तथा सोमिल ने तृतीय स्थान हासिल किया।

सभी विजेता प्रतिभागियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गयासाथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। इस मौके पर जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ हरित पुरी ने उपस्थित छात्राओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें महिला सशक्तिकरण, महिला की शिक्षा तथा लैंगिक समानता के अधिकार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसे साथ ही उन्हें एचआईवी/एड्स के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग चंबा की टीम के साथ तीनों शैक्षणिक संस्थानों के अध्यापक गणभी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को होली उत्सव की शुभकामनाएं दी

शिमला/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू और उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने होली पर्व के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली का त्यौहार आपसी प्रेम एवं सौहार्द का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि होली के रंग हमारी बहुविध-सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए विविधता में एकता का संदेश देते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह त्यौहार प्रदेश और यहां के लोगों के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशियां लेकर आएगा। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने होली के त्यौहार पर अपने संदेश में कहा कि इस पर्व का सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व है।

यह पर्व हमें आपस में मेल-जोल से रहने तथा एक-दूसरे के साथ अपनी खुशियां साझा करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने राज्य के लोगों को इस अवसर पर बधाई देते हुए उनकी सुख--मृद्धि की कामना की है।

शांत प्रदेश को अशांत करने की हो रही है कोशिश :अजय राणा

मंडी/खेमचंद शास्त्री
जिला कुल्लू मणिकर्ण में पंजाब से आये बाइकर्स का हुडदंग सोचनीय व डरावना है। यह सोचने के लिए मजबूर करता है कि इस शांत प्रदेश मे क्या हो रहा है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अजय राणा ने यह शब्द कहे। उन्होंने कहा कि यह गुरू स्थान भी है, अतः यह हुडदंग, हो हल्ला नैतिकता, मूल्यों व परवरिश पर भी स्वाल खड़े करता है। इस का यह मतलब कत्तई नही है कि हिमाचल के लोग ऐसे करतब नही करते हैं। हुडदंगियो को स्टेट व धर्म के साथ जोड ?ा शायद बेमाने होगा। पर हमारी कानून व्यवस्था क्या है यह महत्वपूर्ण है। इस में भी

कोई केस दर्ज कर कोर्ट मे देना ही उपाय नही है। उस से पहले भी बहुत से उपचार व सुधारने की व्यवस्था की औपचारिकता है। उन्होंने कहा कि यह औपचारिकता भी परिणाम देती है। हमे यही मार्ग अपनाने की जरूरत है। पर इस के लिए आने वाले पर्यटकों को पहले ही अगाह करना समय की जरूरत है और सुरक्षा कर्मियों का मुस्तैद होना आवश्यक है। इसके लिए बार्डर पर होर्डिंग लगना जरूरी है। इसके साथ-साथ मेरे कुछ सुझाव सरकार के समक्ष रहेंगे।उन्होंने कहा कि ऐसे सीजन मे पुलिस का बंदोबस्त इन स्थानों पर परिपूर्ण हो जैसे कि कम बंदोबस्त पर मणिकर्ण मे देर रात को कुल्लू से पुलिस मंगवानी पडी। इस से सरकार सीख ले। अहम स्थानों पर कैमरा लगे हों और ट्रैफि क नियमों के उल्लंघन पर तुरंत कार्रवाई हो।

जगह-जगह सडक पर मानिटरिंग के साथ-साथ अगले स्टेशन की पुलिस को सूचना समय पर हो।बाइकर्स आमूमन गलत साईड से व ओवर लोडिंग से पास लेते देखे जाते हैं इस से शरारती तत्वों के हौंसले बड़ जाते हैं। जिस से लोगों को परेशानी होती है व प्रदेश की शाख पर भी बट्टा लगता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को समय रहते इस समस्या का आंकलन कर व गंभीरतापूर्वक विचार कर पड़ोसी राज्यों से सामंजस्य बिठाकर हल निकालने वाले बिंदुओं पर विचार करना चाहिए जिससे हमारे प्रदेश के नागरिक दूसरी स्टेट मे जाती बार कठिनाईयों का सामना न करें जो अब करते देखे जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हिमाचल जैसे शांत प्रदेश को अशान्त करने की नाकाम कोशिश की जा रही है तथा उपद्रवी हिमाचल के स्वभाव वाले लोगों की परीक्षा ले रहे हैं।

मणिकर्ण घटना पर मुख्यमंत्री सुक्खू की गैर जिम्मेदाराना प्रतिकिया: गोविंद सिंह ठाकुर

कुल्लू/श्याम कुल्वी
प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा कुल्लू जिला के पवित्र धार्मिक स्थल मणिकर्ण साहिब में बीते रात हुई घटना पर गैर जिम्मेदाराना प्रतिक्रिया देना और इसे छोटी घटना बताना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह बात पूर्व शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने कही उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के नेतृत्व में प्रदेश भर में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है।उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने उपद्रवियों के

खिलाफ कार्यवाही करने पर अपनी कोई भी रुचि नहीं दिखाई। पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि पिछले कल मनाली में भी दोपहर के समय 2 घंटे तक ऐसे लगभग दो से तीन सौ लोगों ने ग्रीन टैक्स न देने पर हंगामा किया था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को ऐसे लोगों पर दृढ़ संकल्प के साथ सख्त कार्यवाही करनी चाहिए थी परंतु ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कुल्लू मनाली आने वाले सभी पर्यटकों का हम स्वागत करते हैं परंतु इस तरह का व्यवहार करना और हथियार साथ लाना ऐसे लोगों को अनुमति नहीं दी जाएगी।

राज्यपाल ने होली पर्व पर लोगों को बधाई दी

शिमला/टीम एक्शन इंडिया
राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने होली पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। शुक्ल ने कहा कि रंगों के त्योहार होली का अपना विशेष महत्व और विशिष्ट पहचान है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह त्योहार भाईचारे की भावना को और मजबूत करेगा और देश की एकता एवं अखंडता को बढ़ावा देगा। होली पर्व की पूर्व संध्या पर राज्यपाल एवं लेडी गवर्नर जानकी शुक्ल ने आज राजभवन के कर्मचारियों के साथ रंगों का त्योहार मनाया। उन्होंने राजभवन परिवार के सभी सदस्यों को होली की बधाई देते हुए मिठाइयां भी भेंट कीं।

परकोलेशन वैल से ग्रामीणों को उपलब्ध होगा रोजाना हजारों लीटर शुद्ध पेयजल

नाहन/एसपी जैरथ
राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के तहत जल शक्ति विभाग द्वारा विधानसभा क्षेत्र के बिक्र में बाग व बरमापापडी पचांयत के क्षेत्रों में निमार्णाधीन परकोलेशन वैल से ग्रामीणों को जल्द ही रोजाना हजारों लीटर शुद्ध पेयजल उनके घर द्वार पर उपलब्ध होगा।

परकोलेशन वैल शुरू होने से क्षेत्र के दर्जनों गांव के हजारों ग्रामीणों दकदीर बदलेगी जो साल भर पेयजल संकट से जुझते रहे है। विभाग अढाई कारोड़ की लागत से खजूरना, ढाकवाला, देवनी, बिक्रमबाग व बरमापापड़ी गांवों में ऐसे 7 परकोलेशन वैलों का निर्माण करवा रहा है। परकोलेशन वैल के लिएए विभाग को 14 से 24 एलपीएस जल प्राप्त होगा है। विभाग के योग्य अधिकारियों की टीम ने इस प्रयोग को सफल बनाया है। कुछ साल पहले भू-जल वैज्ञानिकों को इस क्षेत्र में जगह-जगह सर्वेक्षण कराया था। भविष्य में अब तस्वीर और ग्रामीणों की तकदीर बदलेगी। विभाग के अनुसार इनमें ज्यादातर कुओं को जमीन में उतारने का काम चल रहा है। नाहन विधान सभा क्षेत्र के निचले इलाकों में नदी नालों में बरसात के मौसम में भारी पानी आता है। बाढ जैसे

हालात होते है। खेत खलियान बहने लगते हैं परन्तु जैसे ही बरसात का मौसम समाप्त होता है सभी नदी नालें सूख जाते है। आसपास के ग्रामीण पेयजल के लिए भी महरूम हो जाते है। ग्रामीणों को ऐसे समय में लगातार पेयजल उपलब्ध करवाने की दृष्टि से कुछ साल पहले भूण्जल वैज्ञानिकों को इस क्षेत्र में जगह-जगह सर्वेक्षण कराया गया। अनेक स्थानों पर टयूबवैल बोर कराए गए परन्तु नतीजा यह रहा की हर बोर में एक इंच या दो इंच पानी वह भी स्थाई नहीं मिला।

मारकण्डा नदी व मारकण्डा नदी की सहायक नदियां जैसे रूणए सलानीए नीमवाली नदी में गहरा भूण्जल प्राप्त नहीं हुआ। केवल तलहटी में आ कर कालाअंबए खैरीए त्रिलोकपुर के कुछ इलाके व बाता नदी के क्षेत्र में ही ट्यूबवैल में कामयाबी मिली।

देवभूमि स्वर्ण संगठन की पैदल मशाल यात्रा पहुंची सोलन

सोलन/मनीष
सवर्ण संगठन द्वारा निकाली गई मशाल यात्रा मंगलवार को सोलन पहुंची, देवभूमि सवर्ण संगठन की इस यात्रा की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मदन ठाकुर कर रहे हैं जोकि सवर्णों के हितों के लिए आवाज उठाते आ रहे हैं।

संगठन के अध्यक्ष मदन ठाकुर ने कहा कि बीते दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री ने स्कूल में पढ? वाले सवर्ण समाज के बच्चों को वर्दी, किताबें न देने का निर्णय कर प्रदेश के बच्चों में अभी से जाति के आधार पर जो जहर घोलने का कार्य किया है वह

निंदनीय है।

मदन ठाकुर ने कहा कि हम मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से पूछना चाहते हैं कि क्या सवर्ण समाज के बच्चे आर्थिक रूप से कमजोर नहीं होते। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष मदन ठाकुर ने प्रदेश वासियों से आह्वान किया कि वे सभी हमारी इस समानता की लड़ाई में साथ दें और अपने बच्चों के भविष्य का नवनिर्माण करें अन्यथा आने वाली पीढ़ियां आपको कोसती रहेंगी। मदन ठाकुर ने कहा कि आजतक स्कूल से लेकर बच्चेएयुवा रोजगार के क्षेत्र में किसानोंए और सभी क्षेत्रों में आरक्षण के आधार पर बंटा हुआ है, इसे खत्म करने के लिए लगातार वे पैदल मशाल यात्रा कर रहे हैं और वे राज्य और प्रदेश सरकारों से आग्रह करते है कि इस ओर ध्यान देकर आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया जाए।

बता दें कि आर्थिक आधार पर हर व्यक्ति को आरक्षण देने की मांग को लेकर पैदल मशाल यात्रा कांगड़ा से दिल्ली और दिल्ली से शिमला की ओर कूच कर चुकी है, देवभूमि सवर्ण संगठन की पैदल मशाल यात्रा सोलन पहुंची ।

नौणी विवि में छात्रों का प्रदर्शन: स्वास्थ्य विभाग ने भरें पानी के सैंपल, विवि प्रशासन भी हुआ गम्भीर

सोलन/मनीष
सोमवार सुबह 9:30 बजे से ही नौणी विश्वविद्यालय में पीलिया फैलने को लेकर छात्र गंदे पानी का विरोध कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों को नहीं माना जाता तब तक प्रदर्शन जारी रहने वाला है। फिलहाल दिन भर चले इस प्रदर्शन को लेकर विश्वविद्यालय प्रदर्शन प्रशासन अलर्ट हो चुका है और अब इसको गंभीरता से लेते हुए छात्रों की मागें मानने को पूरी तरह से तैयार है।

विश्विद्यालय प्रशासन हुआ अलर्ट, हर हफ्ते में होगी एक्वागार्ड और पानी के सोर्स की सफाई, टीम गठित

विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि छात्रों द्वारा जो मुद्दा पानी को लेकर उठाया गया उसे गंभीरता से लिया जाएगा और इमरजेंसी के तौर पर सभी एक्वागार्ड की जांच की जाएगी, जहां से पानी की सप्लाई विश्वविद्यालय को की जाती है उसकी जांच करवाई जाएगी, उन्होंने कहा कि हर महीने जैसे पहले जांच के लिए सैंपल भेजे जाते थे उसी तर्ज पर अब भी भेजे जाएंगे, लेकिन इसे हफ्ते में भेजने के लिए एक टीम भी गठित विश्वविद्यालय द्वारा की गई है जो समय-समय पर पानी की स्टोरेज, पानी की टंकियों की जांच करेगा कि क्या वह सही है या नहीं।

पानी के सैंपल भरेगा स्वास्थ्य विभाग, बीएमओ रहेंगे एक्शन टेकिंग मोड़ पर

वही इस पूरे मामले को लेकर आज जिला प्रशासन सोलन भी अलर्ट रहा स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अमित रंजन मौके पर गए जिन्होंने पूरी जानकारी लेते हुए पानी के सैंपल भरने के निर्देश विभाग को दिए हैं और बीएमओ को एक्शन टेकिंग मोड़ पर रहने का रहने के निर्देश दिए हैं। 27 जनवरी के बाद मृतक

छात्रा नहीं आई विश्विद्यालय, पीलिया से मौत होना स्पष्ट नहीं

डॉ अमित रंजन ने बताया कि छात्र जिस युवती की मौत के मामले पर यह कह रहे हैं कि उसकी मौत पीलिया से हुई है तो यह नहीं कहा जा सकता क्योंकि जो रिपोर्ट्स उस छात्रा की आई है उसमें कहीं भी है स्पष्ट नहीं है कि पीलिए से उस छात्रा की मौत हुई है। छात्रा ने 25 जनवरी को अर्बन हेल्थ सेंटर नौणी में अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई थी जिसके बाद 27 जनवरी को उसे अल्ट्रासाउंड को कहा गया था उसके बाद छात्रा का इलाज बाहरी अस्पतालों में चलता रहा और वह विश्वविद्यालय नहीं आई इलाज के दौरान छात्रा की मृत्यु हुई है लेकिन कहीं भी स्पष्ट नहीं है कि पीलिया होने से युवती की मौत हुई है।

अबतक जनवरी से मार्च के बीच कुल 27 लोगों को हुआ पीलिया, विभाग भरेगा पानी

और खाद्य पदार्थों के सैंपल उन्होंने बताया कि वही जनवरी से लेकर मार्च तक विश्वविद्यालय में 19 छात्र और 7 कर्मचारी पीलिए से ग्रसित हुए हैं और पिछले 10 दिनों में यह केस घटते हुए नजर आए हैं लेकिन छात्रों द्वारा उठाए गए इस मामले को लेकर विभाग ने एक्शन लिया है और यहां पर पानी के सैंपल लेने के लिए कार्य किया जा रहा है वही फू ड सेफ्टी डिपार्टमेंट से भी विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय के बाहर जो होटल रेस्टोरेंट है वहां से सैंपल लेने के लिए भी कहा गया है।

अपनी मांगों को लेकर छात्रों का प्रदर्शन जारी बता दें कि लगातार छात्र अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं, बैनरों के माध्यम से विरोध जारी किया जा रहा है और छात्रों का यह कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती है तब तक वह प्रदर्शन से नहीं हटने वाले हैं सुबह 9:30 बजे से लेकर लगातार छात्रों का प्रदर्शन जारी है और सिर्फ एक ही मांग को लेकर वे लोग नारेबाजी कर रजे हैं कि पानी के स्त्रोतों को साफ किया जाए एक्वागार्ड की सफ ाई की जाए और प्रशासन अगर इसकी ओर ध्यान नहीं देता है तो उनका प्रदर्शन जारी रहने वाला है।

एसजेवीएन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों का किया आयोजन

8 एसजेवीएन महिला क्लब की मुख्य संरक्षक ललिता शर्मा इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रही।

शिमला/चमन शर्मा
एसजेवीएन की निदेशक कार्मिक गीता कपूर ने होटल पीटर हॉफ शिमला में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता की। एसजेवीएन महिला क्लब की मुख्य संरक्षक ललिता शर्मा इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रही। एसजेवीएन की महिलाओं के लिए एक कार्यक्रम 'एनर्जाइजइ का आयोजन किया गया। कर्मचारियों और एसजेवीएन महिला क्लब के सदस्यों सहित लगभग 150 महिलाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस वर्ष महिला दिवस समारोह की थीम रुएम्ब्रेजस इक्विटी है। इस अवसर पर गीता कपूर, निदेशक कार्मिक ने कहा कि महिलाएं पारंपरिक पूर्वाग्रहों से बाहर निकलकर नई ऊंचाईयां हासिल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इन पूर्वाग्रहों के विरुद्ध संघर्ष में हमारी सामाजिक संरचना को अभी भी दीर्घकालीन रास्ता तय करने की आवश्योकता है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन का उद्देश्य महिलाओं में समानता की भावना उत्पन्न करना है। इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करके एसजेवीएन विश्वन को लैंगिक पक्षपात रहित एक बेहतर समाज बनाने के लिए लैंगिक समानता के संदेश का प्रचार करने के वैश्विक मिशन में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। कपूर ने आगे कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए एसजेवीएन की महिलाओं को शामिल करने, प्रेरित करने, प्रोत्सानहित करने, उपलब्धियों का जश्न मनाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के निदेर्शों के अनुरूप अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए एसजेवीएन ने 1 से 8 मार्च, 2023 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसी क्रम में कपूर द्वारा बालिका आश्रम, शिमला में स्मृति चिन्ह वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त एसजेवीएन की महिलाओं के लिए विभिन्न वाताओं, स्वास्थ्य शिविरों और अन्य प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विधानसभा अध्यक्ष ने सम्मानित किया कुमारी लता को

चंबा/हामिद
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने चंबा रुमाल तथा क्ले आर्ट की कला में माहिर लता को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष ने तुम्हारी लता की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस प्रकार लता मिट्टी की मूर्तियां तथा पुतलों के साथ साथ चंबा रुमाल की बारीकियों को उकेरा है उससे अन्य नारी शक्ति को भी उत्साहित होना है। गौरतलब है कि कुमारी लता विजयदशमी के अवसर पर पूछ लेता था मिट्टी की मूर्तियां बनाती हैं जो कला उन्होंने अपने स्वर्गीय पिता से हासिल की हैं। इस अवसर पर सदर विधायक नीरज नैयर तथा परीक्षा बा दुनी चंद राणा भी मौजूद रहे। लता को सम्मानित करते विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, चम्बा सदर विधायक नीरज नैय्यर और उपायुक्त चम्बा दूनी चंद राणा ने स्मृति चिन्ह और प्रशस्त्री पत्र देकर लता को समानित किया।

न्यूज फ्लैश

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह की घोषणा को किया पूरा

कुल्लू/श्याम कुल्वी
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर एक कार्यक्रम का आयोजन शुभम होटल कटराइं में किया गया जिसमें मनाली विधानसभा के विधायक भुवनेश्वर गौड़ मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। विधायक ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका में महिला मजदूर आंदोलन के प्रसंग में पहली बार वर्ष 1909 में इस दिवस को मनाने की शुरूआत हुई थी। इस वर्ष के महिला दिवस को मनाने के लिए इस वर्ष का थीम डिजिट आल लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा की देश के विकास में जितना योगदान पुरुषों का है उतना ही महिलाओं का भी है। पूर्व में पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं का स्थान गौण था लेकिन वक्त के साथ महिलाएं घर की चारदीवारी पार करके राष्ट्र निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दे रही हैं। खेल जगत से मनोरंजन जगत तक, राजनीति से लेकर सैनिक क्षेत्र तथा रक्षा मंत्रालय तक महिलाएं बड़ी भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं की भागीदारी को हर क्षेत्र में बढ़ावा देने व महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है परन्तु इस वर्ष 8 मार्च को होली का अवकाश होने के कारण इसे आज के दिन में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा की सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा के आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से महिला एवं बाल विकास की योजनाओं से महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है परियोजना क्षेत्र में वर्ष 2022-23 में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। उन्होंने कहा कि मदर टेरेसा असहाय मातृ संबल योजना के अंतर्गत 10 माताओं व 16 बच्चों को 48 हजार की राशि आवंटित की गई है। बेटी है अनमोल योजना के अंतर्गत प्रथम घटक में 16 बेटियों को प्रति बेटी 21000 रुपये के हिसाब से 336000 रुपये की राशि आवंटित की गई है। उन्होंने बताया कि बेटी है अनमोल योजना के द्वितीय घटक में छात्रवृत्ति के रूप में 232 बेटियों को 430750 रुपये की राशि आवंटित की गई है। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत 16 बेटियों को 51 हजार प्रति बेटी के हिसाब से 816000 रुपये की राशि आवंटित की गई है। विधवा पुनर्विवाह योजना के अंतर्गत एक महिला को 65 हजार रुपये की राशि आवंटित की गई है इसके साथ ही मुख्यमंत्री शगुन योजना के अंतर्गत 13 अभिभावकों को प्रति 31000 रुपये के हिसाब से 403000 रुपये की राशि आवंटित की गई है। इसके अतिरिक्त जिला कुल्लू में 7 अक्टूबर, 2022 से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का आरंभ हुआ है।

जिसका उद्देश्य पंचायत एवं आंगनबाड़ी केंद्र पर लैंगिक आधार देश व प्रदेश में महिलाओं के पुरुषों की तुलना में अनुपात की कमी को दूर करने के लिए तथा भ्रूण हत्या को रोकने व समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच पैदा करने के लिए जागरूकता लाना है। उन्होंने विभिन्न सांस्कृतिक कार्य प्रस्तुति के लिए तथा रंगोली व मेहंदी प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को भी पुरस्कृत किया। मुख्य अतिथि ने विंटर कार्निवल में झांकियों में भाग लेने वाली 177 महिला मंडलों को मुख्यमंत्री द्वारा घोषणा की गई प्रोत्साहन राशि 20000 प्रति महिला मंडल भी चेक भी महिलाओं को वितरित किए।उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 10 हजार रुपये की राशी दी जाती थी। इस अवसर पर एसडीएम सुरेन्द्र, बीडीओ ओशिन शर्मा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता देवेंद्र नेगी, विद्या नेगी, हरि चंद शर्मा, हीरालाल विभु सहित अन्य उपस्थित थे।

किन्नौर के युवा सीख रहे स्कींग की बारीकियां

किन्नौर/अनिल
किन्नौर जिला के कल्पा उपमण्डल में स्थित रकच्छम में हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं खेल संस्थान मनाली के माध्यम से 14 दिवसीय स्कींग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 70 स्थानीय युवा भाग ले रहें जिनमें 03 युवतियां भी शामिल हैं।अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं खेल संस्थान मनाली के प्रशिक्षक अंकुश वर्मा ने बताया कि यह प्रशिक्षण 27 फ रवरी से 12 मार्च, 2023 तक चलेगा। इस 14 दिवसीय प्रशिक्षण में युवाओं को स्कींग से सम्बधिंत कौशल की जानकारी प्रदान की जा रही है ताकि युवा स्कींग के क्षेत्र में अपना नाम कर सकें। उन्होंने बताया कि उनके साथ दो अन्य प्रशिक्षक एलण्सी नेगी व निश्चय राण्टा इन प्रशिक्षुओं को स्कींग के गुर सिखा रहे हैं।अंकुश वर्मा ने बताया कि किन्नौर जिला पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण जिला है तथा यहां सर्दियों के मौसम में पर्याप्त बर्फबारी होती है तथा इस अनुकूल परिस्थिति के मद्देनजर स्कींग मनोरंजन के साथ-साथ आय का अच्छा स्त्रोत भी है। इसी के साथ-साथ स्कींग विंटर गेम्ज व साहसिक खेलों के माध्यम से पर्यटन को बढ़ाने में अच्छा योगदान कर सकती है।

पढ़ाई के साथ-साथ सह-अकादमिक गतिविधियों में भी लें भागः उपायुक्त

किन्नौर/अनिल
जिला प्रशासन किन्नौर व ठाकुर सेन नेगी राजकीय महाविद्यालय रिकांग पिओ की एनएसएस, एनसीसी तथा रोवर एंड रेंजर यूनिट के संयुक्त तत्वाधान में आरटीआई एक्ट पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राजकीय महाविद्यालय रिकांग पिओ में किया गया जिसके समापन समारोह में जिलाधीश किन्नौर तोरूल एस रावीश बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रही। इस अवसर पर जिलाधीश ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अन्य सह-अकादमिक गतिविधियों में बढ़ चढकर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सर्वांगीण विकास के साथ-साथ विद्यार्थियों को अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए तथा कड़ी मेहनत, धैर्य व समर्पण के साथ विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को उत्तम श्रेणी की पुस्तकें पढ ?ी चाहिए और ग्रुप डिस्कशन में महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करनी चाहिए।जिलाधीश ने महाविद्यालय के अकादमिक भवन, प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय तथा प्रयोगशालाओं का दौरा करते हुए महाविद्यालय के विकासात्मक कार्यों का जायजा भी लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में एनसीसी कैडेट्स ने मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर देकर भव्य स्वागत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विद्या बंधु नेगी ने मुख्य अतिथि तथा अन्य विशिष्ठ अतिथियों जिला लोक संपर्क अधिकारी किन्नौर सिंपल सकलानी,जिला युवा अधिकारी एवं समन्वयक नेहरू युवा केंद्र किन्नौर अतुल शर्मा तथा उपस्थित विद्यार्थियों का स्वागत किया।महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. हीर चंद्र नेगी ने मुख्य वक्ता के रूप में सूचना का अधिकार कानून पर एक विस्तृत व शिक्षाप्रद व्याख्यान प्रस्तुत किया।इस दो दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न अकादमिक गतिविधियां आयोजित की गई जिसमें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग, नारा लेखन, चित्रकला, निबंध लेखन तथा संवाद प्रस्तुति शामिल रहे।

जिंदगी यूं हुई तन्हा ने बटोरी तालियां

बिलासपुर/कश्मीर ठाकुर
जिला की अग्रणी संस्था कल्याण कला मंच ने वसन्त पंचमी और महिला दिवस पर अपनी मासिक संगोष्ठी साकेत ईको गार्डन बामटा, बिलासपुर में बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाई। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता मंच के प्रधान सुरेन्द्र मिन्हास ने की और विशिष्ट अतिथियों के पद पर जीत राम सुमन, शीला सिंह और कविता सिसोदिया उपस्थित रहे। संगोष्ठी का शुभारम्भ मां सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ। वीर सिंह चंदेल ने अपनी बांसुरी की धुन पर भगवान का गुणगान किया। मंच संचालन करते हुए राजपूत देवेन्द्र ठाकुर ने सबसे पहले हुसैन अली को अपनी नजम पेश करने के लिया आमंत्रित किया। हुसैन अली ने जिंदगी यूं हुई तन्हा से संगोष्ठी का आगाज किया, उसके बाद लश्करी राम ने व्यास धरती बिलासपुरा री म्हारी, अमरनाथ धीमान ने अम्मे नी मेरिए तै मुंह कजो लया छुपाई, राकेश मिन्हास ने नफरतों के इस दौर में ऐ दोस्त यूं मुस्कुराना तुम, वीर सिंह चंदेल ने बांसुरी के साथ सुंदर भजन सुख के सब साथी दुख में न कोई की अदभुत प्रस्तुति दी। परम जीत ने बांका मेरा हिमाचल, जोगेंद्र महाजन ने कुंजू चंचलों, चिंता देवी ने डूगी डुगी नदियां, सरस्वती शर्मा ने फोने पट्या जमाना, नरेगे पटिया जनाना, कुमारी ज्योत्सना ने अपने सपनों को त्यागकर, रविंद्र चंदेल कमल ने मुकुट धारी रंग बरसाए, गोपियों संग रास रचाए, चंद्रशेखर पंत ने मेरे तुम्ही हो किसी के नहीं हो, आचार्य जगदीश सहोता ने श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी, राजपूत देवेन्द्र ठाकुर ने होली आते ही सबमें खुशियां छाने लग जाती है

उप-मुख्यमंत्री ने धर्मपुर सड़क हादसे पर शोक व्यक्त किया

शिमला/टीम एक्शन इंडिया
उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सोलन जिला के धर्मपुर में आज प्रातः हुए सडक हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट करते हुए इस असहनीय दुःख को सहन करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है।

एचआरटीसी बस मुद्दे पर वाइट पेपर लेकर आए मुकेश अग्निहोत्री हम देंगे जवाबः सत्ती

शिमला/चमन शर्मा
भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक सतपाल सती ने उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री पर पलटवार करते हुए कहा की सूखे की सरकार कर रही 24इ7 पानी की बात। उन्होंने कहा कि हम बताना चाहते हैं कि हिमाचल प्रदेश में अगर 24इ7 पानी की स्कीम अगर कोई सरकार लेकर आई तो वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, अगर इन परियोजनाओं का श्रेय कांग्रेस लेना चाहती है तो वह लेए पर जनता सब जानती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए गए हस्ताक्षर अभियान से भयभीत हो चुकी है और जिस प्रकार से भाजपा को धरातल पर इस अभियान को लेकर समर्थन मिला है उससे कांग्रेस डामाडोल हो गई है। जिस प्रकार से जिला आक्रोश रैलियों में जनता निकल कर आ रही है और पूरे प्रदेश भर में इस रैलियों को लेकर जनता में अद्भुत जोश है उससे भी इस सरकार के नेता घबरा गए हैं। अगर स्कूल बंद करने की बात करें तो पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने कहा था कि एक बच्चे के लिए भी स्कूल खोलूंगा, आज अपने कद्दावर नेता के वाक्य से ही मुकर रहे है यह कांग्रेस नेता। एक बच्चे की शिक्षा भी महत्वपूर्ण होती है। सत्ती ने कहा की जो बसों की खरीद के आरोप मुकेश अग्निहोत्री भाजपा पर लगा रहे है वह निराधार है, इस मुद्दे पर वाइट पेपर लेकर आएं मुकेश अग्निहोत्री। व्हाइट पेपर का पूर्ण जवाब भाजपा देगी। जैसे कि इनके मुखिया सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी कहा था कि कर्ज के विषय पर यह सरकार वाइट पेपर लेकर आएगी, जिसका जवाब भाजपा सडकों से लेकर विधानसभा तक देगी। मुकेश अग्निहोत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए खुद कहा कि 10 साल में जो भी बसें खरीदी गई है उसमें गड़बड़झाला है पर अगर यह 10 साल की बात कर रहे हैं तो इनकी सरकार भी 5 साल सत्ता में रही थी, जब स्वर्गीय वीरभद्र प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री थे। मुकेश अग्निहोत्री हिमाचल में लगे वोटर सेस की बात भी कर रहे हैं पर इसमें इन्होंने एक चेयरमैन और चार सदस्य बताने की बात की है क्या यह अपने चहीतो को एडजस्ट करना चाहते हैं पहले मुकेश अग्निहोत्री स्पष्ट करें।

मशहूर स्टेज एंकर जयंत भारद्वाज का मंडी री होली गाना रिलीज

मंडी/खेमचंद शास्त्री
हिमाचल प्रदेश के छोटी काशी कहे जाने वाली मंडी जहां की शिवरात्रि व होली पूरे हिंदुस्तान ही नहीं पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। मंडी में होली इतने उत्साह से मनाई जाती है कि चारों तरफ रंग गुलाल ही उड़ता नजर आता है। मंडी के सेरी मंच पर युवाओं का रंग बिरंगे रंगों को उड़ाते हुए डीजे की धुनों पर थिरकना होली के रंगों में चार चांद लगा देता है। युवाओं के इसी उत्साह को देखते हुए मंडी के मशहूर स्टेज एंकर जयंत भारद्वाज द्वारा मंडी री होली गाना रिलीज किया गया। अभी सिर्फ इस गाने का ऑडियो रिलीज किया गया है। सिर्फ ऑडियो रिलीज के बाद ही यह गाना लोगों के दिलों पर राज करने लगा है पहले ही दिन डीजे की धुनों पर युवा इस गाने पर इतने थिरके की बार.बार यह गाना बजाया गए। इस गाने के वीडियो की शूटिंग मंडी होली समारोह वाले दिन सेरी मंच पर की गई। कुछ ही दिनों बाद इस गाने का वीडियो रिलीज किया जाएगा। इस गाने को जयंत भारद्वाज ने अपने दोस्त ऋ षभ ओशो के साथ लिखा। गीत का संगीत जैकब द्वारा दिया गया। जयंत भारद्वाज द्वारा गाए गए मंडी री होली गाने का वीडियो आप जेबी नाम के यूट्यूब चैनल और इसी नाम से बने इंस्टाग्राम आकउंट पर देख सकते हैं। जयंत भारद्वाज ने बताया की मंडी की होली की धूम आज पूरे भारत में दिखाई देती है। यह गाना उन्होंने मंडी की पारंपरिक मंडीयाली बोली को प्रमोट करने के लिए बनाया है। अभी इस गाने का सिर्फ ऑडियो रिलीज किया गया है।

देवभूमि में हादसा, इनोवा कार ने 9 प्रवासी मजदूरों को कुचला, पांच की मौत, चार घायल, सीएम ने जताया शोक

सोलन/धर्मपुर/मनीष/विशाल
मंगलवार को सुबह सवेरे देवभूमि हिमाचल प्रदेश के सोलन जिला में स्थित कालका शिमला एनएच पांच पर धर्मपुर के नजदीक एक हादसा पेश आया, जिसमें इनोवा कार ने 9 प्रवासी मजदूरों को कुचल दिया जिनमें से 5 मजदूरों की मौके पर मौत हो गई और चार घायल है जिनमें से दो का इलाज पीजीआई चंडीगढ़ और दो का इलाज एमएमयू अस्पताल सोलन में चल रहा है। धर्मपुर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम करवाया गया जहां कसौली के विधायक विनोद सुल्तानपुरी और एसडीएम कसौली गौरव महाजन मौके पर मौजूद थे। कसौली के विधायक विनोद सुल्तानपुरी ने इस दौरान कहा कि वे मृतक के परिजनों के साथ है और जो भी सहायता प्रशासन और सरकार द्वारा की जानी है वह करेंगे। विधायक विनोद सुल्तानपुरी ने कहा कि दुखद घटना उनके निर्वाचन क्षेत्र कसौली के धर्मपुर में हुई है जिसमें 5 प्रवासी मजदूरों की मौत हुई है यह सभी अपने काम के लिए सुबह निकले थे लेकिन एक अनियंत्रित इनोवा कार ने उन्हें कुचल डाला जिसमें से 5 मजदूरों की मौत हुई है और 4 घायल हुए है।

परिजनों को दी गई है फौरी राहत, शवो को घर तक पहुंचाने के

उन्होंने कहा कि इस तरह की लापरवाही बरती जाना है गलत है और इससे आने वाले समय में भी कई दुर्घटनाएं सामने आ सकती है उन्होंने कहा कि फिलहाल फौरी राहत के रूप में प्रशासन द्वारा 4-4 लाख की राशि परिजनों को दी जा रही है और प्रवासी मजदूर के शवों को घर तक जाने के लिए गाडि ?ां प्रशासन के माध्यम से मुहैया करवाई गई है।

ब्लैक स्पॉट्स को लेकर मांगेंगे रिपोर्ट, सरकार के समक्ष रखेंगे बात

उन्हें आश्वासन दिया है कि प्रदेश सरकार और प्रशासन फ ोरलेन निर्माण कर रही कम्पनी से भी रिपोर्ट मांगेंगे क्योंकि इसमें कई ब्लैक स्पॉट्स है जहां इस तरह के हादसे पेश आ रहे है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में वे एक रिपोर्ट प्रदेश सरकार को सौंपने वाले हैं और फोरलेन निर्माण में जो कमियां होगी उसे सुधारने के निर्देश देंगे।

प्रशासन कर रहा उचित कार्यवाही

वहीं दूसरी तरफ एसडीएम कसौली गौरव महाजन का कहना है कि सुबह सवेरे धर्मपुर में जो हादसा पेश आया है उसको लेकर प्रशासन अलर्ट हो गया और गए मौके पर पहुंच गए थे। उन्होंने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम धर्मपुर अस्पताल में करवाया गया है उन्होंने कहा कि जो भी सहायता प्रशासन द्वारा की जानी है वह की जाएगी।वहीं पुलिस भी अपनी कार्यवाही इस मामले में कर रही है।

सीएम सुक्खू ने जताया शोक

प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शोक जताते हुए कहा कि सोलन के पीएनबी बैंक धर्मपुर के पास एक तेज रफ्तार इनोवा टैक्सी द्वारा सडक के किनारे चल रहे करीब 9 मजदूरों को कुचल देने की दुःखद खबर है। इस हादसे में 5 मजदूरों की मौत हो गई है और बाकी मजदूर काफ ी गंभीर हालत में हैं। भगवान मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करें व घायल मजदूर जल्द से जल्द स्वस्थ हों। लोकल प्रशासन से अनुरोध है कि वह घायलों और मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता उपलब्ध करवाएं।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. शांडिल ने धर्मपुर हादसे पर किया शोक व्यक्त

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हिमाचल प्रदेश डॉ. कर्नल धनीराम शांडिल ने आज जिला सोलन के धर्मपुर में हुई दुर्घटना में मजदूरों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने परम पिता परमात्मा से दिव्यंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। मंत्री ने शोक संतप्त परिजनों के साथ गहरी संवेदनाएं व्यक्त की तथा घायल मजदूरों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए प्रार्थना की।

यूपी बिहार के रहने वाले थे मजदूर

बता दें कि मंगलवार सुबह सवेरे हिमाचल प्रदेश में धर्मपुर कालका शिमला एनएच पांच पर करीब 9 मजदूर अपने काम के लिए जा रहे थे तो ऐसे में पीछे से एक इनोवा कार तेज रफ्तार से आई जिसने 9 के 9 प्रवासी मजदूरों को टक्कर मार दी जिनमें 5 प्रवासी मजदूरों की मौत हुई है और 4 घायल है। फिलहाल प्रशासन शव का पोस्टमार्टम करवाकर शवों को उनके घर भेजने की तैयारी कर रहा है। ये सभी मजदूर पिछले काफी समय से सोलन और धर्मपुर में कार्य करते है और ये सभी यूपी और बिहार के रहने वाले है।

न्यूज फ्लैश

यहां हिन्दूवादी संगठन सजग पर पुलिस ... !

मथुराः हिन्दूवादी संगठनों की सक्रियता से कटान को जा रहे 22 गोवंश को मुक्त करा लिया गया। वहीं एक अन्य स्थान पर अवैध रूप से ले जाया जा रहा 500 किलोग्राम मीट भी संगठनों के कार्यकताओं की सजगता के चलते पकड़ा जा सका। दोनों ही मामलों में हिन्दूवादी संगठनों की सजगता काम आई। संगठनों से जुड़े कार्यकताओं ने पुलिस को दोनों मामलों की सूचना दी। इसके बाद पुलिस सक्रिय हुई। हालांकि इसके बाद भी गौ तस्करों को पकडा नहीं जा सका। इससे हिन्दूवादी संगठनों में रोष है। इन लोगों का कहना है कि अगर वह लगातार सजगता न बरतें तो इस तरह की घटनाएं होती रहें। मंगलवार सुबह गौ रक्षक दल और बजरंग दल कार्यकर्ताओं की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ईको कार से 500 किलो मीट पकडा। पकडे गए युवक ने पुलिस को बताया कि वह मीटर अलीगढ़ से लेकर आया था और कोसीकला लेकर जा रहा था। पुलिस ने गौ रक्षक दल के अध्यक्ष रवि शर्मा की तहरीर पर गोवध निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ईको कार के चालक सालउद्दीन निवासी मुरसान हाथरस का चालान कर दिया है। पुलिस ने कार को भूतेश्वर तिराहा स्थित श्रीजी बाबा आश्रम के पास पकडा। पुलिस ने वेटनरी मीट का सैंपल भेज कर शेष मीट को नष्ट करा दिया। दूसरे मामले में गोरक्षक दल की सूचना पर पुलिस ने तस्करी कर ले जाए जा रहे गोवंश को मुक्त कराया। एक कैंटर में लादकर गोवंश को ले जाया जा रहा था। पुलिस ने 22 गोवंश को मुक्त कराया जबकि चालक और अन्य तस्कर भाग गए। गोरक्षक दल ने पुलिस को सूचना दी कि एक कैंटर में गोवंश को लेकर आगरा से मेवात की ओर ले जाया जा रहा है। पुलिस को देखकर तस्कर महुअन टोल के समीप कैंटर को छोड कर भाग गए। पुलिस ने गाडी से 22 गोवंश को उतारा और गोशाला भिजवाया। थाना फरह पुलिस ने गोवध निवारण व पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

जेसीआई मथुरा कालिंदी ने आयोजित किया होली मिलन समारोह

मथुरा। छटीकरा स्थित कृष्णा फार्म पर जेसीआई मथुरा कालिंदी द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें संस्था की सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। मंच संचालन जेसी रुपाली और जेसी अलका ने किया। सर्वप्रथम सर्कस थीम पर तंबोला कराया गया। उस के बाद सभी पूर्व अध्यक्षों द्वारा खलनायक थीम पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसी क्रम में पप्पू का भांग का ठेका भूकंपेश्वरी, ठरकी पंडित और देवरानी जेठानी की भोजपुरी लड़ाई, नाटिका प्रस्तुत की गई। रूपा गोपाल ने पति का मुरब्बा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। महिला दिवस के अवसर पर अध्यक्ष जेसी रजनी मालपानी ने अपने विचार रखे। सभी पूर्व अध्यक्षों को हास्य भरे स्लोगन भी दिए गए। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष अलका, अंजलि, मनीषा, रश्मि, साधना, गीतांजलि, निधि, ममिता, मोना, अनीता, नम्रता, नीलिमा, मिताली, ममता, विभा, रुचि, दीपा, ऋचा, ललिता, हेमा आदि उपस्थित रहे।

बिजली के शॉर्ट सर्किट से 800 मण कड़बी जलकर राख किसान को तीन लाख का नुकसान

नारनौल/संतोष यादव

बिजली के शार्ट सर्किट से सोमवार शाम को खाली जमीन पर लगी करीब 800 मन कड़बी जलकर राख हो गई। इस कड़बी को गांव के एक व्यक्ति द्वारा खरीद कर एक जगह लगाई गई थी। इससे व्यक्ति को करीब तीन लाख रुपए का नुकसान हुआ है। पीड़ित ने इसके लिए मुआवजे की मांग की है।

गांव खानपुर के गुरुकुल के पीछे खाली पड़ी जमीन पर खानपुर निवासी दयाराम ने 150 मन कड़वी लगाई हुई थी। उसी ने 650 मन कड़वी नांगल पीपा के व्यक्ति से खरीद कर उसी जगह लगा दी। पीड़ित दयाराम का कहना है कि वह इस कड़बी को 5 से 7 दिन में उठाने वाला था, लेकिन बिजली के तारों की शार्ट सर्किट की वजह से आग लग गई। पीड़ित ने बताया कि खाली खेत में लगी कड़बी में आग लगी देख ग्रामीणों ने ट्रैक्टर की सहायता से इसी जगह लगी अन्य कड़बी को जलने से बचाया, लेकिन करीब 800 मण कड़बी जलकर राख हो गई। इस बारे में ग्रामीणों ने दमकल को सूचित किया। मौके पर पहुंची दमकल ने करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके अलावा ग्रामीणों ने अपने प्रयासों से भी आग पर काबू पाया।

रेलवे प्रशासन द्वारा बंद किया गया रास्ता चार दिन में खोलने की मांग

सोनीपत/टीम एक्शन इंडिया

हिन्दू कॉलेज रेलवे फाटक के फ्लाईओवर के नीचे रेलवे स्टेशन से सारंग रोड जाने वाले रास्ते को रेलवे प्रशासन द्वारा लोहे का गार्डर डालकर बंद किए जाने से गुस्साये नागरिकों एवं व्यापारियों ने उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन की अगुवाई में प्रदर्शन कर चार दिन में रास्ता खोलने का अल्टीमेटम दिया, अन्यथा स्वयं शहर की जनता रास्ता

खोलने का काम करेगी। दुकानदार सारंग रोड पर इक्ट्ठा हुए और रेलवे प्रशासन मुदार्बाद, तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाते हुए सीनियर सेक्शन आफिसर (रेलवे) के कार्यालय तक गए और नारेबाजी की। राजीव जैन ने इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी मुकेश कुमार से फोन पर बातचीत की और जनता के रोष एवं परेशानी से अवगत करवाते हुए रास्ता खोलने की मांग रखी। रेलवे अधिकारी ने बताया कि रास्ता डिविजनल रेलवे प्रबंधक के आदेश से बंद करवाया गया है।

व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष संजय सिंगला ने बताया कि रास्ता बंद होने से आमजन, दैनिक रेल यात्रियों को रेलवे स्टेशन पर जाने के लिए कई किलोमीटर का फेरा काटना पड़ेगा और व्यापारियों का व्यापार चैपट हो जायेगा। रास्ता बंद होने से शहर में दो दिन से ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई है, क्योंकि यह रास्ता कार, मोटर साइकिल, स्कूटर चालकों द्वारा रेलवे स्टेशन पर जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। राजीव जैन ने कहा कि चार दिन में रेलवे प्रशासन ने रास्ता नहीं खोला तो दैनिक रेल यात्री संघ तथा शहर के व्यापारियों की पंचायत करके अगला कदम उठाया जायेगा। प्रदर्शन में संजीव वलेचा, जोगेन्द्र वर्मा, संजय सिंगला, देवेन्द्र वर्मा (प्रधान), राकेश वर्मा आनन्द पटवा, मोंटी पटवा, सत्तार, विजय, अजय लैब वाला, शमशेर खान, बिट्टू वर्मा, राजेन्द्र कोल्ड ड्रिंक, पंकज वर्मा, महेन्द्र वर्मा, नरेश मल्होत्रा, महेन्द्र बत्रा आदि सारंग रोड के सैंकड़ों व्यापारी उपस्थित रहे।

जिला कारागार में महिला दिवस पर हुए आयोजन

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस जिला कारागार में महिला डिप्टी जेलर करूणेश कुमारी एवं शिवानी यादव के निर्देशन में धूमधाम से मनाया गया। जिसमें महिला बंदियों ने विभिन्न रंगारंग एवं महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नीरू शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में एवं जेल चौकी प्रभारी रित यादव, एंटी रोमियो प्रभारी मथुरा अलका रानी, सम्पूर्ण भारत का बाइक से भ्रमण करने वाली पहली महिला बाइकर पूजा यादव, पीएलवी साहब सिंह एवं प्रतिभा उपस्थित रहे। करूणेश कुमारी एवं शिवानी यादव ने सभी अतिथियों का पटका पहना कर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान दि ब्रज शिल्पी फाउंडेशन की अध्यक्ष शिल्पी केशोरैया के द्वारा कारागार में निरुद्ध सभी 74 महिला बंदियों को साड़ियां एवं उनके साथ रह रहे आठ बच्चों को कपडे खिलोने जूते आदि उपहार दिये।

मेपल बेयर कनाडियन स्कूल में बच्चों के साथ मनाई गईं होली

सोनीपत/टीम एक्शन इंडिया

मेपल बेयर कनाडियन स्कूल ओमेक्स सिटी सोनीपत के प्रांगण में आज स्कूली बच्चों, अध्यापिकाओं व स्टाफ ने बड़े धूमधाम से होली का पर्व मनायो स्कूल चेयरमैन सुरेंद्र मदान ने सभी बच्चों, हेडमिस्ट्रेस, अध्यापिकाओं व स्कूल स्टाफ को होली की हार्दिक बधाई एवं

शुभकामनाएं दीं उन्होंने बच्चों से बातचीत के दौरान कहा कि इस दिन लोग एक दूसरे को गले लगाते है, माथे पर गुलाल लगाते है, रंगों से खेलते है, नाचते है, गाते है और स्वादिष्ट व्यंजन खाते हैं हेडमिस्ट्रेस उमा भनोट ने प्राचीन इतिहास का 'होलिका और प्रह्लाद' का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि यह पर्व बुराई के ऊपर अच्छाई की विजय है इस अवसर पर चेयरमैन सुरेंद्र मदान ने स्कूल प्रांगण में नवनिर्मित एक प्ले जोन का भी उद्घाटन कियो चेयरमैन सुरेंद्र मदान ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए स्कूल हेडमिस्ट्रेस उमा भनोट तथा टीचर्ज, रिचा, रिधम, श्रुति, ज्योति, दीपिका, साधिका, नीलम, महिमा तथा स्टाफ सदस्यों का हार्दिक आभार प्रकट किया।

विधायक मोहनलाल बड़ौली ने दी जिलावासियों को होली की शुभकामनाएं

सोनीपतः राई से विधायक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री मोहनलाल बड़ौली ने रंगों के पर्व होली की जिलावासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता व आपसी भाईचारे का प्रतीक होली का त्यौहार सभी जिलावासियों के जीवन में खुशियों व उमंग का संचार करें। विधायक ने उल्लासपूर्ण अवसर पर कहा कि होली का त्यौहार वसंत के आगमन का परिचायक है। यह देश भर में सभी समूह, वर्ग व समुदाय के लोग मिलकर होली मनाते है। जोकि राष्ट्र की विविधता में एकता का भी परिचय है। उन्होंने आशा जाहिर करते हुए कहा कि यह त्यौहार हम सभी के जीवन में शांति, समृद्धि और प्रसन्नता लेकर आएगा। उन्होंने जिलावासियों से यह अपील भी की कि होली के बहाने हुड़दंग मचा कर पर्व के उल्लास में खलल न डाले और पानी की बबार्दी से बचने का भी प्रयास करें।

स्वावलंबिका सम्मान पुरस्कार: जीवन के अलग अलग पहलुओं पर चमकती महिलाओं को जानने का प्रयास

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली स्थित कंस्टीट्यूशन क्लब आफ इंडिया में इबीएस इंडिया द्वारा स्वावलंबिका सम्मान पुरस्कार 2023 आयोजित किया गया। कला, उद्यमिता, शिक्षा, नवाचार, कानून, सामाज सेवा, मीडिया जैसे जीवन के अलग अलग पहलुओं पर चमकती महिलाओं और उनकी उपलब्धियों को मान्यता तथा सम्मान देना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हेम कुमार पांडे (सेवानिवृत्त) आईएएस और सम्मानित अतिथि के रूप में दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल उपस्थित रहीं। साक्षी एनजीओ की अध्यक्ष डॉ. मृदुला आनंद टंडन भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में मौजूद रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हेम

कुमार पांडे ने समाज में महिलाओं की भूमिका को पहचानने की बात कही। उन्होंने कहा की, "हमारे इस पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं और उनके योगदान की प्रशंसा करना तो दूर अक्सर उनकी मेहनत को नजरंदाज कर दिया जाता है। ये हमारे समाज के लिए बड़ा घाटे का सौदा है। यह अति प्रशंसनीय है की इस कार्यक्रम में महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रम महिलाओं के संघर्षों और कामयाबी को जागृत करते हैं, जो आगे ढेरों युवा बालिकाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत का काम करते हैं, साथ ही उन्हें अपने सपनों की उड़ान भरने का हौसला भी देते हैं।"

स्ट्रीट स्कूल के बच्चों के साथ खेली होली

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया

स्ट्रेंजर फ्रेंड्स हैल्पिंग हैंड्स सोसाइटी द्वारा एस.एफ स्ट्रीट स्कूल का संचालन किया जा रहा है। निःशुल्क शिक्षा सेंटर की दोनों शाखा के बच्चों और दिशा इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन एंड टेक्नोलॉजी की छात्राओं के साथ हर वर्ष की तरह होली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्था की अध्यक्ष और दिशा इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन एंड टेक्नोलॉजी की डायरेक्टर शिखा अग्रवाल द्वारा स्ट्रीट स्कूल में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों को ओर फैशन इंस्टीट्यूट की छात्राओं के गुलाल लगा कर की गई। बच्चों द्वारा होली के गीत

प्रस्तुत किए गए। वरिष्ठ सदस्य पीयूष बंसल ने बच्चों से इस पर्व को मनाने के पीछे का उद्देश्य बताते हुए कहा कि ब्रज की होली देश विदेश में विख्यात है। जिसका मुख्य कारण हमारे श्री कृष्ण हैं। होलिका दहन का पर्व बुराई पर अच्छाई के जीत के रूप में मनाया जाता है। उसी तरह हमें भी हर वक्त हर समय लोगों की मदद के लिए आगे आना चाहिए और अच्छाई के रास्ते पर निरंतर अग्रसर रहना चाहिए। वरिष्ठ सदस्य गौरव गोयल ने कहा कि कुछ लोग या कुछ बच्चे इस ऐसे अवसरों पर भी खुशियों से वंचित रह जाते हैं, यह एक सभ्य समाज के लिए ठीक नही हैं। कार्यक्रम में मौजूद फैशन इंस्टीट्यूट की फैकल्टी अंकिता शर्मा ने बताया कि आज हम सभी स्टाफ और स्टूडेंट एस.एफ स्ट्रीट स्कूल पर आये है और नन्हे मुन्ने बच्चों के साथ इस त्योहार की शुरूआत की है यह अपने आप में अनूठा और संतुष्टि देने वाला है। झुग्गी झोपड़ी में जिंदगी बसर कर रहे लोगों को गुलाल वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत मे संस्था के वरिष्ठ सदय राजन गुप्ता ने बताया कि संस्था सड़कों पर और झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले निर्धन, वंचित एवं असहाय बच्चों को प्रतिदिन निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का कार्य विगत कई वर्षों से निरंतर कर रही है। वर्तमान मे संस्था द्वारा 550 से भी अधिक ऐसे बच्चों को शिक्षित किया जा रहा है। खेल कूद के साधन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। होली के अवसर पर बच्चों के साथ होली खेली गई है, इससे बच्चे और हम सब खुश हैं। इस मौके पर नूपुर, नितेश, सुनैना ,भारत अग्रवाल, राहुल, निशांत, विवेक आशु ,अल्पेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर फ्लिपकार्ट और शॉप्सी ने महिला उद्यमियों के जज़्बे को किया सलाम

पानीपत। फ्लिपकार्ट और शॉप्सी ने मिलकर महिलाओं के नेतृत्व वाले एसएमई को अब नई बुलंदियों पर पहुंचाने के इरादे से कई प्रेरणादायी इनोवेशंस, इंडस्ट्री-फर्स्ट नीतियां और कौशल विकास कार्यक्रमों की शुरूआत की है। 2021 में स्थापित शॉप्सी ने प्रादेशिक स्तर पर महिला सैलर्स को देशभर में टियर 2+ क्षेत्रों के ग्राहकों तक पहुंच दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। फ्लिपकार्ट अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ टैक्नोलॉजी, मजबूत सप्लाई चेन, बड़े ग्राहक आधार और डोमेन विशेषज्ञता के चलते देशभर में महिला उद्यमियों को अपने कारोबार को बढ़ाने और व्यापार में उत्कृष्टता हासिल करने में मदद पहुंचा रहा है। फ्लिपकार्ट और शॉप्सी महिला उद्यमियों को व्यावसायिक कामयाबी और वित्तीय आजादी हासिल करने में भी मदद करते हैं। प्लेटफार्म का प्रयास हमेशा से महिलाओं के नेतृत्व वाले कारोबारों को बढ़ावा देने का रहा है।

फ्लिपकार्ट तथा शॉप्सी से जुड़ी महिला उद्यमी प्लेटफार्म पर अपने सफर से जुड़ी कहानियों का बयान करते हुए दिल्ली की पिंकी सिंह जो कि प्रसुबिन की मालिक है, का कहना है, "सिर्फ एक महिला ही दूसरी महिला को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वास से भरपूर और स्वाभिमानी बनकर दुनिया में अपना खुद का मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित कर सकती है। मैं शॉप्सी के साथ अपने सफर को इसी तरह से देखती हूं। मैं फैशन एक्सेसरीज का बिजनेस चलाती हूं।

शिशु सदन में बच्चों के साथ बांटी होली की खुशियां

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकर्ताओं ने होली का महापर्व मथुरा कलेक्ट्रेट स्थित राजकीय बाल गृह शिशु सदन में बच्चों को मिष्ठान, फल, चिप्स, गुलाल पिचकारी बांटकर मनाया। इसके बाद जिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरण किए गये। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकताओं का होली मिलन समारोह हुआ। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के निवर्तमान जिलाध्यक्ष देवेंद्र कुमार रघुवंशी, पवन चतुवेर्दी, लोकेश कुमार राही ने संयुक्त रूप से कहा कि मथुरा जनपद के सभी समाजसेवी एवं राजनीतिक दल जनपद के पूंजीपति अपने त्योहार जरूरतमंद बच्चों के साथ मनाएं। यह एक परंपरा बननी चाहिए, जिससे हर चेहरे पर मुस्कान लौट सके। यह बच्चे देश का भविष्य हैं। इस मौके पर दिनेश आनंद पापे, रणवीर सिंह प्रधान, राकेश चौधरी, मुजाहिद कुरैशी, हरवीर सिंह एडवोकेट, मोनू पंडित, जीतेंद्र सिंह टीटू, सार्थक चतुवेर्दी, गोविंद चौधरी, लक्ष्मी चौधरी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह - विरासत शक्ति का उत्सव

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के एक भाग के रूप में, कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार हथकरघा हाट, जनपथ, नई दिल्ली में एक सप्ताह तक चलने वाला उत्सव कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

बड़ी संख्या में लोगों, विशेषकर महिलाओं को रोजगार प्रदान करने वाले प्रमुख क्षेत्रों में से एक होने के अलावा हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र हमारे देश की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक हैं। सुश्री मुदिता मिश्रा, एडीएल डीसी (हस्तशिल्प), कपड़ा मंत्रालय, श्रीमती रीता हेमराजानी, एमडी एनएचडीसी, श्रीमती शुभ्रा अध्यक्ष एवं डीसी (हथकरघा) अतिरिक्त प्रभार, कपड़ा मंत्रालय, श्रीमती रचना शाह, सचिव (कपड़ा), कपड़ा मंत्रालय, श्रीमती प्राजकाता लवंगारे वर्मा, संयुक्त सचिव, कपड़ा मंत्रालय के द्वारआ प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। भारत की आजादी के इस 75वें वर्ष में महिला हथकरघा बुनकरों, शिल्पकारों, उद्यमियों, डिजाइनरों द्वारा 75 स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें से कई मास्टर शिल्पकार और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और महिलाओं द्वारा स्थापित/नेतृत्व वाले संगठन हैं। आगंतुक सीधे बुनकरों और शिल्पकारों से वास्तविक हथकरघा और हस्तशिल्प वस्तुएं खरीद सकेंगे, जैसे चंदेरी (महेश्वरी), पैठानी, कांचीपुरम साड़ियां, लखनवी चिकनकारी, कोटा डोरिया सहित प्रसिद्ध बुनाई और दस्तकारी वाली साड़ियों/कपड़े की बिक्री। चिकनकारी, बगरू/सांगानेर ब्लॉक प्रिंट, टाई एंड डाई, आभूषण, कलमकारी, कोल्हापुरी चप्पल, हैंडबैग, चंगुल, फैशन के सामान, लाख की चूड़ियां, बेंत और बांस की वस्तुएं, टेराकोटा, जरी और जरदोजी, कढ़ाई और क्रोशिया सहित फुलकारी, जूट की वस्तुओं सहित दस्तकारी की वस्तुएँ।

उपायुक्त ने जिला परिषद् की उपाध्यक्ष कल्पना को दिलाई पद की शपथ

सोनीपत/टीम एक्शन इंडिया

उपायुक्त ललित सिवाच ने मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में जिला परिषद की नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष कल्पना को पद एवं सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाते हुए बधाई दी। उन्होंने कहा कि कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विकास में पंचायती राज संस्थाओं की अग्रणी भूमिका होती है। इसलिए प्रशासन की तरफ से उनको पूरा सहयोग दिया जाएगा, ताकि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार लोगों के विकास कार्यों और जनहित के कल्याणकारी कार्यों का बेहतर क्रियान्वयन के साथ-साथ समय पर पूरा करवाया जा सके।

उपायुक्त ने कहा कि कहा कि गांवों के विकास के लिए सरकार और जिला प्रशासन पूरी तरह से सजग है। प्रशासन का प्रयास रहता है कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान ग्राम-स्तर पर ही किया जाए और सरकारी योजनाओं का लाभ उनके घर द्वार पर ही देने के लिए कटिबद्धता बनी रहे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गांवों में विकास कार्यों को गति देने में सशक्त जिला परिषद इकाई की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि जिला परिषद के माध्यम से संबंधित विभागीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित करके ग्रामीण विकास की सकारात्मक संरचना की जा सकती है। ग्रामीण क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में जिला परिषद जनप्रतिनिधिगण सक्रिय भूमिका निभाते हुए विकास कार्यों में सहभागी बनें। उपायुक्त ने कहा कि गांवों के चहुंमुखी विकास पर सरकार का विशेष फोकस है, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि बिना भेदभाव के गांवों का विकास करवाएं। प्रशासन की ओर से हर स्तर पर सहयोग किया जाएगा। शिक्षित पंचायत कानून बनने के बाद शिक्षित और पढ़ी लिखी पंचायतों के साथ ही महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण दिया गया है। जिससे ग्रामीण विकास में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हुई है। महिलाओं की भागीदारी बढे के साथ ही पंचायती राज संस्थाओं को मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि सभी जिला पार्षद टीम के रूप में काम करें।

शपथ ग्रहण करते हुए जिला परिषद् की उपाध्यक्ष कल्पना ने कहा कि मैं सत्य निष्ठा से प्रतिज्ञान करती हूं कि विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखूंगी और जिला परिषद् के उपाध्यक्ष के पद के रूप में अपने कर्तव्यों को भय या पक्षपात, अनुराग या द्वेष के बिना श्रद्धापूर्वक निर्वहन करूंगी। अतः मुझे सामर्थ्य दें।

यहां ब्रज रज का टीका लगा कर खेली जाती है होली

8 बाई पास स्थित जयगुरुदेव आश्रम में होने वाला जयगुरुदेव होली सत्संग मेला 7 से 9 मार्च तक आयोजित है।

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया

ब्रज में इस समय होली महोत्सव की धूम है। इसी क्रम में पारम्परिक रूप से बाई पास स्थित जयगुरुदेव आश्रम में होने वाला जयगुरुदेव होली सत्संग मेला 7 से 9 मार्च तक आयोजित है। यहां भी होली की विशेषता यह है कि यहां रंग की होली से भिन्न पावन ब्रजरज से तिलक लगाकर खेली जाती है।

मेला परिसर श्रद्धालुओं के आगमन से गुलजार होने लगा है। कार्यक्रम के अनुसार प्रातःकाल व सायंकाल साधना का अभ्यास, प्रातः 6 व सायं 3.30 बजे से सत्संग, समयानुसार सत्संग गोष्ठियां, पूजन व संस्थाध्यक्ष पूज्य पंकज जी महाराज का सत्संग 8 को प्रातः 6 बजे से होगा। दहेज रहित विवाह रात्रि 9.00 बजे से होगा। आज सत्संग का शुभारम्भ बाबूराम यादव व रा. उपदेशक ने सत्संग प्रारंभ करते हुये त्योहारों के महत्व पर प्रकाश डाला। इनके मौलिक रूप से मनाने पर आध्यात्मिक रूझान तथा परस्पर सौहार्द बढ़ता है।

संपादकीय

सहज उल्लास और समरसता का उत्सव है होली

प्रकृति के सौंदर्य और शक्ति के साथ अपने हृदय की अनुभूति को बांटना वसंत ऋतु का तकाजा है। मनुष्य भी चूंकि उसी प्रकृति की एक विशिष्ट कृति है इस कारण वह इस उल्लास से अछूता नहीं रह पाता। माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को वसंत की आहट मिलती है। परंपरा में वसंत को कामदेव का पुत्र कहा गया है इसलिए उसके जन्म के साथ इच्छाओं और कामनाओं का संसार खिल उठता है। फागुन और चैत्र के महीने मिल कर वसंत ऋतु बनाते हैं। वसंत का वैभव पीली सरसों, नीले तीसी के फूल, आम में मंजरी के साथ, कोयल की कूक प्रकृति सुंदर चित्र की तरह सज उठती है। फागुन की बयार के साथ मन मचलने लगता है और उसका उत्कर्ष होली के उत्सव में प्रतिफलित होता है। होली का पर्व वस्तुतः जल, वायु, और वनस्पति से सजी संवरी नैसर्गिक प्रकृति के स्वभाव में उल्लास का आयोजन है। वसंत में ऋतु परिवर्तन का यह रूप सबको बदलने पर मजबूर करता है। वह परिवेश में कुछ ऐसा रसायन घोलता है जो बेचैन करने वाला होता है। वह किसी को भी वह नहीं रहने देता। जो भी जो वह होता है वह नहीं रह जाता। परिष्कार से वह कुछ और बन जाता है। वैसे भी मनुष्य होने का अर्थ ही होता है जुड़ना क्योंकि स्वयं में कोई अकेला व्यक्ति पूरा नहीं हो सकता। अधूरा व्यक्ति अन्य से जुड़ कर ही अपने होने का अहहास हो पाता है। पारस्परिकता में ही जीवन की अर्थवत्ता समाई रहती है। यह पारस्परिकता भारतीय समाज में उत्सवधर्मिता के रूप में अभिव्यक्त होती है जो ऊर्जा के अवसर उपस्थित करती है। रंगोत्सव या होली का पर्व हर्ष और उल्लास के साथ आबालबृद्ध सबको अनूठे ढंग से जीवंत और स्पंदित कर उठता है। पूर्णिमा तिथि की रात को होलिका दहन से जो शुरूआत होती है वह सुबह रंगों के एक अनोखे त्योहार का रूप ले लेती है जिसमें ह्यमैंह्ल और ह्यतुमह्ल का भेद मिटा कर नकली दायरों को तोड़कर, झूठ-मूठ के ओढ़े लबादों को उतार कर सभी ह्यहमह्ल बन जाते है। यह उत्सव आमंत्रण होता है उस क्षण का जब हम अहंकार का टूटना देखते हैं और उदार मन वाला हो कर, अपने को खो कर पूर्ण का अंश बनने के साक्षी बनते हैं। रंग, गुलाल और अबीर से एक दूसरे को सराबोर करते लोग अपनी अलग-अलग पहचान से मुक्त हो कर एक दूसरे छकाने और हास-परिहास का पात्र बनाने की छूट ले लेते हैं। छोटे-बड़े और ऊंच-नीच के घरौंदों से बाहर निकल कर लोग गाते बजाते टोलियों में निकल कर प्रसन्नता के साथ मिलते-जुलते हैं। होली के अवसर पर खुलापन और ऊष्मा के साथ लोग स्वयं का अतिक्रमण करते हैं। अहंकार छोड़ कर आत्म-विस्तार का यह उत्सव नीरसता के विरुद्ध हल्लाबोल चढ़ाई भी होता है। जीने के लिए जीवंतता के साथ सबको साथ लिए चलने के उत्साह के साथ होली कठिन होते जा रहे दौर में रस का संचार करती है। वस्तुतः सुख की चाह और दुःख से दूरी बनाए रखना सभी जीवित प्राणियों का सहज स्वाभाविक व्यवहार है। इसलिए पशु मनुष्य सब में दिखता है । मोटे तौर पर सुख दुःख का यह सूत्र जीवन के सम्भव होने की शर्त की तरह काम करता है। पर इसके आगे की कहानी हम सब खुद रचते हैं। आहार, निद्रा, भय और मैथुन भी संस्कृति से प्रभावित होते हैं और बहुत सारी व्यवस्था धन, दौलत, पद, प्रतिष्ठा, आदर, सम्मान, प्रेम, दया, दान आदि के इर्द-गिर्द आयोजित होती है।

ढपली भी गाने लगी, अब तो बदले राग...

प्रियंका सौरभ

> दूसरी ओर, होली के दिन खान-पान में भी अब अंतर आ गया है। गुझिया, पूड़ी-कचौड़ी, आलू दम, महजूम (खोवा) आदि मात्र औपचारिकता रह गई है। अब तो होली के दिन भी मेहमानों को कोल्ड ड्रिंक्स और फास्ट फूड जैसी चीजों को परोसा जाने लगा है। वहीं, होलिका के चारों तरफ सात फेरे लेकर अपने घर के सुख शांति की कामना करना, वो गोबर के विभिन्न आकृति के उपले बनाना, दादी-नानी का मखाने वाली माला बनाना, रंग-बिरंगे ड्रेसअप में अपनी सखी-सहेलियों संग घर-घर मिठाई बांटना, गेहूं के पौधे भूनना और होली के लोकगीतों को गाना। अब यह सब परंपराएं तो मानो नाम की ही रह गई हैं। होली रोपण के बाद से होली की मस्ती शुरू हो जाती थी। छोटी बच्चियां गोबर से होली के लिए वलुडिये बनाती थी

फीके -फीके रंग है, सूना-सूना फाग।
ढपली भी गाने लगी, अब तो बदले राग।।

पहले की होली और आज की होली में अंतर आ गया है, कुछ साल पहले होली के पर्व को लेकर लोगों को उमंग रहता था, आपस में प्रेम था। किसी के भी प्रति द्वेष भाव नहीं था। आपस में मिल कर लोग प्रेम से होली खेलते थे। मनोरंजन के अन्य साधानों के चलते लोगों की परंपरागत लोक त्यौहारों के प्रति रुचि कम हुई है। इसका कारण लोगों के पास समय कम होना है। होली आने में महज कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन शहर में होली के रंग कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। एक माह तो दूर रहा अब तो होली की मस्ती एक-दो दिन भी नहीं रही। मात्र आधे दिन में यह त्योहार सिमट गया है। रंग-गुलाल लगाया और हो गई होली। जैसे-जैसे परंपराएं बदल रही हैं, रिश्तों का मिठास खत्म होता जा रहा है। होली एक ऐसा रंगबिरंगा त्योहार है, जिसे हर धर्म के लोग पूरे उत्साह और मस्ती के साथ मनाते रहे हैं। होली के दिन सभी बैर-भाव भूलकर एक-दूसरे से परस्पर गले मिलते थे। लेकिन सामाजिक भाईचारे और आपसी प्रेम और मेलजोल का होली का यह त्योहार भी अब बदलाव का दौर देख रहा है। फाल्गुन की मस्ती का नजारा अब गुजरे जमाने की बात हो गई है। कुछ सालों से फीके पड़ते होली के रंग अब उदास कर रहे हैं। शहर के बुजुर्गों का कहना है कि न हंसी- ठिठोली, न हुड़दंग, न रंग, न ढप और न भंग ऐसा क्या फाल्गुन न पानी से भरी खेली और न ही होली का .....रे का शोर। अब कुछ नहीं, कुछ घंटों की रंग-गुलाल के बाद सब कुछ शांत। होली की मस्ती में अब वो रंग नहीं रहे। आओ राधे खेला फाग होली आई....ताम्बा पीतल का मटका भरवा दो...सोना रुपाली लाओ पिचकारी...के स्वर धीरे धीरे धीमे हो गए हैं।

बदले-बदले रंग है, सूना-सूना फाग ।
ढपली भी गाने लगी, अब तो बदले राग ।।

फाल्गुन लगते ही होली का हुड़दंग शुरू हो जाता था। मंदिरों में भी फाल्गुन आते ही फाग शुरू हो जाता था। होली के लोकगीत गूंजते थे। शाम होते ही ढप-चंग के साथ जगह-जगह फाग के गीतों पर पारंपरिक नृत्य की छटा होली के रंग बिखेरती थी। होली खेलते समय पानी की खेली में लोगों को पकडकर डाल दिया जाता था। कोई नाराजगी नहीं, सब कुछ खुशी-खुशी होता था। वसन्त पंचमी से होली की तैयारियां करते थे। चौराहो पर समाज के नोहरे व मंदिरों में चंग की थाप के साथ होली के गीत गूंजते। रात को चंग की थाप पर गैर नृत्य का आकर्षण था। बाहर से फाल्गुन के गीत व रसिया गाने वाले रात में होली की मस्ती में गैर नृत्य करते थे। पहले की होली और आज की होली में अंतर आ गया है, कुछ साल पहले होली के पर्व को लेकर लोगों को उमंग रहता था, आपस में प्रेम था। किसी के भी प्रति द्वेष भाव नहीं था। आपस में मिल कर लोग प्रेम से होली खेलते थे। मनोरंजन के अन्य साधानों के चलते लोगों की परंपरागत लोक त्यौहारों के प्रति रुचि कम हुई है। इसका कारण लोगों के पास समय कम होना है। होली आने में महज कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन शहर में होली के रंग कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। एक माह तो दूर रहा अब तो होली की मस्ती एक-दो दिन भी नहीं रही। मात्र आधे दिन में यह त्योहार सिमट गया है। रंग-गुलाल लगाया और हो गई होली। जैसे-जैसे परंपराएं बदल रही हैं, रिश्तों का मिठास खत्म होता जा रहा है। जहां तक होली का सवाल है तो अब मोबाइल और इंटरनेट पर ही हैप्पी होली शुरू होती है और खत्म हो जाती है। अब पहले जैसा वो हर्षोल्लास नहीं रह गया है। पहले बच्चे टोलियां बनाकर गली-गली में हुड़दंग मचाते थे। होली के 10-12 दिन पहले ही मित्रों संग होली का हुड़दंग और गली-गली होली का चंदा इकट्ठा करना और किसी पर बिना पूछे रंग उड़ेल देने से एक अलग प्यार दिखता था। इस दौरान गाली देने पर भी लोग उसे हंसी में उड़ा देते थे। अब तो लोग मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। पहले परायों की बहू-बेटियों को लोग बिल्कुल अपने जैसा समझते थे। पूरा दिन घरों में पकवान बनते थे और मेहमानों की आवभगत होती थी। अब तो सबकुछ बस घरों में ही सिमट कर रह गया है। आजकल तो मानों रिश्तों में मेल-मिलाप की कोई जगह ही नहीं रह गई हो। मन आया तो औपचारिकता में फोन पर हैप्पी होली कहकर इतिश्री कर लिए। अब रिश्तों में वह मिठास नहीं रह गया है। यही वजह है कि लोग अपनी बहू-बेटियों को किसी परिचित के यहां जाने नहीं देते। पहले घर की लड़कियां सबके घर जाकर खूब होली की हुल्लड़ मचाती थीं। अब माहौल ऐसा हो गया है कि यदि कोई लड़की किसी रिश्तेदार के यहां ही ज्यादा देर तक रुक गई तो परिवार के लोग चिंतित हो जाते हैं कि क्यों इतना देर हो गया। तुरंत फोन करके पूछने लगते हैं कि क्या कर रही हो, तुम जल्दी घर आओ। क्यों अब लोगों को रिश्तों पर भी उतना भरोसा नहीं रह गया है।

दूसरी ओर, होली के दिन खान-पान में भी अब अंतर आ गया है। गुझिया, पूड़ी-कचौड़ी, आलू दम, महजूम (खोवा) आदि मात्र औपचारिकता रह गई है। अब तो होली के दिन भी मेहमानों को कोल्ड ड्रिंक्स और फास्ट फूड जैसी चीजों को परोसा जाने लगा है। वहीं, होलिका के चारों तरफ सात फेरे लेकर अपने घर के सुख शांति की कामना करना, वो गोबर के विभिन्न आकृति के उपले बनाना, दादी-नानी का मखाने वाली माला बनाना, रंग-बिरंगे ड्रेसअप में अपनी सखी-सहेलियों संग घर-घर मिठाई बांटना, गेहूं के पौधे भूनना और होली के लोकगीतों को गाना। अब यह सब परंपराएं तो मानो नाम की ही रह गई हैं। होली रोपण के बाद से होली की मस्ती शुरू हो जाती थी। छोटी बच्चियां गोबर से होली के लिए वलुडिये बनाती थी। उसमें गोबर के गहने, नारियल, पायल, बिछियां आदि बनाकर माला बनाती थी। अब यह सब नजर नही आता है। होली से पूर्व घरों में टेशु व पलाश के फूलों को पीस कर रंग बनाते थे। महिलाएं होली के गीत गाती थी। होली के दिन गोठ भी होती थी जिसमें चंग की थाप पर होली के गीत गाते थे। होली रोपण से पूर्व बसंत पंचमी से फाग के गीत गूंजने लगते थे। आज के समय कुछ मंदिरों में ही होली के गीत सुनाई देते हैं। होली के दिन कई समाज के लोग सामूहिक होली खेलने निकलते थे। साथ में ढोलक व चंग बजाई जाती थी, अब वह मस्ती-हुड़दंग कहां अब होली केवल परंपरा का निर्वहन रह गया है। हाल के समय में समाज में आक्रोश और नफरत इस कदर बढ़ गई है कि सभ्रांत परिवार होली के दिन निकलना नहीं चाहते हैं। लोग साल दर साल से जमकर होली मनाते आ रहे हैं। इस पर्व का मकसद कुरीतियों व बुराइयों का दहन कर आपसी भाईचारा को कायम रखना है। आज भारत देश मे समस्यायों का अंबार लगा हुआ है। बात सामाजिक असमानता की करें, इसके कारण समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा, मानवता, नैतिकता खत्म होती जा रही हैं। कभी होली पर्व का अपना अलग महत्व था, होलिका दहन पर पूरे परिवार के लोग एक साथ मौजूद रहते थे। और होली के दिन एक दूसरे को रंग लगा व अबीर उड़ा पर्व मनाते थे। लोगों की टोली भांग की मस्ती में फगुआ गीत गाते व घर-घर जाकर होली का प्रेम बांटते थे। अब हालात यह है कि होली के दिन 40 फीसदी आबादी खुद को कमरे में बंद कर लेती है। हर माह, हर ऋतु किसी न किसी त्योहार के आने का संदेसा लेकर आती है और आए भी क्यों न, हमारे ये त्योहार हमें जीवंत बनाते हैं, ऊर्जा का संचार करते हैं, उदास मनों में आशा जागृत करते हैं। अकेलेपन के बोझ को थोड़ी देर के लिए ही सही, कम करके साथ के सलोने अहसास से परिपूर्ण करते हैं, यह उत्सवधर्मिता ही तो है जो हमारे देश को अन्य की तुलना में एक अलग पहचान, अस्मिता प्रदान करती है। होली पर समाज में बढ़ते द्वेष भावना को कम करने के लिए मानवीय व आधारभूत अनिवार्यता की दृष्टि से देखना होगा।

बढ़ती जाए कालिमा, मन-मन में हर साल।
रंगों से कैसे मलें, इक दूजे के गाल ।।

कविता

होली

जो बिछड़े हैं उन को मिलाती है होली
न पूछो के कितनी सिफाती है होली

बहुत सारे रँगों से रँगी हुई ये
हमें एक होना सिखाती है होली

जो नफरत ओर अलगाव के हैं पुजारी
उन्हें देखो कैसे चिढ़ाती है होली

धनक अफशां पिचकारियों से ब हर सू
जमीं को गगन सा बनाती है होली

जो मैं ने तेरे साथ खेली थी हमदम
मुझे वो बहुत याद आती है होली

सदा के लिए काश हो जाएं कायम
जो एकता के मंजर दिखाती है होली

जो कलबी सुकूँ इस में पिंहाँ नहीं तो
यूँही क्या ये खिलकत मनाती है होली

यकीं मान बिन तेरे ऐ जाने- जानाँ
मुझे शिद्दतों से सताती है होली

जकी तारिक

होली के गिरगिटिया रंग

रेखा शाह आरबी

होली मिलन समारोह के कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए देश के अलग-अलग क्षेत्रों से महानुभाव इकट्ठे होने वाले थे । अभी समारोह शुरू होने में कुछ समय कुछ देरी थी अतः आयोजक व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने में जी-जान से लगे हुए थे । आखिर देश के बड़े-बड़े धुरंधरों का आगमन होना था। जिनके चेहरे के रंग कुछ और भीतर के रंग कुछ और रहते हैं उन पर रंग जमाना था और यह काम इतना आसान भी नहीं था जो सब पर अपनी मक्कारी का रंग जमा लेते हैं उन पर रंग जमाना कोई हंसी ठठ्ठा तो था नहीं। सबसे पहले फिल्म जगत से एक मशहूर हस्ती महानुभाव पधारें उनके चेहरे का रंग देखकर लगा । इन पर तो कोई भी रंग लगा लो.. रंग चढ़ना ही नहीं है लगता है जनता ने अपने बाय काट कर इन के ऊपर ऐसे रंग लगा दिया है। कि इनका रंग ही उतर चुका है। इसीलिए तो यह आसमान पर रहने वाले अपने आप को सितारा समझने वाले आजकल धरती पर आम इंसानो के जैसे समय से नजर आ रहे हैं। दूसरे आए कारपोरेट जगत से मशहूर हस्ती पूरे देश में अपने नाम का डंका बजाने वाले महोदय को देखकर लगा । इनके ऊपर भी हिंडनवर्ग के डर जैसा कुछ भूत चढ़ा हुआ है कि कहीं इनको भी लपेटे में ना ले ले और इनका भी रंग उतर जाए । डर है कहीं इनकी भी दुर्गति ना हो जाए इसलिए इनके चेहरे का भी रंग उड़ा उड़ा नजर आया। लेकिन इन लोगों को क्या डरना.. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया है ना इन लोग की आरती उतारने के लिए इन लोग को गंगाजल जैसा पाक साफ बताने के लिए... पर फिर भी इनके चेहरे का रंग उड़ा ही हुआ है। बड़े ही आश्चर्य की बात है। तीसरे आए पुलिस विभाग के एक आला अधिकारी उन्होंने तो आते ही व्यवस्था करने वालों को धमकाना शुरू कर दिया। व्यवस्थापक अगवानी में हंसते हुए इधर से उधर भाग रहे थे । सारी व्यवस्था हुजूर के मन मुताबिक करने के लिए ..पता नहीं थोड़ी भी अगर कमी रह गई तो पुलिस वालों का क्या भरोसा आयोजन को अवैधानिक बता दें । जरूरी नहीं है कि कमी होने पर ही आपको कोपभाजन बनना पड़े इनका विभाग तो इस काम के लिए पहले ही मशहूर है वैधानिक को अवैधानिक और अवैधानिक को वैधानिक साबित करना इनके तो बाएं हाथ का काम है। वैसे साहब का चेहरा खूब खिला हुआ था एक तो आवभगत अच्छा खासा देखकर दूसरा इनका हर पार्टी के साथ सामंजस्य करने की कला अभूतपूर्व होती है अतः यह हर खांचे में फिट बैठते हैं। चेहरा तो चमकना ही था। चौथे पहुंचे लेखक महोदय जिनकी हालत देखकर ही उनको दिलासा देने का मन करने लगा। उनके चेहरे का तो रंग ऐसे भी हर दम उड़ा ही रहता है तो मैंने हाल-चाल पूछ लिया तो लगे सुबकते हुए बताने-- अरे लेखक को तो कोई भाव नहीं देता आज टेंपो मिलने में एक तो घोर परेशानी हुई दूसरे टेंपो वाले ने पैसे भी अधिक ले लिए" उनका दुख सुनकर तो मुझे भी रोना आ गया।

विचार

मनभावन होली का सांस्कृतिक पक्ष

मृत्युंजय दीक्षित

भारतीय संस्कृति में होली के पर्व का अद्वितीय स्थान है। यह पर्व उमंग, उल्लास, उत्साह और मस्ती का पर्व है। होली का पर्व सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने वाला पर्व है। होली का पर्व जलवायु परिवर्तन का भी संकेत देता है । होली का पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला पर्व है। वर्तमान में यह पर्व दो दिन तक मनाया जाता है। पर्व का प्रारम्भ होलिकादहन से होता है। अगले दिन जनमानस अबीर, गुलाल और गीले रंगों के साथ तथा पर्यावरण प्रेमी टेसू के फूलों के रंग के साथ होली खेलने का आनंद लेते हैं। कहीं-कहीं यह पर्व आज भी अपनी प्राचीन परम्परा के अनुरूप रंगभरी एकादशी से प्रारंभ होकर सप्ताह भर तक मनाया जाता है। होली के पर्व को धुरंडी, धुलेंडी, धुरखेल या धूलिवंदन भी कहा जाता है। इस दिन लोग एक दूसरे के साथ प्रेम के रस में सराबोर हो जाते हैं। होली के पर्व को 'वसंतोत्सव' या 'कामोत्सव' भी कहा गया है। भक्त प्रहलाद की श्री हरि विष्णु के चरणों में अनन्य भक्ति इस उत्सव की आध्यात्मिक प्राण रेखा है। संस्कृत साहित्य में होली के विभिन्न रूपों का वर्णन मिलता है। श्रीमद्भागवत महापुराण में रसों के समूह रास का वर्णन मिलता है। होली पर्व का वर्णन किस साहित्य में मिलता है उसमें जैमिनी के पूर्व मीमांसा सूत्र और कथा ग्राह सूर्य उल्लेखनीय हैं। नारद और भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख मिलता है। हर्ष की प्रियदर्शिका व रत्नालीला तथा कालिदास की कुमारसंभवम् तथा मालविकाग्निमित्रम् में होली का वर्णन मिलता है। भारवि, माघ और कई अन्य संस्कृत के कवियों ने वसंत और होली की खूब चर्चा की हैं। चंदबरदाई के पृथ्वीराज रासो में होली का वर्णन मिलता है।

आदिकालीन कवि विद्यापति से लेकर सूर, रहीम, रसखान ,जायसी ,मीरा, कबीर और रीतिकालीन बिहारी, केशव आदि कवियों का प्रिय विषय होली रहा है। महाकवि सूरदास ने होली पर 78 पद लिखे हैं। अवध में रघुवर और सिया, ब्रज में कृष्ण और राधिका होली के नायक नायिका हैं । इसके अतिरिक्त प्राचीन चित्रों भित्तिचित्रों, मंदिरों की दीवारों पर होली उत्सव के चित्र देखने को मिलते हैं।

विजयनगर की राजधानी हंपी के 16वी शताब्दी के एक चित्रफलक में दंपति के होली मनाने का चित्र अंकित किया गया है। इस चित्र में राजकुमार और राजकुमारी को दासियों सहित रंग और पिचकारी के साथ होली खेलते दिखाया गया है। 16वीं शताब्दी में अहमदनगर की एक चित्र आकृति का विषय वसंत रागिनी भी है। इस चित्र में राज परिवार के एक दंपत्ति को बगीचे में झूला झूलते दिखाया गया है। साथ ही अन्य सेवक - सेविकाएं रास रंग में व्यस्त हैं। वे एक-दूसरे पर पिचकारियों से रंग भी डाल रही हैं। मध्यकालीन भारतीय मंदिरों के भित्तिचित्रों और आकृतियों में होली के रंग देखने को मिल जाते हैं। उदाहरण के रूप में 17 वीं शताब्दी में मेवाड़ की एक कलाकृति में महाराणा को अपनी रानियों के साथ चित्रित किया गया है। एक अन्य चित्र में राजा को हाथी दांत के सिंहासन पर बैठा दिखाया गया है जिसके गाल पर महिलाएं रंग मल रही हैं।

होली का पर्व पूरे भारत में, हर प्रांत में अलग-अलग प्रकार से मनाया जाता है। सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र बिंदु ब्रज की होली है। जिसमें बरसाने की लट्ठमार होली सर्वाधिक प्रसिद्ध है। मथुरा-वृंदावन में होली का पर्व 15 दिनों तक मनाया जाता है। कुमाऊं में गीतों की होली में संगोष्ठियों का आयोजन होता है जिसे बैठकी होली कहते हैं इससे मिलती जुलती परंपरा झारखंड में भी देखने को मिलती है । हरियाणा के धुलेंडी क्षेत्र में भाभी द्वारा देवर को उठाने की प्रथा है। महाराष्ट्र में होली का पर्व रंग पंचमी के रूप में मनाया जाता है। पंजाब में होली का पर्व होला मोहल्ला के रूप में मनाया जाता है। तमिलनाडु में यह पर्व कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोत्सव है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ की होल्ल१ में लोकगीतों की अदभुत परम्परा है। मालवा के अंचलों में यह पर्व भगोरिया नाम से बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः HPHIN / 2012 / 48072

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक रवि भारद्वाज, एक्शन इंडिया कार्यालय कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना हिमाचल प्रदेश-174303 ने अर्थ प्रकाश प्रैस, अर्थ प्रकाश भवन, सेक्टर-29डी, चंडीगढ़ से छपवाकर प्रकाशित किया। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र हिमाचल प्रदेश ही होगा।

समूह संपादकः रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादकः पंकज शर्मा (7018221146)
ई-मेल : actionindiashimla@gmail.com
actionindiauna@gmail.com

एक्शन इंडिया शिमला कार्यालयः सचदेवा निवास, डेजी बैंक इस्टेट, नजदीक जोधा निवास, लोअर जाखू, शिमला, 171001
एक्शन इंडिया ऊना कार्यालयः कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना, हिमाचल प्रदेश-174303

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

नारींयों के दमन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता

संजीव ठाकुर

देश में शहरों और गांवों में नारियों पर हो रहे अत्याचारों की खबरें मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख देती है। आसपास और पास पास इतनी दिल दहला देने वाली घटनाएं प्रकाश में आती हैं की मानवता केवल आंसू बहा कर रह जाती है। क्या इतना बड़ा सशक्त पुरुषों का समाज इसे रोकने में सक्षम नहीं है। देश में यह प्रश्न यक्ष प्रश्न की तरह हम सबके सामने खड़ा है। भारत में गरीब तबके में महिलाओं की स्थिति अभी भी दयनीय है मजदूरी करने से लेकर घरों में झाड़ू पोछा बर्तन मांजने तक औरत अपनी आजीविका चलाने के लिए मजबूर है। नारी उत्पीड़न की शुरूआत यहीं से होती है ।भारत में नारी अभी भी बहुत उपेक्षित प्रताड़ित तथा उत्पीड़ित है। हजारों उत्पीड़न तथा प्रताड़ना की घटनाएं प्रकाश में ही नहीं आ पाती हैं, और हम नारी दिवस पर जोर जोर से नारी उत्थान की दलीलें देते फिरते हैं। यह अत्यंत पीड़ा दायक तथा विचारणीय है।स्त्री जागरण के परिपेक्ष में भारत में नई स्त्री की संकल्पना उभरती है। भारत की स्त्री जागरण स्थितियों में पश्चिम नारीवाद का सर्वाधिक प्रभाव दिखाई देता है, इसमें बुनियादी नारी अधिकारों के जरिए सशक्तिकरण की बात की गई है। भारत में नारी उत्थान और समानता का संकल्प एवं विमर्श मूलतः मध्यम वर्गीय, शहरी और अभिजात्य इसमें स्त्रियों के बुनियादी अधिकार शिक्षा रोजगार आर्थिक स्वतंत्रता की बात का जोर शोर से जिक्र किया गया है। गांव की स्त्रियों पर घरेलू हिंसा तथा कस्बाई स्त्रियों के शोषण की समस्याएं लगभग हाशिए पर हैं। इसके अलावा भारत की परंपरागत विशेषताएं हैं जो भारतीय जनमानस में इस तरह घुली मिली हैं कि यकायक दलित स्त्री को सबला या सर्व शक्तिमान मानना पुरुष समाज को स्वीकार्य नहीं होगा। भारतीय स्त्री पति को परमेश्वर एवं मातृत्व के दायित्व को निभाने वाली एक अबला स्त्री ही है। पिता, भाई तथा पति के संरक्षण में पलने, बढ़ने के बाद उनके अधिकारों से परे जाने में अभी भी सक्षम नहीं हुई है। जबकि यूरोपीय देशों का नारीवाद एवं नारी सशक्तिकरण एक अलग दृष्टि तथा नई दिशा को दशार्ता है। भारत की नारी अपनी "स्त्री"होने के दायित्व को यकायक ठुकरा कर उसकी बेड़ियों से बाहर नहीं निकल सकती।

घरेलू मिठाई की महत्ता

विजय गर्ग

इसी परिप्रेक्ष्य में हर जगह के स्वादिष्ट व्यंजन विभिन्न प्रकार से मशहूर भी हैं, जिनमें मिठाई और पकवान की विशिष्ट पहचान है। मीठे का मतलब खुशी का वह पल, जहां व्यक्ति किसी सुखद अवसर पर इसे खाकर या खिलाकर खुश होता है। देश के हर कोने में लोगों को मिठाई अत्यंत पसंद होती है। केवल होली जैसे बाकी लोकपर्व नहीं, बल्कि जन्मदिन से लेकर शादी और पूजा-पाठ तक सब कुछ मधुर व्यंजन से शुरू होता है। कहा जाता है कि दिल और दिमाग का रास्ता पेट से होकर गुजरता है। दरअसल, सामान्य भोजन जहां हमारे शरीर के लिए पोषक तत्त्वों का असीम स्रोत है, वहीं मधुर व्यंजन के स्वाद जिह्वा की चाह की पूर्ति करती है। गांव में बीते बचपन की स्मृतियां ज्यादातर लोगों को आज भी जीवंत लगती होंगी। शरद ऋतु में गुड़ और देशी घी के मिश्रण से निर्मित मेथी के लड्डू मिट्टी के पात्र में पूरे जाड़े के मौसम के लिए सुरक्षित रखा जाता था। पड़ोस के घरों में भी ह्यबैनाह्ल के रूप में इस लड्डू के कुछ अंश का वितरण परस्पर सहयोग और स्नेह में गतिशीलता बनाए रखता था। वहीं, लड्डू की मिठास की सुस्वादु महक छोटे बच्चों को सबकी नजरों से बचते हुए चुपचाप एक-दो लड्डू चट करने में घर के सभी अनुशासन से मुक्त कर देती थीं। विशेषकर वैवाहिक कार्यक्रमों में पारंपरिक व्यंजनों में बेसन लड्डू, खाजा, बालूशाही, जलेबी, बुंदिया आदि घर में तैयार किए जाते थे। इसके लिए इसकी कच्ची सामग्री कुछ तो बाजार से खरीदी जाती थी, जबकि अधिकांश चीजें घर के खेत से उपजी हुई होती थीं। इन मिठाइयों की तैयारी में गांव के जानकर लोग खुद बिना किसी पारिश्रमिक के दूसरे के घर में होने वाले समारोह, खासकर बेटी की शादी में पूरी तल्लीनता से हाथ बंटाते थे। शादी-विवाह के बाद वापस जाने वाले कुटुंब को एक पोटली में इन मिठाइयों के कुछ भाग को देने की परंपरा थी। मधुर व्यंजन की उत्पत्ति के बारे में पाक विशेषज्ञों और पूर्वजों का कथन है कि दैनिक जीवन में सबसे पहले खीर, हलवा का स्थान प्रमुख था। रसोईघर में उपलब्ध आटे, घी, चावल, गुड़ से ये व्यंजन बनाए जाते थे। गर्मी के दिनों में गांव पधारे अतिथियों को सबसे पहले गुड़ और पानी पेश कर उन्हें थकावट से मुक्ति दिलाने की कोशिश की जाती थी। मौसमी गन्ने के रस से निर्मित खीर, जिसमें दूध की भी पर्याप्त मात्रा दी जाती थी, उसके स्वाद आज भी जिह्वा को ललचा देते हैं।

मानव मन का सर्वश्रेष्ठ उल्लास है होली

होली का नाम आते ही मन रंगों के विशेषण पर लोटने लगता है। लाखिनी चेहरे भाभियों और देवरों का मजाक मन में कुलांचे मारने लगता है। मानव मन के उत्कृष्ट उल्लास का नाम होली का त्योहार है। होली हमारे देश का एक विशिष्ट सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक त्योहार है। यह बहुत प्राचीन उत्सव है। जैमिनी के पूर्व मीमांसा सूत्र, जो लगभग 400-200 ईसा पूर्व का है, के अनुसार होली का प्रारंभिक शब्द रूप होलाका था। जैमिनी का कथन है कि इसे सभी आर्यों द्वारा संपादित किया जाना चाहिए। काठक गृह्य सूत्र के एक सूत्र की टीकाकार देवपाल ने इस प्रकार व्याख्या की है :- होला कर्म विशेष : सौभाग्याय स्त्रीणा प्रातरनुष्ठीयते। तत्र होलाके राका देवता

– होला एक कर्म विशेष है जो स्त्रियों के सौभाग्य के लिए संपादित होता है। इसमें राका (पूर्णचन्द्र) देवता है।

होलाका संपूर्ण भारत में प्रचलित 20 क्रीड़ाओं में एक है। वात्स्यायन के अनुसार लोग श्रृंग (गाय की सींग) से एक-दूसरे पर रंग डालते हैं और सुगंधित चूर्ण (अबीर-गुलाल) डालते हैं। लिंग पुराण में उल्लेख है कि फाल्गुन-पूर्णिमा को फाल्गुनिका कहा जाता है, यह बाल क्रीड़ाओं से पूर्ण है और लोगों को विभूति (ऐश्वर्य) देने वाली है।

वराह पुराण में इसे पटवास-विलासिनी (चूर्ण से युक्त क्रीड़ाओं वाली) कहा है। हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद विष्णु का भक्त था। उसने अपने पिता के बार-बार समझाने के बाद भी विष्णु की भक्ति नहीं छोड़ी। हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को मारने के अनेक उपाय किए किन्तु वह सफल नहीं हुआ। अन्त में, उसने अपनी बहन होलिका से कहा कि वह प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठे, क्योंकि होलिका एक चादर ओढ़ लेती थी जिससे अग्नि उसे नहीं जला पाती थी। होलिका जब प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर अग्नि में बैठी तो वह चादर प्रह्लाद के ऊपर आ गई और होलिका जलकर भस्म हो गई। तब से होलिका-दहन का प्रचलन हुआ।

होली मुक्त स्वच्छंद हास-परिहास का पर्व है। यह सम्पूर्ण भारत का मंगलोत्सव है। फागुन शुक्ल पूर्णिमा को आर्य लोग जौ की बालियों की आहुति यज्ञ में देकर अग्निहोत्र का आरंभ करते हैं। कर्मकांड में इसे 'यवाग्रयण' यज्ञ का नाम दिया गया है। बसंत में सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में आ जाता है। इसलिए होली के पर्व को 'गवंतराम्भ' भी कहा गया है। होली का आगमन इस बात का सूचक है कि अब चारों तरफ बसंत ऋतु का सुवास फैलने वाला है। रवीन्द्रनाथ टैगोर ने कहा है- सहस्त्र मधु मादक स्पर्शो से आलिंगित कर रही सूरज की इन रश्मियों ने फागुन के इस बसंत प्रातः को सुगन्धित स्वर्ण में आह्लादित कर दिया है। यह देश हंसते-हंसाते मुस्कुराते चेहरों का देश है। जिंदगी जब सारी खुशियों को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तब प्रकृति मनुष्य को होली जैसा त्योहार देती है। । महाकवि बाणभट्ट ने कादंबरी में राजा तारापीड़ के फाग खेलने का अनूठा वर्णन किया है। भवभूति के मालतीमाधव नाटक में पुरवासी मदनोत्सव मनाते हैं। यहां एक स्थल पर नायक माधव सुलोचना मालती के गुलाबी कपोलों पर लगे कुमकुम के फैल जाने से बने सौंदर्य पर मुग्ध हो जाता है। राजशेखर ने अपनी काव्य-मीमांसा में [illegible] का भी उल्लेख किया है। यद्यपि [illegible] तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं [illegible] के अभाव, स्वार्थ एवं संकीर्णताभरे [illegible] से होली की परम्परा में बदलाव आया है। [illegible] होली की खुशी और मस्ती को [illegible] किया है, लेकिन आज भी बृजभूमि ने होली की प्राचीन परम्पराओं को संजोए रखा है। यह परम्परा इतनी जीवन्त है कि इसके आकर्षण में देश-विदेश के लाखों पर्यटक ब्रज वृन्दावन की दिव्य होली के दर्शन करने और उसके रंगों में भीगने का आनंद लेने प्रतिवर्ष यहां आते हैं। होली नई फसलों का त्योहार है, प्रकृति के रंगों में सराबोर होने का त्योहार है। राधा-कृष्ण के जीवनकाल से ही अनुराग के इस त्योहार को ब्रज के गांव-गांव, घर-घर में लोग राग-रंग, मौज-मस्ती, हास-परिहास, गीत-संगीत के साथ परंपरा से आज तक मनाते आ रहे हैं। ब्रज में ऐसा कोई हाथ नहीं होता जो गुलाल से न भरा हो, पिचकारियों के सुगंध भरे रंग से सराबोर न हो। मति मारौ श्याम पिचकारी, अब देऊंगी गारी।
भिजेगी लाल नई अंगिया, चूंदर बिगरैगी न्यारी।
देखेंगी सास रिसाएगी मोपै, संग की ऐसी है दारी।
हंसेगी दै-दै तारी। ब्रज की होली की रसधारा से जुड़ा एक तीर्थ है बरसाना। फागुन शुक्ला नवमी के दिन नंदगांव के हुरिहारे कृष्ण और उनके सखा बनकर राधा के गांव बरसाने जाते हैं। बरसाने की ललनाएं राधा और उसकी सखियों के धर्म का पालन कर नंदगांव के छैल छकनिया हुरिहारिरों पर रंग की बौछार करती हैं। फाग खेलन बरसाने आए हैं नटवर नंदकिशोर
घेर लई सब गली रंगीली। छाय रही छवि घटा रंगीली।
ढप-ढोल मृदंग बजाए है।

बंशी की घनघोर। बुंदेली फागों के एकछत्र सम्राट हैं लोककवि ईसुरी। ईसुरी ने अपनी प्रेमिका 'रजउ' को अपने कृतित्व में अमर कर दिया। ईसुरी ने फागों की एक विशिष्ट शैली 'चौकड़िया फाग' को जन्म दिया। हम अपनी फाग चर्चा चौकड़िया फागों से ही आरम्भ करते हैं। ईसुरी ने अपनी प्राकृत प्रतिभा से ग्रामीण मानव मन के उच्छ्वासों को सुर-ताल के साथ समन्वित कर उपेक्षित और अनचीह्नी लोक भावनाओं को इन फागों में पिरोया है।

हमखां बिसरत नहीं बिसारी, हेरन-हंसन तुमारी। जुबन विशाल चाल मतवारी, पतरी कमर इकारी। भौंह कमान बान से तानें, नजर तिरीछी मारी। 'ईसुर' कान हमारी कोदी, तनक हरे लो प्यारी। दक्षिण भारत में होलिका के पांचवे दिन रंग-पंचमी के रूप में यह उत्सव मनाया जाता है। पूरे भारत में यह उत्सव विभिन्न तरीके से मनाया जाता है। उत्तर भारत में वृंदावन, मथुरा, बरसाना आदि की होली बहुत प्रसिद्ध है। बरसाना में राधा-रानी मंदिर के प्रांगण में लट्ठमार होली होती है जिसमें स्त्रियां लाठियों से पुरुषों पर प्रहार करती हैं एवं होली गीत गाती हैं। वृंदावन का रसिया गायन, वहां का होली नृत्य: जो कृष्ण और राधा की होली खेलने को दर्शाता है, बहुत प्रसिद्ध है। बिहार प्रांत में उत्तरप्रदेश की भांति ही होली होती है।

भोजपुरी भाषा में इस उत्सव में गाए गए फाग वहां की विशेषता है। अवध, मगध, मध्यप्रदेश, राजस्थान, मैसूर, गढ़वाल, कुमायूं,ब्रज सभी क्षेत्रों में होली का अत्यंत उल्लास और उमंग देखने को मिलता है। बंगाल एवं बांग्लादेश में होलिका-दहन नहीं होता, वहां इसे दोल-यात्रा या वसंतोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसमें कृष्ण प्रतिमा का झूला प्रचलित है।

मूलतः होली का त्योहार प्रकृति का पर्व है। इस पर्व को भक्ति और भावना से इसीलिए जोड़ा जाता है कि ताकि प्रकृति के इस रूप से आदमी जुड़े और उसके अमूल्य धरोहरों को समझे जिनसे ही आदमी का जीवन है। मनुष्य का जीवन अनेक कष्टों और विपदाओं से भरा हुआ है। वह दिन-रात अपने जीवन की पीड़ा का समाधान ढूंढने में जुटा रहता है। इसी आशा और निराशा के क्षणों में उसका मन व्याकुल बना रहता है। ऐसे ही क्षणों में होली जैसे पर्व उसके जीवन में आशा का संचार करते हैं। भारत के बढ़ते जलसंकट के मद्देनजर हमें पानी बचाने के लिए एकसाथ मिलकर काम करना चाहिए और होली जैसे अवसर पर पानी की बर्बादी रोकना चाहिए। होली खेलने वालों ने अगर प्राकृतिक रंग या गुलाल से होली खेली तो कुल 36 लाख 95 हजार 518 लीटर पानी की बचत होगी। धरती पर लगभग 6 अरब की आबादी में से एक अरब लोगों के पास पीने को भी पानी नहीं है। जब मनुष्य इतनी बड़ी आपदा से जूझ रहा हो ऐसे में हमें अपने त्योहारों को मनाते वक्त संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। इस होली पर जितना संभव हो अधिक से अधिक पानी बचाने का संकल्प लें। सभी को प्यार के रंग में रंग देने वाले होली के त्योहार पर हर व्यक्ति अपने और दूसरों के जीवन में खुशियों के रंग भर देना चाहता है। कोई अबीर, गुलाल से तो कोई पक्के रंग और पानी से होली खेलता है, लेकिन आज भी कुछ लोग हैं जो प्रकृति से प्राप्त फूल-पत्तियों व जड़ी-बूटियों से रंग बना कर होली खेलते हैं। उनके अनुसार इन रंगों में सात्विकता होती है और ये किसी भी तरह से हानिकारक नहीं होते। होली के अवसर पर छेड़खानी, मारपीट, मादक पदार्थों का सेवन, उच्छृंखलता आदि के जरिए शालीनता की हदों को पार कर दिया जाता है। आवश्यकता है कि होली के वास्तविक उद्देश्य को आत्मसात किया जाए और उसी के आधार पर इसे मनाया जाए। होली का पर्व भेदभाव को भूलने का संदेश देता है, साथ ही यह मानवीय संबंधों में समरसता का विकास करता है।

कविता
आई बसंती होली...

ऊपर नीला-नीला आकाश,
नीचे हरी-भरी धरती।
लाल-लाल खिला पलाश
सृष्टि की छवि मन हरती।
फिर अपने आंगन में आई
बसंती होली।
मन पुलकित, तन पुलकित
पुलकित हर दिवस निशा।
कण सुरभित, क्षण सुरभित,
सुरभित दिशा-दिशा।
फिर अपने आंगन में आई
बसंती होली।
यत्र-तत्र रंग ही रंग,
जीवन के रंग अपार।
प्रीति-रीति संग ही संग,
हुआ त्योहार साकार।
फिर अपने आंगन में,
आई बसंती होली।
मानो निकले पाथर के पर,
आनंद का अनूठा लगन।
उभर उठे सप्त स्वर,
गायन में कोकिल मगन।
फिर अपने आंगन में आई
बसंती होली।
बजा मंजीरा, बजा ढोल,
जग झूम-झूम उठ जागा,
कैसे सजे सुंदर बोल,
यह कैसा सुरीला फाग।
फिर अपने आंगन में,
आई बसंती होली।

रंग नहीं पसंद, तो इन 5 तरीकों से मनाएं होली

रंगों की बौछारों में ही होली का असली मजा है, और इनके बगैर होली सूनी सी लगती है। लेकिन कई लोगों को रंगों से सराबोर होना पसंद नहीं होता, लिहाजा वे होली की मस्ती में शामिल नहीं होते। अगर आप भी रंगों से दूर रहते हैं, तो घर पर ऐसे मनाएं होली का त्योहार -

1 होली का असली माहौल तो होली के गीतों से ही बनता है, यह आप भी जानते ही है। तो घर बैठे होली मनाने का बढ़िया तरीका है, होली के फिल्मी गानों से घर और मोहल्ले

को एहसास करा दें, कि आप भी होली मना रहे हैं।

2 भले ही रंगों में खेलने का मन नहीं है, लेकिन भाई-चारा बढ़ाने में थोड़े ही कुछ जाता है। भई परिवार, दोस्तों-यारों और रिश्तेदारों से मिलें, समय बिताएं या कोई खाने-पीने का बढ़ि??या-सा आयोजन करें, और होली मनाएं।

3 होली पर शुभकामना और मस्ती भरे संदेशों की भी कमी नहीं होती। आप यह काम भी बड़ी शिद्दत से कर सकते हैं। अपनों को ऑडियो, वीडियो या फोटोज के माध्यम से बढ़ि?या होली संदेश भेजें और शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करें।

4 अपने घर के कम्प्यूटर पर होली वाला रंग-बिरंगा वॉलपेपर लगाएं और अपने लिए कपड़ों का चयन भी रंगबिरंगा सा करें। आप चाहें तो इस दिन घर के परदे और चादरें भी रंगबिरंगे लगा सकते हैं।

5 मिठाईयों के बगैर भी भला कोई होली मनाई जाती है...। घर पर आराम से बैठकर कोई फिल्म देखिए, या फिर घर पर कोई नाच-गाने, कविता या शेर-ओ-शायरी कार्यक्रम आयोजित करें और मिठाईयों का लुत्फ लीजिए। साथ में ठंडाई का स्वाद लेकर अपने आनंद में चार चांद लगाईए।

होली स्पेशल गुझिया रंगबिरंगी

सामग्री :
300 ग्राम मैदा, 1 बड़ी कटोरी बारीक मीठी बूंदी, 1 बड़ा चम्मच घी (मोयन के लिए), पाव कटोरी मिक्स मेवों की कतरन, 4-5 केसर के लच्छे, 1-1 बूंद हरा-लाल खाने वाला रंग, 2 तार की डेढ़ कप तैयार चाशनी, पाव कटोरी दूध, तलने के लिए पर्याप्त मात्रा में घी।

विधि :
सबसे पहले केसर को थोड़े-से गुनगुन दूध में कुछ देर भिगो कर घोंट लें। अब मैदे में मोयन मिलाकर उसके तीन हिस्से कर लें। एक में हरा, दूसरे में लाल रंग व तीसरे भाग में जरा-सी केसर मिला कर तीनों को अलग-अलग गूंथ कर लंबे रोल बना लें। तीनों रोल को मिलाकर छोटी-छोटी लोई बना लें।

अब बूंदी (लड्डू का चूरा भी ले सकते हैं) में केसर-मेवा और थोड़े-से दूध के छींटे डालकर अच्छी तरह मिश्रण तैयार कर लें। मैदे की छोटी-छोटी पूरियां बेलें व थोड़ा बूंदी का मिश्रण भर कर उसकी गुझिया बना लें। एक कढ़ाही में घी गर्म करें व धीमी आंच पर सुनहरी होने तक गुझिया तल लें। थोड़ी ठंडी होने पर चाशनी में डालकर वापस निकाल लें। बनाने में आसान व दिखने में सुंदर रंगबिरंगी गुझिया आपके घर आए मेहमानों को जरूर पसंद आएगी।

होली : रंग छुड़ाते वक्त रखें 5 बातों का ध्यान

होली खेलने के बाद त्वचा पर जमा हुआ रंग छुड़ाना काफी मशक्कत भरा काम है। जैसे-तैसे रंग छुड़ाने के बजाए कुछ बातों का ध्यान रखकर आप त्वचा को सुरक्षित रख सकते हैं। जरूर जानिए, कौन-सी हैं वे 5 बातें -

1 होली का रंग निकालने का सबसे आसान और सुरक्षित तरीका है तेल का इस्तेमाल। नारियल के तेल में रुई के फाहे को डुबोकर इससे धीरे-धीरे रंग निकालें। इससे जलन नहीं होगी और रंग भी छूट जाएगा।

2 ध्यान रहे रंग छुड़ाने के लिए कभी भी कपड़े धोने का साबुन, मिट्टी का तेल या चूने के पानी का प्रयोग ना करें। इससे आपकी त्वचा क्षतिग्रस्त हो सकती है और बाद में जलन पैदा हो सकती है।

3 आटे में तेल, हल्दी मिलाकर उबटन तैयार करें। अब इसे लगाकर रखने के बजाए चेहरे और त्वचा पर रगड़ते रहें जब तक मैल और रंग साफ न हो जाए। यह आपकी त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

4 त्वचा पर सीधे नींबू, सिरका या सिट्रिक चीजें लगाने से परहेज करें यह त्वचा में तेज जलन पैदा कर सकती हैं। यदि होली खेलने के पहले ही पूरे शरीर पर कोई भी ऑइल अच्छी तरह लगा लिया जाए तो रंग निकालने में आसानी होती है।

5 यदि शरीर पर ग्रीस, ऑइल पेंट या कोई ऐसा ही पदार्थ लगा हो तो सफेद तिल को पानी में भिगोकर उसका पेस्ट बना लें। शरीर पर 10 मिनट लगाकर रखें, रंग खुद-ब-खुद छूट जाएगा।

राग-रंग का लोकप्रिय पर्व होली

होली भारत का प्रमुख त्योहार है। होली जहाँ एक ओर सामाजिक एवं धार्मिक त्योहार है, वहीं रंगों का भी त्योहार है। बाल-वृद्ध, नर-नारी सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। इसमें जातिभेद-वर्णभेद का कोई स्थान नहीं होता। इस अवसर पर लकड़ियों तथा कंडों आदि का ढेर लगाकर होलिकापूजन किया जाता है फिर उसमें आग लगायी जाती है। पूजन के समय मंत्र उच्चारण किया जाता है।

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता है। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहां भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता है। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते है। दूसरे दिन, जिसे प्रमुखत: धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन इसके अन्य नाम हैं, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते है और फिर से दोस्त बन जाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं।

राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुँचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्योहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूँ की बालियाँ इठलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूलकर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

विशिष्ट उत्सव

भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में भिन्नता के साथ मनाया जाता है। ब्रज की होली आज भी सारे देश के आकर्षण का बिंदु होती है। बरसाने की लठमार होली काफ़ी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएँ उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। इसी प्रकार मथुरा और वृंदावन में भी 15 दिनों तक होली का पर्व मनाया जाता है। कुमाऊँ की गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियाँ होती हैं। यह सब होली के कई दिनों पहले शुरू हो जाता है। हरियाणा की धुलंडी में भाभी द्वारा देवर को सताए जाने की प्रथा है। बंगाल की दोल जात्रा चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। जलूस निकलते हैं और गाना बजाना भी साथ रहता है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलने, गोवा के शिमगो में जलूस निकालने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्खों द्वारा शक्ति प्रदर्शन की परंपरा है। तमिलनाडु की कमन पोंडिगई मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोत्सव है जबकि मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्ही झोंपड़ी का नाम है जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के लिए होली सबसे बड़ा पर्व है, छत्तीसगढ़ की होरी में लोक गीतों की अद्भुत परंपरा है और मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी इलाकों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है भगोरिया, जो होली का ही एक रूप है। बिहार का फगुआ जम कर मौज मस्ती करने का पर्व है और नेपाल की होली में इस पर धार्मिक व सांस्कृतिक रंग दिखाई देता है। इसी प्रकार विभिन्न देशों में बसे प्रवासियों तथा धार्मिक संस्थाओं जैसे इस्कॉन या वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में अलग अलग प्रकार से होली के त्यौहार व उत्सव मनाने की परंपरा है जिसमें अनेक समानताएँ और भिन्नताएँ हैं।

आधुनिकता का रंग

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप है। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और ठुमरी की शान में कमी नहीं आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

होलिका दहन और धुलैंडी का पर्व कब है, 6, 7 या 8 मार्च को?

होलिका दहन को लेकर कंफ्यूजन है, 6 को, 7 को या 8 मार्च को? होली के बाद कब रहेगी धुलेंडी। ज्योतिष मान्यता के अनुसार कब होना चाहिए होलिका दहन और कब मनाएं धुलैंडी का पर्व? इसके बाद रंगपंचमी का त्योहार कब रहेगा।

कब जलाते हैं होली : पूर्णिमा के दिन प्रदोष काल में होलिका दहन किया जाता है और उसके दूसरे दिन धुलेंडी का पर्व मनाया जाता है।

पूर्णिमा तिथि : पूर्णिमा तिथि 06 मार्च दिन सोमवार को शाम 04:17 पर आरंभ होगी और इस तिथि का समापन 07 मार्च दिन मंगलवार को शाम 06:09 पर होगा।

6 मार्च : 06 मार्च को प्रदोष काल में पूर्णिमा तिथि है लेकिन 7 को पूर्णिमा तिथि में प्रदोष काल नहीं रहेगा। कई जगहों पर पंचांग भेद के कारण 06 मार्च को होलिका दहन होगा, क्योंकि इसी दिन प्रदोष काल में पूर्णिमा तिथि रहेगी।

7 मार्च : 06 मार्च को पूर्णिमा तिथि के प्रारंभ होने के साथ ही भद्रा भी शुरु हो जाएगी जो 07 मार्च सुबह 05:15 तक रहेगी। कुछ लोग भद्रा में होलिका दहन नहीं करना चाहते हैं। अन्य मतानुसार पूर्णिमा तिथि दो दिन प्रदोष व्यापिनी हो तो दूसरे दिन दहन किया जाता है। यानी 07 मार्च को शाम को या रात्रि में होलिका दहन होगा।

धुलैंडी : धुलैंडी का पर्व अगले दिन मनाया जाएगा। अधिकतर मतानुसार 07 मार्च को होलिका दहन होगा और 08 मार्च को होली खेली जाएगी। यानी धुलैंडी मनाई जाएगी।

होली खेलने से पहले इन बातों का रखें ध्यान!

रंगों और खुशियों के त्योहार होली के रंग में सराबोर होने के लिए घर से निकलने से पहले आपको त्वचा और बालों की सुरक्षा के संबंध में कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए, जिससे आपको किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े. त्वचा विशेषज्ञ ने होली खेलने निकलने से पहले त्वचा की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं -

- कुछ लोग होली खेलने के पहले बाल यह सोचकर नहीं धुलते हैं कि रंग खेलने से बाल गंदे होने ही हैं, लेकिन पहले से गंदे बाल में रंग लगने से आपके बालों को और नुकसान पहुंच सकता है और बाल रुखे हो सकते हैं, इसलिए बाल धुलकर, सुखाने के बाद बालों में अच्छी तरह से तेल लगाकर ही होली खेलने निकलें.
- होली खेलने निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम लगाना नहीं भूलें, क्योंकि तेज धूप में आपकी त्वचा झुलस सकती है और रंग काला पड़ सकता है.
- बाजार में उपलब्ध सिंथेटिक रंगों में हानिकारक केमिकल और शीशा भी हो सकता है, जिससे आपकी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए त्वचा और बालों पर अच्छे से तेल लगाएं और हो सके तो प्राकृतिक रंगों या घर पर बने टेसू के फूल वाले रंग से होली खेलें. कानों के पीछे, उंगलियों के बीच में भी तेल अच्छे से लगाएं और नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाना नहीं भूलें. बालों में नारियल तेल डालकर अच्छे से मसाज करें, इससे आपके बाल रुखे भी नहीं होंगे.
- शरीर के अधिकांश हिस्सों को रंगों से बचाने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, सूती रंग के ही कपड़े पहनें, क्योंकि भीगने पर सिंथेटिक कपड़े शरीर से चिपक जाते हैं और आपको उलझन महसूस हो सकती है.
- फलों और सब्जियों के छिलकों को सुखाकर उसमें टेल्कम पाउडर और संतरे के सूखे छिलकों के पाउडर को मिलाकर होली खेलना एक अच्छा विकल्प है. इसमें हल्दी पाउडर, जिंजर रूट पाउडर व दालचीनी पाउडर भी मिलाए जा सकते हैं, जो आपकी त्वचा के लिए हानिकारक साबित नहीं होंगे, लेकिन इन पाउडर को जोर से त्वचा पर मले नहीं, क्योंकि इससे लालिमा, खरोंच या दानें पड़ सकते हैं और त्वचा में जलन हो सकती है.
- होली खेलने के बाद सौम्य फेसवॉश या साबुन का ही इस्तेमाल करें, क्योंकि हार्श साबुन से त्वचा रूखी हो सकती है, नहाने के बाद मॉइश्चराइजर और बॉडी लोशन जरूर लगाएं.
- बालों को सौम्य हर्बल शैम्पू से अच्छी तरह से धुलें, ताकि अभ्रक युक्त और केमिकल वाले रंग बालों से अच्छी तरह से निकल जाएं, शैम्पू के बाद बालों का रूखापन दूर करने के लिए एक मग पानी में एक नींबू का रस मिलाकर धुले या फिर बीयर से भी बाल धुला जा सकता है, इससे आपके बाल मुलायम रहेंगे.

क्या है होली और राधा-कृष्ण का संबंध

होली के पर्व का जिक्र आते ही मन रंगों से खेलने लगता है और प्रेम के इस पर्व में हर कोई राधा व कृष्ण हो जाना चाहता है। आप सोच रहे होंगे कि राधा व कृष्ण का होली से क्या नाता है तो आइये जानते हैं। होली और राधा-कृष्ण का क्या संबंध है।

भगवान विष्णु ने जितने भी अवतार धारण किये हैं चित्रों के माध्यम से उन्हें सांवले रंग का दिखाया जाता है और भगवान श्री कृष्ण का तो नाम ही श्याम लिया जाता है। लेकिन उनका यह श्याम रंग बनने की कहानी है। दरअसल जब श्री कृष्ण के मामा कंस ने राक्षसी पुतना को जन्माष्टमी के दिन जन्मे शिशुओं को स्तन से विषपान करवाकर मरवाने के लिये भेजा तो श्री कृष्ण ने विषपान तो किया लेकिन भगवन का क्या बिगड़ना था, पुतना तो मारी गई लेकिन बाल गोपाल विषपान करने से श्याम वर्ण के हो गये। अब उन्हें यह चिंता सताने लगी कि इस श्याम रंग के साथ प्रिय सखी राधा सहित अन्य गोपियां उन्हें भाव नहीं देंगी। गौर वर्णीय राधा को जब भी वे देखते उन्हें स्वयं का श्याम वर्ण होना अखरने लगता। वे इसकी शिकायत अपनी मैया यशोदा से करते हैं वो गीत तो आपने भी सुना होगा यशोमति मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गोरी मैं क्यूं काला। तो माता उन्हें प्रसन्न करने के लिये सुझाव देती है वह भी राधा के मुख पर वैसा ही रंग लगा दे जैसा वे चाहते हैं। बस माता की शय मिलने की देर थी, नटखट श्याम राधा सहित सभी गोपियों को रंगने लग जाते हैं। धीरे-धीरे उनकी यह शरारत फैलने लगती है और ऋतुराज वसंत के इस प्यार भरे मौसम में एक दूसरे पर रंग डालने की यह लीला एक प्रेममयी परंपरा के रूप में हर साल फाल्गुन के महीने में निभायी जाने लगती है। होली के दिनों में मथुरा वृंदावन का नजारा तो आज भी देखते ही बनता है।

क्या है महत्व

वैसे यह श्री राधा व भगवान श्री कृष्ण की होली पर खेली गई यह प्रेम लीला एक प्रतीक भर है कि यह रंग कोई भौतिक रंग नहीं है बल्कि भक्ति का रंग है। भगवान का रंग है, सद्भावना का रंग है, विश्वास का रंग है जिनसे होली खेली जाती है। और जो होली जलाई जाती है वह संदेह की, अंहकार की, वैरभाव की, ईर्ष्या की होली जलाई जाती है जिसके उपरांत ही निष्काम प्रेम की कामना पूर्ण होती है और अपने आराध्य श्री कृष्ण की अपने ठाकुर जी की कृपा प्राप्त होती है।

एसआई नैना कंवल सस्पेंड, पुलिस को देखते ही फेंक दी थी दो अवैध पिस्टल

रोहतक। राजस्थान पुलिस की सब-इंस्पेक्टर (ट्रेनी) नैना कंवल को अवैध हथियार रखने के मामले में निलंबित कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने अपहरण के एक मामले में फरार चल रहे सुमित नांदल को तलाश के लिए रोहतक में एसआइ नैना कंवल के फ्लैट पर दबिश दी थी। दबिश के दौरान राजस्थान पुलिस की ट्रेनी नैना को हरियाणा में अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया। राजस्थान पुलिस ने नैना को पुलिस सेवा से निलंबित कर दिया है। राजस्थान पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक (अपराध) एस सेंगाधिर ने शनिवार को उनके निलंबन के आदेश जारी किए। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हरियाणा के रोहतक में नैना को अवैध हथियारों के साथ पकड़ा गया था। वहां उसे आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में उसे निलंबित कर दिया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उसे स्पोर्ट्स कोटा के तहत भर्ती किया गया था।

पुलिस को देखते ही दो अवैध पिस्टल खिड़की से नीचे फेंक

सनसिटी हाइट्स में दो अवैध पिस्टल के साथ पकड़ी गई राजस्थान पुलिस की एसआइ नैना कैनवाल को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि जिस समय दिल्ली और रोहतक पुलिस अपहरण के मामले में वांछित चल रहे सुमित नांदल को पकड़ने के लिए फ्लैट पर पहुंची तो वहां महिला एसआइ नैना मिली थी, जिसने पुलिस को देखकर दो अवैध पिस्टल खिड़की से नीचे फेंक दिए थे। जांच में यह भी पता चला कि एसआइ की जान-पहचान सुमित नांदल से है। सिटी थाना प्रभारी राजू सिंधू ने बताया कि महिला एसआइ को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। साथ ही रिकार्ड भी खंगाला जा रहा है। मामले की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी गई है।

ये है मामला

बोहर गांव के रहने वाले सुमित नांदल के खिलाफ दिल्ली के मोहन गार्डन थाने में 2021 में अपहरण का मामला दर्ज हुआ था। जिसमें वह वांछित चल रहा है। बीरवार रात दिल्ली पुलिस को सूचना मिली थी कि सुमित नांदल सनसिटी हाइट्स स्थित फ्लैट में छिपा है। इसके बाद उन्होंने रोहतक पुलिस को साथ लेकर वहां छापेमारी की थी। वहां से उसकी परिचित महिला एसआइ अवैध पिस्टल के साथ पकड़ी गई थी, जो पानीपत के सुतानां गांव की रहने वाली है। वहीं सुमित नांदल की तलाश में सीआइए-टू की टीम मोखरा गांव में पहुंची थी। यहां पर ग्रामीणों ने सुमित नांदल को पुलिस के कब्जे से छुड़ा लिया था। इसके बाद पुलिस की तरफ से तपा प्रधान रामकिशन समेत कई अन्य के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। नैना कंवल का जन्म दो फरवरी 1996 को गांव सुतानां में हुआ। फ्री स्टाइल कुश्ती की पहलवान नैना कंवल अभी अविवाहित हैं। इन्हें डांस व संगीत सुनना पसंद है। नैना ने साल 2011 से कुश्ती खेलना शुरू किया गया था। चौधरी भरत सिंह मेमोरियल स्टोटर्स स्कूल गांव निडानी जींद हरियाणा के अखाड़ा में पहली बार गई। पहलवान नैना के परिवार में पिता रामकरण, मां बाला देवी और भाई निखिल है। निखिल ने एक लगभग एक वर्ष पहले अमेरिकन लड़की से शादी की थी। वह इस समय सिंगापुर में रह रहा है। नैना के पिता रामकरण और मां बाला देवी दोनों ही ग्राम पंचायत सुतानां के सरपंच रह चुके हैं।

सात बार भारत केसरी का खिताब नैना के नाम

नैना कंवल हरियाणा की जानी मानी पहलवान हैं। एशिया चैंपियनशिप मंगोलिया में गोल्ड मेडल भी जीता था। इसके अलावा सात बार भारत केसरी का खिताब भी हासिल कर चुकी है। वह मूलरूप से हरियाणा के गांव सुतानां की रहने वाली हैं। खेल कोटे से राजस्थान पुलिस में सब इंस्पेक्टर भर्ती हुई थी।

पूनिया खाप ने लव मैरिज को दिया अमान्य करार, मां-बाप की अनुमति होगी जरूरी

हिसार। अखिल हरियाणा सर्व जातीय पूनिया खाप ने रविवार को हिसार में महासम्मेलन आयोजित करके अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। फैसलों में मुख्य रूप से समाज में लव मैरिज को अमान्य करार दिया गया है वहीं बारात में 21 आदमी जाने, 101 रुपये देकर बारात रुकना करने तथा दादी व नानी का गौत्र छोड़कर शादी करने जैसे फैसले लिए गए। हिसार में हुए महासम्मेलन में फैसले लिए गए कि गोद भराई में पांच आदमी जाएंगे। गोत्र बचाओ अभियान के तहत यह फैसला लिया गया कि युवक-युवती लव मैरिज करते हैं और ग्रामीण परिवेश को दूषित करते हैं, इसे अमान्य करार दिया जाएगा। शादी के लिए मां-बाप की आज्ञा जरूरी होगी। यह भी फैसला लिया गया कि पहले हमारे समाज में चार गौत्र छोड़कर शादी करने का नियम है, मगर इससे बच्चों के रिश्ते करना मुश्किल हो गया। इसलिए मजबूरीवश अब नानी और दादी को गौत्र छोड़कर बाकी गौत्र में शादी कर सकेंगे। डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के साथ कहा गया कि बीन और ढोलक बजा लो, लेकिन गंदे गाने ना सुनो। महासम्मेलन में पहुंची हरियाणा की पूर्व शिक्षा मंत्री गीता पूनिया भुकल ने कहा कि पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा व पूनिया समाज के सहयोग से चार बार विधायक बनी। उनका सौभाग्य है कि आपने मुझे मंच पर बुलाया। उन्होंने आश्वासन दिया कि आपके मान सम्मान की पगड़ी को झुकने नहीं दूंगी। उन्होंने कहा कि आज सरकार बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ का नारा दिया जाता है, परंतु ये काफी नहीं है। गीता भुकल ने कहा कि मैं पूनियां की बेटी हूं और भुकलों में ब्याही हुई हूं, पर मैं अपने हस्ताक्षरों में दोनों गौत्र लिखती हूं। सर्व जातीय पूनिया खाप के एडवोकेट जितेंद्र ने बताया कि समाज हित में फैसला लिया कि बिना दहेज शादी करने वाले परिवार को 11 हजार रुपए देकर सम्मानित किया जाएगा, ताकि दहेज प्रथा कुरीति पर रोक लगे। नशा रोकने के लिए हर गांव में 11 सदस्यीय कमेटी बनाई जाएगी।पवन पूनिया ने बताया कि समाज ने फैसला लिया कि जीव और भ्रूण हत्या नहीं होगी और मृत्यु भोज नहीं किया जाएगा। पूनिया खाप की ओर से कॉलेज खोला जाएगा। इसके लिए जगह बाद में निर्धारित किया जाएगा। बरवाला के पास खरक पूनिया खाप में चबूतरे का निर्माण किया जाएगा। इस आयोजन अखिल हरियाणा सर्वजातीय पूनिया खाप के अध्यक्ष शमशेर सिंह नंबरदार ने बताया कि इसमें हरियाणा की पूर्व शिक्षा मंत्री गीता पूनिया भुकल, पूर्व उद्योग मंत्री कृपाराम पूनिया, अध्यक्ष शमशेर सिंह पूनिया, पूर्व लोकायुक्त जस्टिस प्रीतमपाल सहित पूनिया समाज के कई दिग्गज शामिल हुए।

हर वर्ग के सम्मान पर चोट कर रही है भाजपा सरकार: दीपेंद्र हुड्डा

फरीदाबाद। राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा है कि भाजपा सरकार हर वर्ग के सम्मान पर चोट कर रही है। ऐसी बर्बरता तो विदेशी आक्रांताओं ने भी नहीं की, जैसी बीजेपी सरकार कर रही है। सरकार के बर्बर लाठीचार्ज ने अंग्रेज सरकार द्वारा लाला लाजपत राय के जुलूस पर लाठीचार्ज की याद ताजा कर दी। उन्होंने कहा कि अपमान का घूंट पीकर बैठी जनता बड़ी बेसब्री से चुनाव का इंतजार कर रही है और अगले चुनाव में जनता एक-एक लाठी का हिसाब ब्याज समेत चुका देगी। सांसद हुड्डा रविवार को पृथला विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस विधायक रघुवीर सिंह तेवतिया द्वारा हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत आयोजित विशाल कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। हुड्डा ने आगे कहा कि भाजपा ने जनता से किया कोई चुनावी वायदा पूरा नहीं किया। आज हरियाणा में 2 लाख सरकारी पद खाली पड़े हैं इन पर पक्की भर्तियां होने की बजाय भर्ती घोटाले हो रहे हैं, पक्के पदों को खत्म किया जा रहा है। नौ साल से शिक्षकों की भर्ती नहीं हुई। उन्होंने कहा कि स्कूल के बच्चों को भी धरनों पर बैठना पड़ा। 5100 रुपये हर महीने पेंशन मिलना तो दूर पांच लाख से ज्यादा बड़े-बुजुर्गों की पेंशन काट दी गई। लाखों गरीबों के राशन कार्ड काट दिए गए। जब जनता भाजपा को उसके चुनावी वायदों की याद दिलाती है तो भाजपा सरकार उन पर लाठियां बरसाकर जनता की आवाज दबाने लग जाती है। भाजपा ने हरियाणा के लाखों युवाओं का फौजी बनने का सपना ही तोड़ दिया। हरियाणा की सरकार प्रदेश के हर वर्ग को अपमानित करके राज करना चाहती है।

होटल में कमरा नहीं मिलने पर फायरिंग करने के आरोपी गिरफ्तार

पलवल। करीब एक महीने पहले मुंडकटी थाना क्षेत्र अंतर्गत ओयो होटल में कमरा नहीं मिलने पर हथियारों से लैस तीन बदमाशों द्वारा अंधाधुंध फायरिंग करने व ईंट पत्थरों से तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया था, जिसकी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। सीआईए प्रभारी जगशेर सिंह ने रविवार को बताया कि गांव मिजोल के समीप स्थित एक ओयो होटल में एक महीने पहले रात के समय तीन युवक कमरा लेने के लिए पहुंचे थे। होटल संचालक ने कमरा खाली नहीं होने की बात कही थी। बस इसी बात पर उक्त युवकों ने ओयो होटल में पहले तो ईंट पत्थरों से तोड़फोड़ शुरू कर दी। जब होटल संचालक से ओयो होटल का गेट खोलने के लिए कहा गया, तो उसने गेट खोलने से साफ इनकार कर दिया। इस पर युवकों ने होटल पर अंधाधुंध गोलियां भी चलाई। गनीमत यह रही कि गोली किसी को नहीं लगी और बेखौफ बदमाश इस वारदात को अंजाम देने के बाद बड़े आराम से मौके से फरार हो गए। इसके बाद इस मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर टीम गठित करके दो युवकों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सीआईए प्रभारी जगशेर सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम नरेश व भगत सिंह उर्फ भगतू निवासी गांव मिजोल बताए हैं। जगशेर सिंह ने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश करके रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि पकड़े गए आरोपियों से वारदात में इस्तेमाल देशी कट्टा और पिस्तौल बरामद की जाए।

प्रतापगढ़ फार्म हाउस के ग्रामीण परिवेश से विदेशी मेहमान हुए आकर्षित, झज्जर में देखा मिनी भारत

गुरुग्राम। जी-20 शिखर सम्मेलन के अंतर्गत गुरुग्राम के होटल लीला में एंटी करप्शन वर्किंग ग्रुप (एसीडब्ल्यूजी) की बैठक एक से तीन मार्च तक चली। चार मार्च का दिन इस बैठक में शामिल होने वाले मेहमानों के लिए भ्रमण का रहा। जब यह मेहमानों झज्जर में स्थित प्रतापगढ़ फार्म में पहुंचे तो उनके आनंद की कोई सीमा नहीं रही। मेहमानों ने कहा कि उन्हें यहां के ग्रामीण परिवेश वाला वातावरण अत्यंत आकर्षक लगा। यहां की स्वच्छता और प्राकृतिक सुंदरता बड़ी मनोहारी है। फार्म परिसर में स्थित नर्सरी में लगे विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों के प्रति भी मेहमानों ने अपनी रुचि दिखाई। बैलगाड़ी पर भ्रमण से लेकर बैलों द्वारा खेतों की जुताई करने का भी मेहमानों ने अनुभव लिया। यहां मेहमानों के लिए दोपहर का खाना विशेष रहा। इन्हें हरियाणवी व्यंजन परोसे गए। विदेशी मेहमानों को बस द्वारा दोपहर लगभग एक बजे प्रतापगढ़ फार्म में ले जाया गया। जहां से सभी शाम को लगभग साढ़े चार बजे निकले। पूरे समय तक सभी मेहमान फार्म परिसर में भ्रमण करते रहे। यहां स्थित विभिन्न प्रकार की विशेषताओं को देखते रहे। उनके लिए यह सब कुछ नया अनुभव रहा।

मैजिक शो, ऊंट की सवारी, बाजरा कूटने और तीरंदाजी का उठाया लुत्फ

प्रतापगढ़ फार्म में भ्रमण के लिए पहुंचे विदेशी मेहमानों ने मैजिक शो के प्रति भरपूर उत्साह दिखाया। राजस्थान से आए जादूगर गुफाज अली का कहना है कि जी-20 जैसे बड़े शिखर सम्मेलन में आए विदेशी मेहमानों के समक्ष अपनी कला को दिखाना सुखद अनुभव रहा। इतने बड़े मंच पर शो दिखाना यादगार बन गया है। इनके हुनर की वीडियो भी मेहमानों ने बनाई। वह इनके पास बैठकर जादू का हुनर देखा। ऊंट की सवारी करने का भी क्रेज विदेशी मेहमानों में खूब दिखा। कुछ मेहमानी ने तीरंदाजी और बाजरा कूटने के काम में भी अपना हाथ आजमाया।

चारपाई और मूढ़े बनते देखा

विदेशी मेहमानों ने प्रतापगढ़ फार्म में कारीगरों द्वारा मौके पर ही चारपाई और मूढ़े बनाने की कला का प्रदर्शन किया। विदेशी प्रतिनिधिमंडल में शामिल इंडोनेशिया की महिला ने चारपाई बनाने की कला को सीखने का प्रयास किया।

इसके बाद कुछ अन्य विदेशी मेहमानों ने ऐसा किया। वहीं हथकरघा पर चादर बनते इन्होंने देखा। इसके बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। मूढ़े को बनता देख सभी काफी प्रभावित हुए। कहा कि यह चेयर को अद्भुत है। पर्यावरण की दृष्टि से भी उन्होंने हस्तशिल्प को हितकारी बताया। मेहमानों ने इनके वीडियो बनाए और कहा कि अपने देश में इसे शुरू करने की सलाह भी देंगे।

सुआ मारकर छात्र की हत्या के मामले में दो अरेस्ट

हिसार। हांसी में बड़ौली गांव निवासी छात्र रवि की बर्फ तोड़ने वाला सुआ मार कर हत्या करने के मामले में शहर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार हांसी की पुलिस अधीक्षक तितिका गहलोत ने हत्या की इस घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीमों को आरोपियों की तत्परता से गिरफ्तारी के आदेश दिए थे।

घटना के अनुसार हांसी के विराट नगर निवासी सचिन व कुलदीप उर्फ भोला ने बर्फ तोड़ने वाला सुआ मारकर बड़सी गांव निवासी रवि की हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि आरोपितों को सिसाय रोड पर फ्लाइओवर के पास से गिरफ्तार किया गया। उन्हें सोमवार को कोर्ट में पेश करके उनका रिमांड मांगा जाएगा।

सरपंच के साथ गाली-गलौज के आरोपी सचिव को भेजा जेल

जींद। अलेवा थाना पुलिस ने सरपंच के साथ दुर्व्यवहार करने तथा जातिसूचक गालियां देने के आरोपी ग्राम सचिव को काबू कर अदालत में पेश किया, जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। गांव अलेवा के सरपंच विनोद ने गत तीन मार्च को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह कार्य के लिए तहसील अलेवा गया हुआ था। जब वह कामकाज को लेकर सचिव विरेंद्र से बातचीत कर रहा था तो वह दुर्व्यवहार पर उतर आया और उसे जातिसूचक गालियां देने लगा। जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने उसे चुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। पुलिस ने सरपंच विनोद की शिकायत पर ग्राम सचिव विरेंद्र के खिलाफ धमकी देने का आरोप है।

तेज रफ्तार ऑटो ने सड़क किनारे खड़ी महिला को मारी टक्कर, अस्पताल में हुई मौत

रेवाड़ी। शहर के गढ़ी बोलनी रोड पर मोहल्ला शक्ति नगर के मोड़ के निकट एक चालक ने ऑटो को लापरवाही से चलाते हुए सड़क किनारे खड़ी महिला को टक्कर मार दी। दुर्घटना में महिला की मौत हो गई। ऑटो चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेज दिया। माडल टाउन थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क किनारे खड़ी थी महिला

पुलिस को दी शिकायत में बिहार के जिला छपरा के गांव फाजिल के रहने वाले भरतराम ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह वर्तमान में परिवार के साथ शहर के मोहल्ला शक्ति नगर में रहते है और रंग-पेंट का काम करते है। रविवार की शाम को वह अपनी पत्नी सुमन व भतीजे उपेंद्र कुमार के साथ बाजार जा रहे थे। वह तीनों गढ़ी बोलनी रोड स्थित शक्ति नगर मोड़ पर खड़े हुए थे। इसी दौरान अंबेडकर चौक की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार ऑटो चालक ने सड़क किनारे खड़ी उनकी पत्नी सुमन देवी को टक्कर मार दी। ऑटो की टक्कर लगने से सुमन सड़क पर जा गिरी और सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गई।

अस्पताल में हुई मौत

दुर्घटना के बाद चालक ऑटो वहीं छोड़ कर फरार हो गया। सूचना के बाद माडल टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। भरतराम ने घायल हुई सुमन देवी को उपचार के लिए ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भेज दिया। आज शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस ने ऑटो को अपने कब्जे में ले लिया है और भरतराम की शिकायत पर चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

मतांतरण रोकने को यहां जंगल में बजती है शहनाई, शादी के बंधन में बंध चुके 113 जोड़े

यमुनानगर। आस्था में परिवर्तन के साथ-साथ मतांतरण के स्वरूपों में बलपूर्वक, वैवाहिक तथा आर्थिक स्वार्थ के लिए मतांतरण भी शामिल हैं। आर्थिक तंगी के कारण हो रहे मतांतरण का स्याह चेहरा पहाड़ियों से घिरे यमुनानगर क्षेत्र में भी सामने आया है। इस सच के आलोक में ही यहां प्राचीन धार्मिक स्थल आदिबद्री में मतांतरण रोकने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं। आर्थिक तौर पर कमजोर परिवार को बेटियों की शादी बोझ न लगे और वे किसी के लालच व परेशानी में आकर सनातन धर्म को न छोड़ें, इसलिए आदिबद्री गोशाला समिति करीब छह साल से गरीब परिवारों की बेटियों की शादी करवा रही है। मतांतरण रोकने के लिए आदिबद्री में केदारनाथ मंदिर, बद्रीनाथ मंदिर व जंगलों से घिरे पहाड़ों पर माता मंजा देवी के मंदिर में शादी करवाई जा रही है। इस तरह, जंगल में मंगल की शहनाई बज रही है।बताया गया है कि अब तक 113 कन्याओं की विधि-विधान के साथ शादी करा चुके हैं। दैनिक जरूरत के सामान के साथ कन्याओं को विदा किया जाता है। ज्यादातर शादियां कार्तिक माह में करवाई जाती है। आदिबद्री के ये मंदिर हिमाचल की सीमा पर हैं। यहां के मंदिर द्वापर काल से भी प्राचीन है। इस स्थल की धार्मिक मान्यता है। यहां पर दूर दराज के श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए आते हैं।

परिवार ने दूसरे धर्म में कर दी थी बेटी की शादी

आदिबद्री के महंत विनय स्वरूप महाराज बताते हैं कि बिलासपुर क्षेत्र के भट्टूवाला गांव के व्यक्ति ने अपनी बेटी की शादी ईसाई धर्म के युवक के साथ करा दी। इसका पता चलने पर वह परिवार से मिलने गए। परिवार का कहना था कि उनकी आर्थिक हालत कमजोर थी। बेटी की शादी का खर्च नहीं उठा पा रहे थे। इसी कारण से दूसरे धर्म के चुनक के साथ शादी करनी पड़ी। तभी उन्होंने प्रण लिया कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए वह जीवन भर आर्थिक तौर से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी करवाएंगे ताकि कोई भी मजबूर होकर सनातन धर्म को छोड़कर दूसरे धर्म न शादी न करवाए। समाज की मदद से इस मुहिम को चलाए हुए हैं। इसमें देखा जाता कि लड़की व लड़के किस धर्म व जाति से हैं। कन्या के परिवार के आर्थिक हालत कैसी है। गांव में सरपंच, नंबरदार और शहरी क्षेत्र में पार्षद से पार्षद से तस्दीक करवाते हैं।

धर्म व जाति अलग होने पर समिति शादी में कोई भी मदद नहीं करती हैं। सही रिपोर्ट आने पर समिति के सदस्य शादी की तैयारी करते हैं। एक शादी पर एक लाख तक खर्च आ जाता है। काठगढ़ के रामशरण की बेटी सुनीता और रेखा की शादी श्री आदिबद्री गोशाला समिति ने करवाई। रामशरण दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। उनके पास तीन बेटियां और एक बेटा है। तीसरी बेटी की शादी करवाने की बात भी समिति ने कही। गांव माजरी धौला कुआं गिरिनगर की निशा देवी की शादी गांव छांग वाला के खेमचंद के साथ करवाई। कोटड़ा खास की ज्योति देवी की शादी बिहटा के शंभु संग करवाई। इसी तरह से भगवानपुर की रेखा की शादी जठलाना के भरत के साथ कुछ दिनों पहले करवाई गई है। इनके परिवार की आर्थिक हालत भी अच्छी नहीं थी। परिवार के सदस्यों ने शादी के लिए समिति से संपर्क किया।

ऋषि और कृषि से है भारत की पहचान : स्वामी सरस्वती

सोनीपत। महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनाल में मशरूम उत्पादन प्रसंस्करण व विपणन विषय पर आयोजित प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए करीब 36 प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि स्वामी दयानंद सरस्वती ने रविवार को सर्टिफिकेट प्रदान किये। स्वामी दयानंद सरस्वती ने कहा कि भारतवर्ष दो बातों से जाना जाता है, एक है ऋषि, दूसरा है कृषि। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं है। उम्मीद है कि प्रतिभागियों ने पांच दिवसीय कार्यशाला में पूरा ज्ञान हासिल किया, जिसे वे कृषि के क्षेत्र में लगाएंगे। उन्होंने कहा कि देश का किसान खुशहाल होगा तो देश आगे बढ़ेगा।

मंत्री कमल गुप्ता ने पीओके पर दिया गया, कहा-पाक अधिकृत कश्मीर किसी भी क्षण हो सकता है भारत का हिस्सा

रोहतक। शहरी निकाय मंत्री कमल गुप्ता रविवार को हरियाणा के रोहतक में व्यापारियों द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में रविवार को पहुंचे। रोहतक में उन्होंने ऐसा बयान दे दिया जो अब एक चर्चा का विषय बन गया है। चुनाव के नजदीक आते ही एक नई चर्चा शुरु हो गई है और वो भी कमल गुप्ता की टिप्पणी के बाद। रविवार को उन्होंने कहा कि आने वाले दो-तीन साल में किसी भी क्षण पाक अधिकृत कश्मीर भारत में शामिल हो सकता है। रविवार को शहरी निकाय मंत्री कमल गुप्ता ने कहा कि दो-तीन साल में पीओके भारत का हिस्सा होगा और यह नरेंद्र मोदी करेंगे। उन्होंने तो विपक्षी दल के नेताओं को जयचंद तक करार दे दिया। उन्होंने कहा कि अब पाक अधिकृत कश्मीर से भी जनता की आवाज उठने लगी है कि उन्हें भारत का हिस्सा बनाया जाए।

कांग्रेस पर साधा निशाना

कमल गुप्ता ने पिछली सरकारों पर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में कई सरकारें बनी, लेकिन देश सशक्त नहीं हुआ था। बाबर ने भारत की संस्कृति व मंदिरों को तोड़ा। लेकिन आजादी के बाद की सरकारों ने इस दिशा में कोई कार्य नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज सशक्त देश है।

हिंदू राष्ट्र बनाने में अग्रसर पीएम मोदी

स्वामित्व योजना को लेकर व्यापारियों की तरफ से आयोजित सम्मान समारोह में पहुंचे निकाय मंत्री डा. गुप्ता ने भाजपा की सरकार ने राम मंदिर व काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण करवाया। उन्होंने कहा कि 190 से अधिक देशों में भारत की प्राचीन पद्धति योग को मान्यता दी गई। पत्रकारों से वार्ता करते हुए गुप्ता ने कहा कि यूएन में हिंदी को सातवीं भाषा के रूप में मान्यता मिली। भारत के सशक्त होने के वजह से ही भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर लाने के लिए रूस व यूक्रेन ने दो दिन युद्ध को रोका। बता दें कि इस अवसर पर भाजपा के जिला अध्यक्ष अजय बंसल, विजय लक्ष्मी चंद गुप्ता, व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष सोम मलिक, हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के जिला अध्यक्ष राजेश टीनू लुंबा, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं पालिका बाजार के प्रधान गुलशन निझावन, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक हैप्पी अनेजा, सीनियर डिप्टी मेयर राजकमल सहगल, रमेश भाटिया, नरेंद्र खटर, पवन तायल, गुलशन दुआ, बिट्टू टक्कर, ईश्वर सिंघल, धीरज चावला, पवन आहूजा, कपिल नागपाल, ओमप्रकाश बागड़ी, सूरजमल किलोई, सतीश आहूजा, प्रतिभा सुमन, हर्ष गिरधर, सुंदर नागपाल, सुनील कलयाल, रमेश अत्री, बंटी बटला व कुलविंदर सिक्का आदि मौजूद रहे।

होली रंगों से मनाया जाने वाला एक बाहरी उत्सव भर नहीं है, यह आंतरिक उत्सव भी है। होली की पूर्व-रात्रि में जलने वाली होलीका जीवन से बोझिलता को भस्म कर देने का प्रतीक है तो अगला दिन रंगों के साथ जीवन में एक नए आनंद से खिल उठने का प्रतीक

खिल उठें नए रंगों के साथ

होली रंगों का त्योहार है। यह संसार कितना रंग भरा है। प्रकृति की तरह ही हमारी भावनाओं तथा संवेदनाओं का रंगो से संबंध है- क्रोध का लाल, ईर्ष्या का हरा, आनंद और जीवंतता के लिए पीला, प्रेम का गुलाबी, नीला विस्तृतता के लिए, शांति के लिए श्वेत, त्याग का केसरिया और ज्ञान का जामुनी। प्रत्येक मनुष्य रंगों का फव्वारा है। पुराण अनेक सुंदर उदाहरणों एवं कथाओं से युक्त हैं और यहां होली की एक कहानी है। राजा हिरण्यकश्यपु चाहता था कि सभी उसकी पूजा करें। किंतु उसका पुत्र प्रह्लाद भक्त था भगवान विष्णु का, जिनका वह राजा कट्टर शत्रु था। क्रोधित राजा चाहता था कि उसकी बहन होलिका, प्रह्लाद से छुटकारा दिलाए। अग्नि को सहन करने की शक्ति से युक्त होलिका, प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि के कुंड में बैठ गई। लेकिन होलिका जल गई, प्रह्लाद सुरक्षित रहा। हिरण्यकश्यपु स्थूलता का प्रतीक है तो प्रह्लाद भोलेपन, श्रद्धा एवं आनंद की प्रतिमूर्ति। चेतना को केवल भौतिकता के प्रेम तक ही सीमित नहीं रखा जा सकता। हिरण्यकश्यपु चाहता था कि सम्पूर्ण आनंद भौतिक संसार से ही प्राप्त हो, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। जीवात्मा सदैव सांसारिक वस्तुओं के बंधन में नहीं रह सकती। स्वभावत- वह 'नारायण', अपने उच्च की ओर आगे बढ़ेगी ही।

होलिका भूतकाल की बोझिलता की प्रतिनिधि है, जो प्रह्लाद के भोलेपन को नष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है। किंतु प्रह्लाद नारायण की भक्ति में इतनी गहराई से स्थित है कि अपने सभी पुराने संस्कारों को, प्रभावों को मिटा देता है और आनंद से खिल उठता है नए रंगों के साथ। जीवन एक उत्सव बन जाता है। भूत की छाप को मिटा कर आप नई शुरुआत के लिए उद्यत होते है। आपकी भावनाएं आपको अग्नि की तरह जलाती हैं, किंतु जब वह रंगों की फुहार-सी हो तो आपके जीवन में रंग भर देती हैं। अज्ञानता में भावनाएं कष्टकारी हैं। ज्ञान में यही भावनाएं जीवन के भिन्न रंग हैं। होली की तरह जीवन भी रंगों से भरा होना चाहिए, न कि उबाऊ। जब सभी रंग स्पष्ट देखें जाए, तब वह रंग भरा है, जब सभी रंग घुल जाते है, वह हो जाता है- 'काला'।

जीवन में हम विभिन्न भूमिकाएं निभाते हैं। प्रत्येक भूमिका एवं भावना स्पष्ट रूप से परिभाषित होनी चाहिए। अस्पष्ट भावनाएं कष्ट उत्पन्न करती हैं। जब आप एक पिता हैं, आपको पिता का पात्र निभाना है। कार्यस्थल पर आप पिता नहीं हो सकते। जब आप जीवन की विभिन्न भूमिकाओं को मिश्रित करते हैं, तब आप से गलतियां होनी शुरू होती हैं। आप अपने जीवन में जो भी पात्र निभा रहे हैं, पूर्ण रूप से उस ही में हों। विविधता में समन्वयता जीवन को अधिक जीवंत व रंग भरा बनाती है। जीवन में आप आनंद का जो भी अनुभव करते हैं, वह आपको स्वयं से ही प्राप्त होता है- जब आप वह सभी छोड़ कर शांत हो जाते हैं, जिसे आपने जकड़ा हुआ है।

यही ध्यान कहलाता है। ध्यान कोई क्रिया नहीं है, यह कुछ भी न करने की कला है। ध्यान में आपको गहरी नींद से भी अधिक विश्राम मिलता है, क्योंकि आप सभी इच्छाओं के पार होते हैं। यह मस्तिष्क को गहरी शीतलता देता है। यह मस्तिष्क शरीर तंत्र को पुनर्जीवन देने के समान है। उत्सव चेतना का स्वभाव है और वह उत्सव, जो मौन से प्राप्त होता है, वही वास्तविक है। यदि उत्सव के साथ पवित्रता को जोड़ दिया जाए तो पूर्ण हो जाता है। केवल शरीर तथा मन ही उत्सव नहीं मनाते, चेतना भी उत्सव मनाती है और उस स्थिति में जीवन रंगयुक्त हो जाता है।

मनुष्य और प्रकृति का सनातन रिश्ता रहा है। वर्ष भर अलग-अलग ऋतुएं उसके जीवन में तरह-तरह के रंग भरती रही हैं। इन सभी ऋतुओं में बसंत का खास महत्व है क्योंकि इस दौरान प्रकृति नवश्रृंगार कर जीवजगत में भी नई ऊर्जा और उत्साह का संचार कर देती है। खेतों में सरसों की पीली चादर बिछ जाती है, बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। समस्त जीवन उल्लास से परिपूर्ण हो जाता है। खेतों में गेहूं की बालियां इठलाने लगती हैं। संकोच और रूढ़ियों की दीवारें टूट जाती हैं। ढोलक-झांझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ रंगों की फुहार फूट पड़ती है, खुशियों की बहार छा जाती है

मदमाता मदनोत्सव

प्रकृति ने मनुष्य को कई सौगातें दी हैं उन्हीं में मौसम भी एक है। प्रत्येक मौसम हमें प्रकृति के अनेक रूप दिखाता है और हमें नए संदेश भी देता है। वैसे तो हर मौसम अपने आप में विशेष होता है लेकिन उन सभी में वसंत के मौसम का अपना एक अलहदा अंदाज होता है। फागुन का महीना और वसंत का मौसम जब साथ होते हैं, तो धरती की तुलना सजी-धजी दुल्हन से की जाने लगती है।

फागुन का खुमार

मीलों तक फैले पीली सरसों के खेत देख ऐसा लगता है कि जैसे धरती ने पीली चुनर ओढ़ रखी हो। पीले रंग से सजी संवरी यह दुल्हन रूपी वसंत अपने पति के आगमन की सूचना देती है। फागुन के महीने में आम की बौरों की मदमस्त गंध और पलाश के पेड़ों के साथ तन-मन बौरा जाता है। हर वर्ष फागुन का महीना आते ही सारा वातावरण जैसे रंगीन हो जाता है और हो भी क्यों न, खेतों में पीली सरसों लहलहाती है, पेड़ो पर पत्तों की हरी कोपलें और पलाश के केसरिया फूल। इन सब को देखकर मन भी अनायास ही रंगीन हो जाता है। ऐसा होता है फागुन का खुमार।

इंद्रधनुषी त्योहार

इस दौरान हिंदू धर्मावलंबी फाग महोत्सव भी मनाते हैं। जो इस मास की महिमा और बढ़ा देता है। रंगों का त्योहार होली भी फाल्गुन मास की पूर्णिमा को रंग, उत्साह, मस्ती और उल्लास का त्योहार मनाया जाता है। वसंत की हवा के झोंके, फागुन की मस्ती और रंगों का सुरूर जीवन को उत्साहित कर देता है। ऐसा लगता है कि प्रकृति भी हमारे साथ-साथ फागुन का मजा ले रही हो। फागुन का यही उत्सवी मिजाज इसे अन्य महीनों से जुदा बनाता है और खास भी। कालजयी होते हैं पर्व, सदियों के बाद भी उनकी चमक और खनक कायम रहती है। होली एक ऐसा ही इन्द्रधनुषी त्योहार है, जिसका रंग वक्त के कैनवास पर अब तक चटक बना हुआ है।

दरअसल, आज जिसे हम होली के रूप में मनाने लगे है राजा-महाराजाओं के जमाने में वह मदनोत्सव बतौर आयोजित होने वाला भव्य-समारोह हुआ करता था। मदनोत्सव आखिर कब से होली बन गया, यह शोध का विषय है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सातवीं सदी तक संपूर्ण प्राचीन भारत में होली शब्द का नामोनिशान तक नही था। वस्तुत- जो भी था वह वसंतोत्सव या मदनोत्सव ही था।

मध्यकालीन युग के प्रारंभ होते ही संस्कृत भाषा अपना महत्व खोने लगी और भाषा के सरलीकरण के उन्ही युगों में मदनोत्सव होली बन गया। शिव द्वारा कामदेव-दहन के प्रकरण को होलिका-दहन में बदल दिया गया। यद्यपि प्रह्लाद आख्यान तो बहुत प्राचीन है और होलिका जो बाद में पूतना बनी, उसका प्रकरण भी ज्ञात था तथापि प्राचीन भारत में होली त्योहार का और उससे होलिका का प्रह्लाद संबंध स्पष्ट नहीं था। संभवत- वैष्णव धर्म की लोकप्रियता के समय सातवीं-आठवीं सदी में इस संपूर्ण शैव- आख्यान यानी शिव द्वारा कामदेव-दहन को वैष्णव-जामा पहनाने के लिए नृसिंह या विष्णु-होलिका दहन के रूप में इस कथा का रूपांतरण कर दिया गया।

रघुवंश में ऋतु-उत्सव

कालिदास ने अपने रघुवंश में इसे ऋतु-उत्सव कहा। बसंत का आगमन ही एक नशा है, उन्माद है, सम्मोहन है। सम्राट हर्षवर्धन ने अपने नाटक रत्नावली में मदनोत्सव का बड़ा ही नयनाभिराम वर्णन किया है- सातवीं सदी में धानेश्वर (हरियाणा) में यह मनाया जाता था। इसमें सभी नगरवासी आयु, स्तर, वर्ण के भेदभाव भूलकर विशाल राजकीय उद्यान में एकत्र होते थे, जहां नृत्य, संगीत, वाद्य एक अवर्णनीय समां बांध देते थे। सम्राट राजभवन में हाथी पर सवार होकर आते थे और उद्यान में अपनी पट्ट महिषी व अन्य रानियों के साथ प्रवेश करते थे। विविध वाद्यों का तुमुल घोष और रंगों की वर्षा मन मोह लेती थी। इसके बाद न कोई सम्राट रह जाता था, न महारानी, न सेनानायक। नारियां निहत्थे पुरुषों को पकड़-पकड़कर उन पर पिचकारियों से सुगंधित जलयुक्त रंग डालती थीं। पुरुष कृतकृत्य होते थे और केसर, गुलाल या अन्य सूखे रंगों की धूलि उन ललनाओं पर बिखेरते थे। यही वह अवसर था जब ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य व शूद्र की सीमा रेखाएं एकदम विलीन हो जाती थीं और उन्हीं के साथ समाप्त हो जाते थे मनुष्य से मनुष्य को अलग करने वाले धन, पद, सम्मान के रिश्ते। सभी रंगमय हो जाते थे।

विविध हास-परिहास

सम्राट हर्षवर्धन ने अपने दूसरे नाटक 'नागानंद' में भी मदनोत्सव का वर्णन किया है, जो रत्नावली जैसा ही है। हर्ष के राजकवि बाणभट्ट ने हर्षचरित में मदनोत्सव के समय विविध हास-परिहास का जिक्र किया है। दंडी ने अपने नाटक 'दशकुमारचरित' में मदन की पूजा के विधान का विधिवत उल्लेख किया है। इसके लिए अशोक वृक्ष को खूब सजाया जाता है। कामदेव की पूजा में पुष्पों का विशेष महत्व है साथ ही गन्ना, हरिद्रा, चंदन, इत्र, चावल, रेशम सहित उन वस्तुओं का अर्पण करना जो नर-नारी श्रृंगार-प्रसाधनों के लिए करते हैं। विशेष रूप से जिस रूप में कामदेव व की दिन में पूजा की जाती, सधवा स्त्रियों से अपेक्षा थी कि रात्रि में अपने घर के एकांत में उसी तरह अपने पति की अभ्यर्थना करें, क्योंकि प्रत्येक पति एक कामदेव है, प्रत्येक पत्नी एक रति।

सिगमंड फायड का चिंतन

विद्या की देवी मां सरस्वती को समर्पित महापर्व बसंत पंचमी के उपरांत दस्तक देने वाला ऋतुराज से मदमाता मदनोत्सव ही अपने परिवर्तित रूप में आज रंगपर्व होली बनकर प्रचलित हो गया है। इस पर्व के प्रतीक देवता कामदेव के अनेक नाम हैं मसलन- मदन, मन्मथ, कन्दर्प, प्रद्युम्न, अनंग, मकरध्वज, रतिपति, पुष्पधन्वा, रति नायक आदि। कमोबेश ये ही यूनानी दंतकथा के 'क्यूपिड' है। ये ही बौद्ध परंपरा के 'मार' हैं। ये ही सिगमंड फायड का संपूर्ण चिंतन हैं। ये ही हमारे चार पुरुषार्थों में से एक है, ये ही हमारी प्राणवायु है, हमारी मेधा-शक्ति है। उनकी आराधना का महापर्व मदनोत्सव यानी होली मैथुनी-सृष्टि की रचनाधर्मिता के प्रति अहोभाव का प्रतीक है। इस चराचर ब्रह्माड में केवल दो प्रजातियां हैं- एक कामदेव और दूसरी रति। आश्चर्य है कि प्रत्येक नर-नारी के अंतर्मन में हर समय कोलाहल मचाते रहने वाले, यौनाचार से परिप्लावित इस विश्व के अधिष्ठाता कामदेव स्वयं एकनिष्ठ, एक पत्नीव्रत और सदाचारी हैं। इसीलिए नमनीय हैं, वंदनीय हैं। वाल्मीकि रामायण में सर्वप्रथम कामदेव की स्तुति में मदनोत्सव मनाए जाने का उल्लेख आया। जिसे भारत के प्राचीनतम और गौरवमयी त्योहारों में से एक माना गया। तब न होली थी और न होलिका, केवल यही बसंतोत्सव था। चैत्र की पूर्णिमा यानी मार्च-अप्रैल में यह पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता था। यह खुशियों की बहार का बेजोड़ समय होता है, जब शीतल मंद सुगंध पवन, हरियाली के भार से दबे पेड़, पीले सरसों से लहलहाते खेत, फूलों से लदे-फदे पौधे, सभी पशु-पक्षी, फूल-भंवरे, प्रकृति-ऋतु एक बारगी जवान हो उठते हैं। एक अजीब मादकता छा जाती है वातावरण में।

विदेशों में होली के दिलचस्प रंग

रंगों का रंगीला पर्व होली केवल हमारे देश में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी मनाया जाता है। हां, विदेशों में होली मनाने के रंग-ढंग हमसे कुछ भिन्न जरूर हैं, किन्तु वहां पर भी उसी उत्साह और उमंग से होली मनाई जाती है। होली के शुभअवसर पर क्यों न विश्व के विभिन्न दे शों में होली मनाने का जायजा लिया जाए और देखें कि वहां कैसे मनाई जाती है होली

अमेरिका में एक त्योहार मनाया जाता है 'होबो'। होबो के दिन दुनिया भर के फूहड़पन अमेरिका में देखा जा सकता है। उस दिन होबो बने लेगों की एक सभा होती है। उस सभा में जाने के लिए जो पोशाक पहनी जाती है, उसमें किसी के पतलून की एक टांग गायब होती है तो कोई शर्ट के बटन वाला भाग पीठ की ओर करके पहने होता है। किसी के एक पैर में जूता होता है, तो दूसरे पैर में चप्पल। चेहरे पर ऐ सा मेकअप किया जाता है कि खुद होबो के घर वाले भी पहचान न पाएं। इस सभा में जो सर्वाधिक बेहूदगी करता है, उसकी प्रशंसा की जाती है और उसे अन्य होबोओं द्वारा पुरस्कृत किया जाता है। अमेरिका में 31 अक्टूबर को 'हेलाइन' नाम से रंगों का त्योहार भी पूरे उत्साह और उल्लास से मनाया जाता है।

इटली : यहा होली का प्रतिरूप त्योहार 'बेलियाकोनोन्स' के नाम से मनाया जाता है। इस दिन छोटे-बड़े सभी एक दूसरे पर सुगन्धित जल छिड़कते है और उन्हे घास के बने आभूषण भेंट करते हैं। यहा पर होली काफी शालीनता से मनाई जाती है। अन्न की देवी 'फ्लोर' को खुश करने के वास्ते तथा खेती की उन्नति के लिए शाम को बिल्कुल भारत की तरह इटली के लोग लकड़ियां एकत्र कर जलाते हैं और अग्नि के आसपास नाचते-कूदते हैं। इस मौके पर आतिशबाजी करने की प्रथा भी यहा प्रचलित है।

फ्रांस : यहां लोग बेहद उत्साह से होली मनाते हैं। इस दिन फ्रांसीसी लोग काफी हुड़दंग मनाते हैं और एक-दूसरे पर रंग-बिरंगे गुलाल और रंग मलते हैं। हर साल 13 अप्रैल को मनाए जाने वाले इस त्योहार को फ्रांस में 'मूर्ख का त्योहार' कहा जाता है। यहा जो भी होली के हुड़दंग से बचने की कोशिश करता है, उसका मुंह सभी हुड़दंगी मिलकर काला कर देते हैं और उसके सिर पर सींग लगाकर उसे भैंस की आकृति दी जाती है। फिर उसे सारे बाजार में घुमाया जाता है। इससे एक दिन पहले घास-फूस की बनी मूर्तियों को सारे नगर में घुमाकर शाम को उन्हें जला दिया जाता है।

अफ्रीका : मार्च-अप्रैल के मध्य मनाया जाने वाला त्योहार 'ओमेना वैका' भारतीय होली का मिलता-जुलता रूप है। यहा पर 'वौंगा' नामक एक अत्याचारी राजा का पुतला जलाया जाता है। इस संबंध में यह मान्यता प्रचलित है कि 'वौंगा' नामक एक अत्याचारी राजा को प्रजा ने जलाकर मार डाला था। तब से प्रतिवर्ष उसी ढंग से 'वौंगा' का पुतला जलाकर यह त्योहार मनाया जाता है और खुशियां मनाई जाती है। दूसरे दिन कुछ अफ्रीकी क्षेत्रों में एक दूसरे पर रंग भी छिड़कते हैं।

रूस : 31 मार्च के दिन हर साल 'हास्य पर्व' मनाया जाता है। इस दिन यहां भारत सरीखे महामूर्ख सम्मेलन इत्यादि आयोजन किये जाते हैं। भारत के पड़ोसी देश बर्मा में होली को 'तेच्या' कहा जाता है। यहां यह पर्व चार दिन तक मनाया जाता है। इन चार दिनों में बच्चे-बड़े सभी राह चलते लोगों पर पिचकारियों से रंग फेंकते हैं। इस पर्व के अवसर पर एक दिन का राष्ट्रीय अवकाश भी होता है।

श्रीलंका : यहा भी भारत के तौर-तरीकों से होली मनाई जाती है। यहां के लोग इस पर्व पर राष्ट्रीय अवकाश भी मनाते हैं। श्रीलंका में रात्रि को 'होलिका दहन' करते है और दूसरे दिन रंग-गुलाल भी खेलते है।

चीन : यहा लोकप्रिय पर्व 'च्वेजे' के दिन से एक पखवारे तक खुशियां मनाई जाती है और रंगों से खेला जाता है। यहां यह पर्व वसंत के बाद प्रारंभ होता है और हर चीनी इसमें बहुत उमंग के साथ हिस्सा लेता है । थाईलैंड में इसे 'सांग्क्रान' कहा जाता है। अप्रैल माह में मनाये जाने वाले इस त्योहार में लोग एक-दूसरे पर सुगंधित जल डालते हैं और बौद्ध भिक्षुओं को भिक्षा देते हैं।

चेकोस्लोवाकिया : यहां होली को 'बेलिया कोनोन्से' के नाम से मनाया जाता है। यहां पर इस दिन लोग भारत की भांति एक दूसरे पर रंग छिड़कते हैं और गुलाल मलते हैं। इस मौके पर नाच-गाना भी होता है। यूनान में 'मैपोल' नाम से एक त्योहार मनाया जाता है। इस उत्सव में एक खंभा गाड़ा जाता है और उसके आसपास ढेरों लकड़ियां एकत्र कर रात के समय आग लगा दी जाती है। इस दिन लोग अपने देवता 'डोयनोसिय' की पूजा कर शराब पीते हैं।

मिस्र : यहां मार्च महीने में होली की तरह ही एक पर्व मनाया जाता है, जिसमें रंगों का भरपूर उपयोग होता है। यहां इसे 'फलिका' नाम से जाना जाता है।

पोलैंड के लोग 'आरशिना' नामक त्योहार होली की भांति मनाते हैं। यहां लोगों की टोलियां इस दिन एक दूसरे पर फूलों से निर्मित रंग डालते हैं और आपस में गले मिलते हैं।

जापान में यह पर्व वसंत के आगमन तथा नई फसल की खुशी में मनाया जाता है। मार्च महीने में होने वाले इस उत्सव में नाच-गाने तथा विविध प्रकार के मनोरंजक कार्यक्रमों की भरमार होती है। बेल्जियम में 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाए जाने वाले इस पर्व पर लोग अपने पुराने जूते जलाते हैं तथा नाचते-गाते और हंसी-मजाक करते हैं। जो लोग इस उत्सव में शामिल नहीं होते, उनका चेहरा काले रंग से पोत कर उन्हें गधे की पीठ पर बैठा कर जुलूस निकालते हैं।

हंगरी देश का ईस्टर त्योहार भारत के होली पर्व जैसा ही है। लड़के-लड़कियां आपस में रंग छिड़कते हैं तथा मिठाई बांटते हैं। इस दिन नाच-गाकर लोग आनंद मनाते हैं।

जर्मनी में ईस्टर के दिन लकड़ियां एकत्र कर उसमें आग लगा देते हैं। बच्चे और युवक आपस में रंग खेलते हैं। साइबेरिया में घास-फूस तथा जलाने की लकड़ी घर-घर संग्रह की जाती है। पुरु ष तथा महिलाएं मिलकर होली जलाते है। इन देशों के अलावा विश्व के अन्य देशों में भी अलग-अलग अंदाज में होली मनाई जाती है। इसमें संदेह नहीं कि होली एक अंतरराष्ट्रीय त्योहार है।'

बनी रहे रंगपर्व की गरिमा

रंगों का त्योहार होली एक अनूठा पर्व है। एक अलग ही छटा लिए है यह उत्सव। इसकी पौराणिक मान्यता तो है ही सामाजिक महत्व भी बड़ा अर्थपूर्ण है। शांति और सद्भाव का संदेश देने वाला यह त्योहार भेदभाव और ऊंच नीच को भुलाकर एक हो जाने का दिन है। यह त्योहार उदारता और सहिष्णुता की सीख देता है। इसीलिए हमें याद रखना होगा कि होली में अमर्यादित मौज मस्ती से कहीं अधिक मायने रखता है। रंगों की आभा से मन -जीवन को रंगना और हर उस रिश्ते को जीवंत बना लेना जिसके बिना जिंदगी बेरंग है। साथ ही संयमित और सधे ढंग से उल्लास और हर्ष की अभिव्यक्ति करना ताकि हमारा व्यवहार खुशियों के रंग बिखेरे न कि किसी के दिल को ठेस पहुंचाये।

मस्ती की धुन में गरिमामयी व्यवहार

होली मस्ती और धमाल का त्योहार है पर इस मस्ती में कई बार त्योहार की गरिमा ही खो जाती है। मन क्षुब्ध हो जाता है जब होली के हुड़दंग के नाम पर हर साल कई जानें जाती हैं। जोश में होश खो देने वाले युवा सड़क हादसों के शिकार बनते हैं। महिलाओं और बुजुर्गों के साथ अभद्रता का व्यवहार होता है। इतना ही नहीं, विदेशों से हमारी सांस्कृतिक विरासत की सतरंगी छटा देखने और भारत आकर इस त्योहार को मनाने वाले पर्यटकों के साथ होने वाली बदसलूकी भी अखबारों की सुर्खियां बनती है। अक्सर देखने में आता है कि ऐसे हुड़दंग और असभ्य व्यवहार में युवाओं की भगीदारी सबसे ज्यादा होती है। ऐसा असामाजिक व्यवहार करने वाले युवा अन्य लोगों के साथ ही पुलिस प्रशासन के लिए भी समस्या बनते हैं। कई बार तो इन गतिविधियों में स्वयं उनका जीवन भी खतरे में पड़ जाता है। ऐसा हुड़दंग हमारी संस्कृति और इन सांस्कृतिक पर्व की गरिमामयी छवि क ठेस पहुंचाता है। आनं द और रंगों की उमं गों के बीच व्यवहार और विचार की नकारात्मकतालिए यू मानवीय गुणों को ताक पर रखना इस पर्व की गरिमा को धूमिल करता है।

समझिए उल्लास और उन्माद का अंतर

कोई भी त्योहार जब उसकी मूल भावना को भुलाकर उन्मादी ढंग से मनाया जाता है, तो पूरे समाज को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। आज के दौर में नशा और उदंडता भरा विवेकहीन व्यवहार हमारे त्योहारों का रूप विकृत कर रहे हैं। आज के युवा भूलने लगे है कि सामाजिक समरसता पैदा करने वाले इस रंगों के उत्सव को मनाने के लिए मर्यादाओं को भू लना इसके स्वरूप को ही विकृत कर रहा है । होली उल्लास का उत्सव है। जीवन में सतरंगी मिठास घोलने का मौका है न कि किसी की जिंदगी के रंग छीनने या उसे बेरंग कर देने का। इसीलिए जरूरी है कि उल्लास को उदंडता न बनने दें । इस पर्व के आध्यात्मिक और सामाजिक भावों को समझते हुए जीवन में खुशियों के रंग भरने की कोशिश हो न कि मस्ती और धमाल के नाम पर अराजक व्यवहार को अपनाया जाए। त्योहार को ऊर्जावान और जीवंत व्यवहार के साथ मनाएं, लेकिन दुस्साहसी न बनें। एडवेंचर के नाम पर हमारी उत्सवधर्मिता बदरंग न हो। इसका ख्याल रखना हमारा कर्तव्य भी है और जिम्मेदारी भी।

संवेदनाओं-परंपराओं को पोषित करें

हमारे पर्व-त्योहार हमारी संवेदनाओं और परंपराओं का जीवंत रूप है जिन्हें मनाना या यूं कहें की बार-बार मनाना, हर साल मनाना हर भारतीय को अच्छा लगता है। पूरी दुनिया में भारत ही एक ऐसा देश है जहां मौसम के बदलाव की सूचना भी त्यहारों से मिलती है। इन मान्यताओं, परंपराओं और विचारों में हमारी सभ्यता और संस्कृति के अनगिनत सरोकार छुपे हैं। जीवन के अनोखे रंग समेटे हमारे जीवन में रंग भरने वाली हमारी उत्सवधर्मिता की सोच मन में उमंग और उत्साह के नये प्रवाह को जन्म देती है। हमारा मन और जीवन दोनों ही उत्सवधर्मी है। मेले और मदनोत्सव के इस देश में होली जैसा उत्सव हमारे मन में संस्कृतिबद्ध उपजाता है। ऐसी उत्सवधर्मिता परिवार और समाज को एक सूत्र में बांधती है। संगठित होकर जीना सिखाती है। सहभागिता और आपसी समन्वय की सौगात देती है। होली का सतरंगी पर्व तो इस उत्सवधर्मिता को सही अर्थों में साकार करता है। ऊंच-नीच से परे सबको एक कर देने का भाव लिए। आज के आपाधापी भरे तनावपूर्ण जीवन में रंगों की बौछार लिए होली का पर्व हमें नये रंग में रंग जाता है। ऐसे में मस्ती के नाम पर की गई गलती या गैर जिम्मेदार बर्ताव के चलते किसी का जीवन बेरंग ना हो जाए, ये ख्याल मन में होना जरूरी है।

रासायनिक रंगों के साथ

भांग का सेवन भी एक खतरा

हेल्थ

भांग का सेवन बहुत ज्यादा खतरनाक होता है। भांग का सेवन करने वालों में यूफोरिया, एंजाइटी, याददाश्त का असंतुलित होना, साइकोमोटर परफॉर्मेंस जैसी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। एक शोध के अनुसार यदि कोई व्यक्ति 15 वर्ष से भांग का सेवन करने लगता है तो 26 वर्ष तक की आयु में उसमें मानसिक विकार होने की संभावना 4 गुना ज्यादा बढ़ जाती है

महिलाओं में भांग के सेवन से उनके मां बनने की क्षमता पर बहुत बुरा असर पड़ता है। खासकर गर्भवती महिलाओं द्वारा भांग का सेवन करने से इसका असर भ्रूण पर पड़ता है। भांग का उपयोग करने से भूख में कमी, नींद आने में दिक्कत, वजन घटना, चिड़चिड़ापन, आक्रामकता, बेचैनी और क्रोध बढ़ना जैसे लक्षण शुरू हो जाते हैं। भांग का सेवन करने से हृदय गति, ब्लड प्रेशर में बदलाव के हृदय संबंधी बीमारी के गंभीर परिणाम सामने आते हैं। इसका क्रोनिक प्रभाव दिमाग पर पड़ने के साथ ही ड्रग की तरह लत भी लग सकती है। भांग से यूटेरो में उल्टा असर हो सकता है और इसकी वजह से मस्तिष्क के विकास में गड़बड़ी संभव है। भांग के परिणाम धूम्रपान की तरह ही होते हैं जो तंबाकू को धूम्रपान के तौर पर लेते हैं, इसलिए इससे परहेज करना चाहिए। कम उम्र के लोगों में इसका असर वयस्कों की तुलना में कहीं ज्यादा होता है। भांग के रासायनिक यौगिक आंख, कान, त्वचा और पेट को प्रभावित करते हैं।

भांग के सेवन से दुष्प्रभाव

- भांग के सेवन के बाद एक ही व्यक्ति को अपने मन की स्थितियों या परिस्थितियों के अनुसार प्रिय या अप्रिय प्रभाव महसूस हो सकते हैं।
- छात्रों द्वारा प्रयोग करने पर पढ़ाई के दौरान ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत महसूस होती है।
- काम के दौरान भांग का सेवन करने से दिन में सपने देखने की संभावना ज्यादा होती है, जिससे कामकाज पर प्रभाव पड़ता है।
- भांग के नियमित उपयोग से साइकोटिक एपिसोड या सीजोफ्रेनिया (मनोभाजन) होने का खतरा दोगुना हो सकता है।
- यदि कोई व्यक्ति 15 वर्ष से भांग का सेवन करने लगता है तो 26 वर्ष तक की आयु में उसमें मानसिक विकार होने की संभावना 4 गुना ज्यादा बढ़ जाती है।
- भांग का आदी होने पर आदमी अन्य सभी चीजों में रुचि लेना बंद कर देता है और अपनी अन्य जरूरतों को पूरा नहीं कर पाता।
- भांग के सेवन से घबराहट, अत्यधिक चिंता, उल्टी और अधिक खाने की इच्छा भी हो सकती है।

(कॉस्मेटिक स्किन एंड होम्योक्लीनिक की कॉस्मेटोलॉजिस्ट व होम्योफिजीशियन करुणा मल्होत्रा से बातचीत पर आधारित)

हरियाणा सरकार

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस और होली महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

हरियाणा की बेटियों ने प्रशासनिक सेवा, खेल, स्वास्थ्य, शिक्षा, राजनीति, अंतरिक्ष विज्ञान, पुलिस सेवा, पर्वतारोहण, सौंदर्य प्रतियोगिता, सेना तथा जन सेवा से जुड़े क्षेत्रों में लहराया परचम

हरियाणा सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए कटिबद्ध

- पंचायती राज संस्थानों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण।
- प्रदेश में लिंगानुपात सुधरकर 871 से 917 हुआ।
- महिलाओं की सुरक्षा व हर समय उनकी मदद के लिए महिला हेल्पलाइन नम्बर 1091 शुरू।
- दुर्गा शक्ति ऐप, दुर्गा शक्ति वाहिनी, दुर्गा शक्ति रैपिड एक्शन फोर्स की स्थापना।
- महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के मामलों में तेजी से सुनवाई के लिए 16 फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित।
- छात्राओं के लिए रोडवेज़ की बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा।
- 33 प्रतिशत राशन डिपो महिलाओं को।

राज्य स्तरीय महिला सम्मान एवं पुरस्कार समारोह

मुख्य अतिथि

श्री मनोहर लाल
मुख्यमंत्री, हरियाणा

दिनांकः 10 मार्च, 2023 | समयः प्रातः 11:30 बजे
स्थानः अनाज मण्डी, करनाल

- श्रीमती सुषमा स्वराज पुरस्कार
- इन्दिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार
- कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार
- लाइफटाईम अचीवमैंट पुरस्कार
- वुमन आउटस्टैंडिंग अचीवर्स पुरस्कार
- घटते लिंगानुपात में सुधार प्रोत्साहन पुरस्कार
- पोषण स्तर पर सुधार के लिए न्यूट्रिशन पुरस्कार

सूचना, लोक सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, हरियाणा

www.prharyana.gov.in | Follow us on @dipharyana